वार्षिक रिपोर्ट

२०१४-२०१५

ANNUAL REPORT

2014-15

ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CENTRAL UNIVERSITY OF ORISSA

(A Central University Established by and Act of Parliament)

Boys' Hostel at CUO permanent Campus, Sunabeda will be opened shorlty.

Girls' Hostel at CUO permanent Campus, Sunabeda will be opened shortly

वार्षिक रिपोर्ट

२०१४-२०१५

ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(संसद के अभिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सूचीपत्र

क्रमांक	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
१.	कुलपति की कलम से	१
२.	कुलपति का रिपोर्ट	२
३.	प्रस्तावना	३
४.	विश्वविद्यालय की लोकशक्ति	४
५.	कार्यकारी सारांश	८
६.	विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों और संकाय सदस्यगण	१०
७.	केंद्रीय पुस्तकालय	३१
८.	कंप्यूटर केंद्र	३४
९.	यांत्रिकी तथा अनुरक्षण कक्ष	३५
१०.	परीक्षा अनुभाग	३७
११.	छात्रावास	३७
१२.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची	३८
१३.	वित्त	३९
१४.	शैक्षणिक कैलेंडर	४४
१५.	दाखिल छात्र-छात्राएं	४५
१६.	विश्वविद्यालय की घटनाएँ	४८
१७.	विश्वविद्यालय को प्राप्त सम्मान / प्रतिष्ठा	५१
१८.	हमारे नये परिसर का विकास	५२
१९.	नयी नियुक्ति	५३
२०.	पुरस्कार एवं सम्मान	५५
२१.	वैधानिक समितियों के सदस्यगण	५६

कुलपति की कलम से. . . .

प्रिय साथियों,

मैं इसे सम्मान तथा सौभाग्य की बात मानता हूं कि भारत के राष्ट्रपति ने दिनांक 7 अगस्त, 2015 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूसरे स्थायी कुलपति के रुप में सेवा करने के लिए अवसर प्रदान किये हैं। मुख्य रुप से हमारे क्षेत्र के वंचित वर्गों की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस विश्वविद्यालय के साथ साथ देश में और 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना की गयी थी। परिस्थितियों के कारण, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय विकासात्मक लक्ष्यों के मामले में वांछित प्रगति करने के लिए सक्षम नहीं हुआ है। परंतु, हमारी दृष्टि और मिशन के नवीकरण एवं हमारे विश्वविद्यालय समुदाय एवं अन्य हितधारकों के चौतरफा समर्थन, हमें आगे बढ़ने के लिए प्रयास संभव कराएगा ताकि ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों के बीच अपना सही स्थान कब्जा कर सकेगा ।

हमारा प्रयास होगा कि हम इस क्षेत्र में शैक्षिक आउटरीच में एक प्रमुख केंद्र बनेगें । तीन महीने के कम समय के भीतर, हम निम्नलिखित प्राप्त करने में सक्षम हो गये हैं :

- विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में लंबे समय से प्रतीक्षित दो स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना हो चुकी है।
- विश्वविद्यालय की स्थायी परिसर में बिजली आपूर्ति हो चुकी है।
- राष्ट्रीय मार्ग से नये परिसर को जुड़ी एप्रोच रोड़ पूरी तरह से क्रियाशील है।
- स्थायी परिसर को जल की आपूर्ति हो चुकी है।
- स्थायी परिसर में बालक एवं बालिका छात्रावास की चारदीवार का निर्माण ।
- शैक्षणिक ब्लॉक (पूर्व निर्मित) का निर्माण स्थायी परिसर में पूरा होने की कगार पर है।
- आंतरिक सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- आंतरिक पानी की पूर्ति हो चुकी है।
- स्थायी परसिर में कुल 15,000 पौधें (सजावटी एवं फलों के पौधें) लगाए गए हैं।
- लांडिगुड़ा परिसर के चारदीवारी पर आदिवासी कला के चित्र आंके गये हैं।
- विश्वविद्यालय ने पाँच गांवों को गोंद में लिया है। वे गांव हैं : राजपालमा, चिकापर, चक्रलीपुट, बलाढ़ और नूआगढ़।
- इन गांवों के विकास के लिए एक ग्राम परिषद बनाया गया है।
- नया परिसर में वास्तव में इंटरनेट कनेक्टिविटी जल्द ही हो जाएगी।

मैं अपने सहयोगियों, कर्मचारियों और छात्रों के प्रयासों की तारीफ में बहुत खुश हूँ । हमेशा, एक संगठन को अपने मेंटर समूहों की बहुमूल्य सलाह लाभप्रद होता है। हम ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति, न्यायालय एवं हमारे विश्वविद्यालय अन्य निकायों के चौतरफा समर्थन के लिए उनके आभारी हैं ।

हम इस तरह के निकायों का नियमित बैठकें आयोजन करेंगे और पूर्व छात्र सहित सभी हलकों से बहुमूल्य जानकारी की तलाश करेंगे।

हम उम्मीद करते हैं कि राज्य, केंद्र और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से समर्थन मिलता रहेगा, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दशक में अथवा उसके बाद देश में शिक्षा के अग्रणी प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र के रूप में उभरेगा।

सभी को शुभकामानाओं के साथ ।

(प्रो. सच्चिदानंद महांति)

कुलपति,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नियुक्ति, बैठकें और वार्तायें

07.08.2015

प्रो. सच्चिदानंद महांति ने दिनांक 7 अगस्त 2015 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक कुलपति का कार्यभार ग्रहण किया है। प्रोफेसर सच्चिदानंद महांति कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं उनमें से है ब्रिटिश काउंसिल, साल्जबर्ग, कथा और फुलब्राइट आदि । उनकी 26 किताबें ओड़िआ और अंग्रेजी में हैं। प्रो. महांति के निबंध और लेख देश के कहीं अग्रणी पत्रिकाओं में और कहीं न कहीं दिखाई देते हैं। उन्होंने भारत और विदेश में प्रमुख विश्वविद्यालयों में व्याख्यान प्रदान किया है।

10.08.2015 से 15.08.2015

कुलपति ने मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी, से नई दिल्ली में मिले थे। अन्य मुद्दों के अलावा, वह विश्वविद्यालय के लिए आबंटित धनराशि में कटौती की बहाली पर चर्चा की । इससे पहले धन में किए गए सत्तर प्रतिशत कटौती बहाल कर दिया गया है। उन्होंने सचिव तथा संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी से मुलाकात की थी।

16.08.2015 से 21.08.2015

प्रोफेसर सच्चिदानंद महांति को ओड़िशा मे मुख्यमंत्री और ओड़िशा राज्यपाल ने भुवनेश्वर में आह्वान किया था। उन्होंने मुख्य सचिव, केबीके के मुख्य प्रशासक और प्रमुख सचिव,राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मुख्य यंत्री सह सचिव, और प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग से मुलाकात करके जल, बिजली, सड़क , जमीन और उपकर के बारे में चर्चा की थी ।

03.09.2015

कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में एससीबी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, कटक के एक कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया था ।

08.09.2015 से 10.09.2015

कुलपति ने भारत के राष्ट्रपति महोदय से दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान किया । उन्होंने एनयूपीईए द्वारा नयीदिल्ली में आयोजित एक संगोष्ठी में भाग लिया था । उन्होंने संयुक्त सचिव, मा.स.वि.मं और यूजीसे से मुलाकात की । उन्होंने सीयूओ के विकास पर सफल चर्चा की ।

18.09.2015

ई-टीवी, एक टीवी चैनल द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित एक एडुक्वेस्ट उत्कृष्टता पुरस्कार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया था । उन्होंने शिक्षा पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।

22.09.2015

कुलपति ने कोरापुट के पास नवरंगपुर में एक समारोह के मुख्य वक्ता थे। यह समारोह प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्रामी मुहम्मद वाजिब के सम्मान के लिए आयोजित हुआ था ।

08.10.2015

मानव संसाधन विकास द्वारा आयोजित कुलपतियों का सम्मेलन में भाग लिया था।

10.10.2015 से11.10.2015 तक

प्रो. सच्चिदानंद महांति ने भुवनेश्वर में आ ओड़िआ पर साहित्यिक उत्सव में भाग लिया था । यह कार्यक्रम न्यू इंडियन एक्सप्रेस द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें वे एक आमंत्रित वक्ता थे।

प्रगति

बहुत दिनों से अपेक्षित स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना दोनों अस्थायी परिसर लांडिगुड़ा और स्थायी परिसर सुनाबेढ़ा में स्थापना हो चुकी है । इसका उद्धाटन 15 अगस्त 2015 को हुआ था । छात्रों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक चिकित्सक की नियुक्ति हो चुकी है। नि:शुल्क औषध प्रदान करने के लिए प्रावधान रखा गया है।

स्थायी परिसर को बिजली की आपूर्ति हो गयी है। राष्ट्रीय मार्ग से नया परिसर को एप्रोच रोड़ चालू हो गया है । स्थायी परिसर को जल की आपूर्ति हो चुकी है ।

स्थायी परिसर में बालक और बालिकाओं छात्रावास का बाउंडरी दीवारों का निर्माण जोर-शोर से चल रहा है।

स्थायी परिसर में पूर्व निर्मित शैक्षणिक ब्लॉक पर एक नया शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण कार्य पूरा होने के कगार पर है।

आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आस पास के क्षेत्र में इस के लिए सज गई है। आंतरिक पानी की आपूर्ति की गई है ।

हरि परिसर अभियान के हिस्से के रूप में, स्थायी परिसर में कुल १५,००० पौधें लगायी है।

नए परिसर में इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए जल्द ही हो दी जाएगी।

सौंदर्य वस्तुओं की आवश्यकता समझी गयी है । लांडिगुड़ा परिसर के चारदीवारों पर आदिवासी कलाओं का अंकन किया गया है । वही भी स्थायी परिसर में दोहराया जा रहा है ।

विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक दायित्व निभाने के लिए अपनी परिधि के पाँच गांवों को गोद लिया है। उन गांवों में हैं : राजपालमा, चिकापार, चकरिलपुट, बलडाह एवं नुआगढ़ । गांवों के विकास के लिए एक ग्राम परिषद बनाया गया है।

07.10.2015

प्रो. सच्चिदानंद महांति को यूनेस्को के शिक्षा पर आयोग के सदस्य के रूप में महामहिम भारत के राष्ट्रपति ने नामित किये हैं। यूनेस्को द्वारा आयोजित एक बैठक में उन्होंने भाग लिया है।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों का कार्यकाल की सूची

नाम	अवधि
प्रो. सुरभि बनर्जी	28/02/2009 से 27/02/2014 तक
प्रो. मुह. मियाँ (अतिरिक्त प्रभार)	01/04/2014 से 13/05/2015 तक
प्रो. तलत अहम्मद(अतिरिक्त प्रभार)	15/05/2015 से 06/08/2015 तक
प्रो. सच्चिदानंद महांति	07/08/2015 से अब तक

सीयूओ वार्षिक रिपोर्ट 2014-15 की समिति

सलाहाकार समिति

अध्यक्ष :
प्रो. सच्चिदानंद महांति
कुलपति

सलाहाकार :
प्रो. किशोर चंद्र राउत,
अधिष्ठाता शैक्षणिक
प्रो. चितरंजन कर
अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ
डॉ. शरत कुमार पलिता
अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ

संपादकीय समिति

संयोजक :
डॉ. प्रदोष कुमार रथ,
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, डीजेएमसी

समन्वयक :
डॉ. फगुनाथ भोई,
लोक संपर्क अधिकारी

सदस्यगण :
श्री संजीत कुमार दास,
सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य, प्रभारी/डीईएलएल

श्री सौरभ गुप्ता,
सहायक प्रोफेसर, डीजेएमसी

सुश्री सोनी पारही,
व्याख्याता, डीजेएमसी

श्री सुजित कुमार महांति,
व्याख्याता, डीजेएमसी

सुश्री तलत जहांन बेगम,
व्याख्याता, डीजेएमसी

सुश्री मयूरी मिश्रा,
क. परामर्शदाता, हिंदी विभाग

सुश्री शताब्दी बेहेरा,
व्याख्याता, हिंदी विभाग

प्रस्तावना

मुझे ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वास्तव में अपार संतोष और हर्ष का अनुभव हो रहा है । यह रिपोर्ट 1 अप्रेल, 2014 से 31मार्च, 2015 तक की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की गतिविधियों और इसके संघटक तत्वों का एक सार-संग्रह पुस्तक है। यह विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों द्वारा निष्पादित शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार और प्रशासनिक गतिविधियों की एक समीक्षा प्रस्तुत करता है।यह विश्वविद्यालय एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय होने के नाते यह वार्षिक रिपोर्ट प्रशंसा, समालोचना, भविष्य में उन्नति एवं प्रगति के लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में प्रत्येक के सामने विशेष कर पारदर्शी रूप से निर्धारित करता है। यह रिपोर्ट मोटे तौर पर महत्वपूर्ण वर्गों में विभाजित किया गया है। सबसे पहले कार्यकारी सारांश, जो उस संस्थागत वर्गों के बारे में सूचना प्रदान करती है जिस पर सीयूओ बना है। इस अनुभाग में सीयूओ और इसके महत्वपूर्ण लोगों के बारे में बुनियादी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। दूसरा, विद्यापीठों और विभागों की गतिविधियाँ उन शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तारण गतिविधियों का एक मनोरम चित्र प्रस्तुत करता है, जिसे हमारे विद्वान संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान अपने अपने विशेषज्ञता के संबंधित क्षेत्रों में निष्पादित किया है। उनके उत्कृष्ट प्रकाशन और अनुसंधान परियोजनाओं के बाद विभागिय गतिविधियों और छात्रों की उपलब्धियाँ रखी गयी है । इस वर्ष के दौरान सीयूओ परिसर में आयोजित हुई विश्वविद्यालय की घटनायें इस रिपोर्ट का तीसरा बड़ा हिस्सा है जिसमें घटनाओं के पाठ और तस्वीर रखे गये हैं । चौथा खंड संरचना, भवनों और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रस्तावित अन्य साजो सुविधाओं की प्रगति के बारे में बताता है। पंचम भाग विश्वविद्यालय की वितीय पहलुओं के बारे में बताता है जो किसी भी संस्थान की जीवन रेखा है, सीयूओ की विस्तृत प्राप्तियाँ एवं भुगतान ढांचा को बताता है।कुल मिलाकर, यह वार्षिक रिपोर्ट प्रगति पथ के सामग्रिक दृष्टिकोण का चित्र प्रस्तुत करता है जो इस अवधि के दौरान सीयूओ में हुआ है। नये कुलपति के रूप में प्रो. सच्चिदानंद महांति की नियुक्ति से आने वाले दिनों में प्रकाश और आशा की नई और उज्जवल किरणें दिख रहा है।वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के दौरान अपने बहुमूल्य सुझाव के लिए श्री आशीष जैकब थोमास, पीआरओ को हम धन्यवाद देते हैं । इस वार्षिक रिपोर्ट में संकलित जानकारी और डेटा प्रस्तुत करने के कारण संकाय सदस्यों, विभागीय प्रमुखों और प्रशासनिक प्रमुख को भी हम धन्यवाद देते हैं। हम वार्षिक रिपोर्ट समिति के उन सदस्यों को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस वार्षिक रिपोर्ट को मौजूदा आकार प्रदान करने के लिए रात दिन कठिनाई से काम किया है। इन सबसे ऊपर, हम उनके समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और सुझाव के लिए माननीय कुलपित महादेय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

वार्षिक रिपोर्ट समिति-2014-15

विश्वविद्यालीय की जनशक्ति

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के निममित कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
१.	प्रो. सच्चिदानंद महांति	कुलपति
२.	कर्नल आर. एस. चौहान	कुलसचिव
३.	नुरूल कबिर अक्तरउजामन	वित्त अधिकारी
४.	डॉ. मुरलिधर ताड़ी	परीक्षा नियंत्रक

स्थायी कर्मचारियों की सूची (शैक्षणिक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विद्यापीठ/विभाग
१	प्रो. किशोर चंद्र राउत	अधिष्ठाता, शैक्षणिक	शैक्षणिक
२	प्रो. चितरंजन कर	अधिष्ठाता, भाषा	भाषा विद्यापीठ
३.	डॉ. शरत कुमार पलिता	अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर (एसोसीएट प्राफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर)	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ (एसबीसीएनआर)
४.	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग (डीएएस)
५.	श्री श्रीनिवास बी. कोंटक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग (डीएएस)
६.	डॉ. काकोली बनर्जी	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीबीसीएनआर)
७.	डॉ. देबब्रत पंडा	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीबीसीएनआर)
८.	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग (डीईएलएल)
९.	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग (जेएंडएमसी)
१०.	श्री सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग (जेएंडएमसी)
१९.	डॉ. अलोक बराल	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग (डीओएलएल)
१२.	डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग (डीओएलएल)
१३.	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर	समाज विज्ञान अध्ययन विभाग (डीएसएस)
१४.	श्री ज्योतिष्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर	गणित विज्ञान विभाग (डीएम)
१५.	डॉ. महेष कुमार पण्डा	सहायक प्रोफेसर	गणित विज्ञान विभाग (डीएम)
१६.	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र विभाग (डीई)

१७.	श्री बिश्वजित भोई	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र विभाग (डीई)
१८.	श्रीमति मिनती साहु	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र विभाग (डीई)
१९.	डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ि	सहायक प्रोफेसर	शिक्षक शिक्षा विभाग (डीईटी)
२०.	डॉ. आर. पूर्णिमा	सहायक प्रोफेसर	शिक्षक शिक्षा विभाग (डीईटी)

ठेके कर्मचारियों की सूची (शिक्षण)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विद्यापीठ/विभाग
१	डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा	व्याख्याता (संविदा)	समाज विज्ञान अध्ययन विभाग
२	डॉ. सागरिका मिश्रा	व्याख्याता (संविदा)	समाज विज्ञान अध्ययन विभाग
३	डॉ. मीरा स्वांई	व्याख्याता (संविदा)	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग
४	डॉ. रूद्राणि महांति	व्याख्याता (संविदा)	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग
५	डॉ. गणेश प्रसाद साहु	व्याख्याता (संविदा)	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग
६	श्री अम्रेष आचारी	व्याख्याता (संविदा)	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग
७	सुश्री सोनी पारही	व्याख्याता (संविदा)	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग
८	सुश्री तलत जे. बेगम	व्याख्याता (संविदा)	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग
९	श्री सुजित कुमार महांति	व्याख्याता (संविदा)	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग
१०	डॉ. रविपल्लि श्री शांति नेहरू	संविदा शिक्षक	शिक्षक शिक्षा विभाग
११	श्री युधिष्ठिर मिश्रा	संविदा शिक्षक	शिक्षक शिक्षा विभाग
१२	श्री संतोष जेना	संविदा शिक्षक	शिक्षक शिक्षा विभाग
१३	श्री रमेश चंद्र माति	व्याख्याता (संविदा)	कंप्यूटर विज्ञान (डीएम)
१४	डॉ. शुभेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा	अतिथि व्याख्याता	भौतिक विज्ञान (डीएम)
१५	श्री दिनेश पांडेय	व्याख्याता (संविदा)	डीएम
१६	श्री बसुआ देवनंद	व्याख्याता (संविदा)	डीएम
१७	प्रो. चितरंजन कर	परामार्शदाता	डीइएलएल

नियमित गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१	श्री के.वी.उमा एम.राव	उप कुलसचिव	प्रशासन
२	श्री के कोशला राव	उप कुलसचिव	वित्त
३	श्री विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
४	डॉ.फगुनाथ भोई	जनसंपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
५	श्री मानस कुमार दास	अनुभाग अधिकारी	वित्त
६	श्री पंकज कुमार सिन्हा	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
७	श्री रश्मी रंजन सेठी	कुलपति के निजी सचिव	कुलपति सचिवालय

८	ई.पद्मलोचन स्वाईं	कनिष्ठ अभियंता	अभियांत्रिकी
९	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	सहायक	प्रशासन
१०	श्री संजिव कुमार पाप्नेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
११	श्री रूद्रनारायण	कनिष्ठ सहायक प्राध्यापक	पुस्तकालय
१२	श्री शिवराम पात्र	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१३	श्री मानस चन्द्र पण्डा	प्रवर श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक
१४	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
१५	श्री अजित प्रसाद पात्र	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त
१६	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला एटेंडेट	नृविज्ञान
१७	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय एटेंडेट	पुस्तकालय
१८	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	कार्यालय एटेंडेट	वित्त
१९	श्री तुषारकान्त दास	कार्यालय एटेंडेट	अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर
२०	श्री मिलन कुमार राउल	कार्यालय एटेंडेट	प्रशासन
२१	सुश्री प्रीति कुमारी रथ	कार्यालय एटेंडेट	स्थापना

गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची (संविदा)

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१	श्री सुधाकर पटनायक	ओआईसी (संविदा)	अनुरक्षण
२	श्री एम. एम. पात्र	ओएसडी (संविदा)	कार्यालय
३	श्री पी. पी. खोत्रिया	जेपीए (संविदा)	ओआईसी के साथ संलग्न
४	श्री दिलीप बेहेरा	क्लॉक (संविदा)	कार्यालय
५	श्री प्रशांत कुमार नायक	क्लॉक (संविदा)	डीएसएस /डीई
६	श्री नितिश कुमार सबेर	लाइब्रेरी ट्रेनी	क्रेंदीय पुस्तकालय
७	सुश्री रत्नप्रिया भोई	लाइब्रेरी ट्रेनी	क्रेंदीय पुस्तकालय
८	श्री संतदेव साहु	लाइब्रेरी सहायक	डीबीसीएनआर
९	श्री तिकेश्वर प्रधान	लाइब्रेरी ट्रेनी	क्रेंदीय पुस्तकालय
१०	श्री श्रीनिवास पाउल	लाइब्रेरी ट्रेनी	क्रेंदीय पुस्तकालय

कार्यकारी सारांश

ओड़िशा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम २००९ के तहत संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी।

विश्वविद्यालय की दूरदृष्टि :

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बोर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)।

विश्वविद्यालय के मिशन :

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए "समावेशी शिक्षाह्ल का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ्य सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखाना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर "गुणवत्ता की संस्कृतिह्ल की शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

महामहिम भारत के राष्ट्रपति का भाषण

भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालयों का परिदर्शन किया था वर्ष के दौरान दो बार भारत के सभी उच्चतर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों को संबोधन किया है ।

उनका प्रथम संबोधन दिनांक ५ अगस्त २०१४ को " गणतंत्र एवं शासन प्रणाली "शीर्षक पर

उनका दूसरा संबोधन दिनांक १९ जनवरी २०१५ को " संसद एवं नीति निर्माण "शीर्षक पर ।

दोनों संबोधन नेशनॉल नलेज नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियो कनफरेसिंग के माध्यम से आयोजित हुआ था । विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विडियो कनफरेंस स्टुडियो में उपस्थित थे ।

शैक्षणिक रूपरेखा

वर्ष २०१४-१५ के लिए सात स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रम एवं बी.एड़ कार्यक्रम के लिए कक्षाएँ जुलाई-२०१४ से चलाई जा रहीं हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष २०१४-१५ के लिए ६६८ छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ छमाही (सेमेस्टार) प्रणाली पर आधारित है।

शैक्षिक पंचांग(कैलेण्डर)का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है। विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान, समाजशास्त्र, ओड़िआ एवं पत्रकारित व जनसंचार पाठ्यक्रमों में अपने एम.फिल/पीएच.ड़ी कार्यक्रम को विधिवत मंजूरी दी है और २०१४-१५ से जैव विविधता एवं प्राकृति संसाधन संरक्षण में । शैक्षिक वर्ष २०१४-१५ के लिए कुल ३३ शोध छात्र प्रेवश लिया है।

संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पस में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढ़ांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने इस शैक्षिक वर्ष 2014-15 से कैंपस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है।

मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यपक हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक तंन्त्र बनाया है।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय सिर्फ ५ साल पुराना है फिर यह अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में १७,००० पुस्तकों का संग्रह है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने आईएनएफएलआईबीनेट केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा प्रदत्त यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटेल पुस्तकालय संकाय कार्यक्रम द्वारा ७७ मुद्रित पत्र-पत्रिकाएँ एवं ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ खरीदी है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने एक छोटी अवधि के अंदर जेएसटीओआर, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस,टेलर एवं फ्रांसिस, स्प्रींगर, प्रोजेक्ट म्यूज, वैली-ब्लाकवेल प्रकाशन, केम्ब्रीज विश्वविद्यालय प्रेस, जेसीसीसी, मैथसीनेट, आईएसआईडी डेटाबेस, एमर्लाड, साइंस डिरेक्ट एवं अन्य ई-पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु गर्वित है।

विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु विभिन्न विशेष जगहों से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर नौ बसें प्रद्रान की गयी है।

सांविधिक समितियों की बैठकें

कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की १८वीं बैठक २० अप्रैल, २०१४ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की १९वीं बैठक १९ जुलाई, २०१४ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की २० वीं बैठक २१ दिसम्बर, २०१४ को आयोजित की गई।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद की १३वीं बैठक १० नवम्बर, २०१४ को आयोजित की गयी।

वित्त समिति

वित्त समिति की १२वीं बैठक १९ जुलाई, २०१४ को आयोजित की गयी।
वित्त समिति की १३वीं बैठक ०३ मार्च, २०१५ को आयोजित की गयी।

भवन निर्माण समिति

भवन निर्माण समिति की २० वीं बैठक २६ मई, २०१४ को आयोजित की गयी।
भवन निर्माण समिति की २१ वीं बैठक १० नवम्बर, २०१४ को आयोजित की गयी।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्मारक/प्रतिभा/स्थापना दिवस व्याख्यान

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद एवं कार्यकारी परिषद द्वारा निम्न स्मारक/प्रतिभा व्याख्यानों का आयोजन किया गया :

i. अर्थशास्त्र में आदम स्मिथ स्मारक व्याख्यान
ii. साहित्य में कुन्तला कुमारी साबत स्मारक व्याख्यान
iii. समाज विज्ञान में उत्कलमणि गोपबंधु दास स्मारक व्याख्यान
iv. समाज विज्ञान में उत्कल गौरव मधुसूदन दास स्मारक व्याख्यान
v. पत्रकारिता में एम. चपलाती राव स्मारक व्याख्यान
vi. विश्वविद्यालय की स्थापना दिवस व्याख्यान

विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों एवं संकायों की गतिविधियाँ

मौलिक विज्ञान एवं सूचना विज्ञान

गणित विज्ञान विभाग

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष २०११-१२ से पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

दूरदृष्टि :

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एमफिल/पीएचडी/स्नातकोत्तर(विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/ सांख्यिकी का प्रयोग।

विभाग :

1	प्रभारी प्रमुख का नाम	**श्री ज्योतिष्क दत्त, सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रमुख**
2	संपर्क विवरण	गणित विभाग, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय कोरापुटसुनाबेड़ा, कोरापुट-764020, ओड़िशा ई-मेल:jyotiska.datta@gmail.com
3.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	1. ज्योतिष्क दत्त, एम.एससी, एमफिलसहायक प्राध्यापक 2. डॉ.महेश कुमार पण्डा, एम.एससी., पीएचड़ी सहायक प्राध्यापक (सांख्यिकी)
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	गणित में (पंच वर्षीय) संकलित स्नातकोत्तर विज्ञान

शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण :

श्री ज्योतिस्का दत्ता, सहायक प्रोफेसर/प्रमुख, प्रभारी

- जुलाई २०१४ में पश्चिम बंगाल राज्य पात्रता परीक्षा में उत्तीण
- एक सदस्य के रूप में १० सितम्बर २०१४ को सीयूओ, शैक्षणिक परिषद की १३वीं बैठक में भाग लिया .

महेश कुमार पण्डा, सहायक प्रोफेसर

- मदुराई कामराज विश्वविद्यालय, मदुराई में से २१.०८.२०१४ से २३.०८.२०१४ तक गणित विज्ञान विद्यापीठ में आयोजित गाणितीय विज्ञान-२०१४ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में " के आउटलेर्स की उपस्थिति में लिंडले वितरण की वास्तविकता " पर एक निबंध प्रस्तुत किया और उसमें भाग लिया ।
- २७-२८ सितम्बर २०१४ को जवाहार लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में " प्रायोगिक भौतिकी, गणित विज्ञान/सांख्यिकी, रासायनिक विज्ञान / का नवीन एप्रोच और स्थायी विकास के लिए उभरती ऊर्जा तकनीकी पर आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (इशएएऐ-२०१४) में मल्टीप्लाइ आउटलेरों की उपस्थिति में लिंडले वितरण से सांख्यिकी का संवेद क्रम " शीर्षक पर एक निबंध प्रस्तुत किया ।

विभाग की गतिविधियाँ :

- विभाग में तीन अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति हुई है : वे हैं श्री दिनेश पाण्डेय (व्याख्याता, गणित विज्ञान), श्री बासुआ देवनंद (गणित विज्ञान में व्याख्याता) श्री रमेश चंद्र माति (व्याख्याता, कंप्यूटर विज्ञान), और डॉ. सुवेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा (अतिथि व्याख्याता, भौतिक विज्ञान) .
- दो ६ सेमेस्टर छात्रों ने जिनका नाम है देवाशिष शर्मा और निहार रंजन मलिक ने आईआईएससी, आईआईटी और एनआईटी आदि भारत के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश के लिए एम.एससी के लिए संयुक्त परीक्षा (जेएएम) उत्तीर्ण हुऐ हैं.
- आठवीं सेमेस्टर के छात्र अजित कुमार साहु ने गणित विज्ञान एवं अनुप्रयोग संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा राज्य विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, ओड़िशा सरकार की छात्रवृत्ति पाने के लिए चयन हुआ है.

- सिक्स सेमेस्टर के सुरज कुमार गरदा और चौथी सेमीस्टर के सुकन्या पाढ़ी एवं विवेक सूर्यनारायण मिश्रा ने मई २०१५- जून २०१५ के महीने में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर पर गणित विज्ञान प्रशिक्षण एवं टालेंट सर्च (एमटीटीएस) कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चयन हुए है.
- आठवीं सेमेस्टर के अजित साहु, बनिता जाल, विजयलक्ष्मी सतपथी, और कृष्णा जाल ने और छठवीं सेमीस्टर के निहार रंजन मलिक, चिन्मयी साहु और बंदना नायक और चौथी सेमीस्टर से रश्मि रेखा, काजल जेना और आर संकर रेडी को राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (भुवनेश्वर) में होने वाले गणित विज्ञान (ऊइश) २०१५ में राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया.
- सोनालि पटनायक, पाप्ती माझी और दीप्तिमयी महांति को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया है जो गणित विज्ञान एवं अनुप्रयोग संस्थान, भुवनेश्वर में आयोजन होगा.

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

कोरापुट स्थित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है। इस पृष्ठभूमि के साथ विभाग निम्नलिखित लक्ष्य रखता है :

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना ,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों की कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीय समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपर्ण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में मास्टर डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहाकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है।

विभाग:

१.	विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता का नाम	**डॉ. शरत कुमार पलिता**, एसोसीएट प्रोफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर एंव अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ
२.	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विकास, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडिगुड़ा, कोरापुट-७६४०२०, ओड़िशा ई-मेल: skpalita@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. शरत कुमार पलिता, एम.एससी., पीएच.डी., विभागीय मुख्य २. डॉ. काकोली बनर्जी, एम.एससी.,पीएच. डी., सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. देवब्रत पंडा, एम.एससी., एम.फील, पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी. (दो वर्ष), एम.फील (एक वर्ष) और बीसीएनआर में पीएच.डी.

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ.शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर और एसोसीएट प्रोफेसर तथा मुख्य, डीबीसीएनआर

- **बाह्य अनुसंधान निधि :**"भारत, ओड़िशा, कारोपुट के पश्चिम घाट के देओमाली पर्वतों का अकेशरूकी और लोएर रीड़ की जैव विविधता का आकलन करनाह्न शीर्षक पर एक अनुसंधान परियोजना पर ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड, भुवनेश्वर से निधि प्राप्त हुआ है'।
- ३०.०८.१४ को उत्कल विश्वविद्याल, वाणिबिहार द्वारा पर्यावरण विज्ञान में " ओड़िशा के खुरधा जिले में अट्टी ऊष्म जलधारा के विविधता एवं प्लांकटनों के वितरण " विषय पर डॉ. एस.के पलिता के मार्गदर्शन में एक छात्रा सुश्री अंजली कुमारी दाश को पीएच.डी. डिग्री मिली ।
- ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड द्वारा आयोजित होटल न्यू मॉरिएन, भुवनेश्वर में २२ मई २०१४ को "ओड़िशा में जैव विविधता एवं संरक्षण एवं सतत विकास "पर सम्मेलन में " भितरकनिका, ओड़िशा की जैवविविधता की स्थिति " पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया ।

- जून २-११, २०१४ के दौरान थंडा जल मछली अनुसंधान केंद्र (डीसीएफआर) निदेशालय, भिमटाल, उतराखंड, भारत में आयोजित" थंडा जल मछली प्रबंधन में आण्विक उपकरणों का अनुप्रयोग " आईसीएआर द्वारा प्रायोजित पर अल्पावधि पाठ्यक्रम में भाग लिया था ।
- २७.०५.१४ से ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग के अधिष्ठाता के रूप में नियुक्त है ।
- जुलाई २०१४ में ओड़िशा कृषि एवं यांत्रिकी विश्वविद्यालय, (ओयूएटी), भुवनेश्वर, ओड़िशा के प्राणी विज्ञान में एमएस.सी में प्रयोगिक परीक्षा के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त ।
- २०१४-१५ के लिए सलाहाकार, प्रवेश समिति के रूप में कार्यरत।
- पृथ्वी दिवस और जैवविविधता संरक्षण पर एक व्याख्यान प्रदान करने के लिए और २२.०४.१४ को डीपीएस, दामनजोडी, कोरापुट के पृथ्वी दिवस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित ।
- २८ जुलाई २०१४ को फाउंडेशन ऑफ इकोलोजिकॉल सिक्युरिटी (एपुईएस) और आई.आई.टी., मुंबई द्वारा आयोजित कोरापुट एक लाख सौर स्टडी लैंप स्थानीय इलाके में बेचने और उपयोग के लिए स्थानीय लोगों के माध्यम से स्थानीय सौर ऊर्जा पर एक कार्यक्रम में सौर ऊर्जा लैंप (एदळ्थ्) पर एक तकनीकी पशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में निमंत्रित हुए थे ।
- जीव विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को व्याख्यान प्रदान करने के लिए ५- ६ दिसम्बर २०१५ को यूजीसी एकाडेमिक कॉलेज, वर्दमान विश्वविद्यालय, वर्द्मान, पश्चिम बंगाल द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित ।
- एम.फील में शोध निबंध के मूल्यांकन के लिए ३ फरवरी २०१५ को जीव विज्ञान विद्यापीठ, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित ।
- १७ जनवरी २०१५ को जैव विविधता संरक्षण : मुद्दा एवं चिंताएँ पर व्याख्यान प्रदान करने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर, दामनजोड़ी, कोरापुट द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित ।
- यथ रेडक्रॉस स्वेच्छासेवियों (भ्ंण) का जिला स्तरीय अध्ययन सह प्रशिक्षण अभियान के अवसर पर वैश्विक गर्मी और जलवायु परिवर्तन पर एक व्याख्यान प्रदान करने के लिए ७ फरवरी २०१५ को सरकारी कॉलेज (स्वायत), कोरापुट द्वारा सम्माननीय अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित हैं ।
- थिएटेंडेंट टाक्सा पत्रिका में एक अनुसंधान लेख की समीक्षा की ।
- सदस्य के रूप में २६ अप्रैल २०१४ को कार्यकारी परिषद की १८वीं बैठक में भाग लिया ।
- सदस्य के रूप में १० सितम्बर २०१४ को कार्यकारी परिषद, सीयूओ की १९वीं बैठक में भाग लिया ।
- सदस्य के रूप में १० सितम्बर २०१४ को कार्यकारी परिषद की १३वीं बैठक में भाग लिया ।
- संयोजक, इनोवेशन क्लब,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ।
- संयोजक, विश्वविद्यालय एलुमिनी एसोसीएसन, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ।
- सह-संयोजक, विश्वविद्यालय वेबसाइट अद्यसतन समिति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ।

प्रकाशन :

- भितरकनिका, ओड़िशा की जैवविविधता की स्थिति , ओड़िशा में जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास पर सम्मेलन के स्मारिका एवं सारांश में प्रकाशित (२०१४). (सह लेखक-डी. पंडा)
- कोरापुट जिला, ओड़िशा, भारत में साक्रेड ग्रोवस के माध्यम से पुष्प विविधता संरक्षण : एक अध्ययन .*इंटरनेशनॉल रिसर्च जर्नल ऑफ एनवारोटमेंट साइंसेस,* सितम्बर (२०१४), खंड ३(९): १-१९ आईएसएसएन २३१९-१४१४. (सह लेखक डी पंडा एवं एस. बिसोई)
- कोरापुट जिला, भारत के जनजातियों के द्वारा व्यवहृत औषधीय खपतवार विविधता एवं एथनोमेडिसिनॉल मातमों । इको. एन. एंड कनस २०१४, २० (सप्लि.) २०: ३५-३८. (सह लेखक : डी. पंडा, एस. प्रधान और जे. नायक). आईएसएसएन ०९७१-७६ँ, एनएएसएस : ५.०२, स्कोपस-एच इंडेक्स : ९.
- मानव स्लथ बिएर अंतक्रिया- कोरापुट वन विभाजन, दक्षिण ओड़िशा, भारत का शिमलिगुड़ा वन से प्रारंभिक सर्वे । *प्राणिकी जर्नल ऑफ जियोलोजिकॉल सोसाइटी ऑफ ओडिशा,* २०१४,ँ्र : १३-२१. । (सह लेखकगण : तुहिनानासु कर और सब्रत देवता) । ऑएसएसएन ०९७०-४४५०.
- ओड़िशा, भारत के कोरापुट जिले में सामान्य बीमारियों के इलाज और फसल मातम । *अमेरिकॉल जर्नल ऑफ बायोलोजिकॉल एंड फार्मासीयूटिकॉल रिसर्च,.* २०१५, २(१); २०-२३. (सह लेखकगण : डी पंडा और एस. एस. रथी नायक). आईएसएसएन - २३४८-२१७६, आई. एफ.ृ१.३४, स्कोपस इंडेक्स (घ्ण मूल्य) : ४.६७।

- कोरापुट की जैव विविधता : ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मार्च २८ से २९, २०१५ तक एक समीक्षा. कोरापुट क्षेत्र में जैवविविधता एवं संरक्षण पहलू पर संगोष्ठी एफईएस, आनंद, गुजरात के सहयोग से मिलकर जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग द्वारा । पृष्ठ संख्या.५-११.

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर

- एरासमस मुंडुस कार्यक्रम के तहत यूफ्राटेस परियोजना के लिए प्राप्त विदेश अनुदान । परियोजना समन्वयक के रूप में सेंटिएगो डे कंपोस्टेला, स्पेन विश्वविद्यालय से एरासमस मुंडुस प्रोग्राम के तहत यूफ्राटेस परियोजना में काम करने के लिए तीन हजार यूरो प्राप्त किया है।
- लोक प्रशासन संस्थान, बेंगालूर द्वारा वार्का पाल्म समुद्र सी बीच रिसोर्ट, सालसेटे, गोवा में दिनांक १६-१७ मई २०१४ को कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, २०१३ पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की ओर से प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया था ।
- जून, २०१४ को एक महीने के अनुसंधान कार्यक्रम करने के लिए सेंटिएगो डे कंपोस्टेला, स्पेन विश्वविद्यालय में अनुसंधान उत्कर्ष कार्यक्रम यूसीएस-भारत (पीईआईएन) के लिए आमंत्रित।
- २० से २२ अगस्त, २०१४ तक पद्म श्री विखे पाटिल कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, प्रभानगर, लोनी, अहमदनगर द्वारा आयोजित विज्ञान तथा तकनीकी में नवीनतम प्रवृतियाँ और चुनौतियाँ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध निबंध प्रस्तुत किया ।
- कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन मामले की देखभाल के लिए ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के २०१४-१७ से आंतरिक आपत्ति समिति की प्रिजाइडिंग ऑफिसर हैं ।
- २७-२८ नवम्बर, २०१४ को बी. आर. अंबेदकर मारथवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में आयोजित सेंटिएगो डे कंपोस्टेला, स्पेन यूफारेटस परियोजना की समीक्षा बैठक में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से समन्वयक के रूप में आमंत्रित ।
- २६ तथा २७ दिसम्बर २०१५ के दौरान समुद्र तथा पर्यावरण अध्ययन, नई दिल्ली केंद्र के सहयोग से टेक्नो-इंडिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रोटेक्टिंग कोस्टाल जैवविविधता : सुंदरबन इकोसिस्टम के प्रति खतरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित।
- १७-१८ मार्च, २०१५ को जिल्ला प्रशासन के सहयोग से प्रगति, कोरापुट द्वारा आयोजित कृषि में महिला शीर्षक पर जिला स्तरीय महिला सम्मेलन के लिए सम्मानित अतिथि तथा वक्ता के रूप में आमंत्रित है ।
- वार्षिक दिवस समारोह पर ८ फरवरी २०१५ को आयोजित सुनाबेढ़ा पब्लिक स्कूल, कोरापुट में विज्ञान प्रदर्शनी में जूरी बोर्ड सदस्य के रूप में आमंत्रित है ।
- २३-२४ मार्च, २०१५ को एक परियोजना की परिभाषित के लिए पृथ्वी विज्ञान विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली आमंत्रित ।
- स्टुडेंस काउंसेल समिति और उद्योग एकाडेमिआ इंटरफेस समिति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंतरिक आपत्ति समिति के आंतरिक सदस्य के रूप में नामित ।
- ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के २०१४-१५ आंतरिक अभियोग समिति के प्रिजाइडिंग अधिकारी ।

प्रकाशन :

- फाइटोप्लांकटन कोशिका वोल्युम और भारतीय सुंदरबन में विविधता । *इंडियन जर्नल ऑफ जीओ-मेराइन साइसेंस,* २०१४, खंड. ४३(१), पृ. सं.. १-८. आई.एफ. १.९२ (सह-लेखक अभिजित मित्रा, सुफिआ जमन, सौराभ सेट, ए.के. राहा) ।
- जलवायु परिवर्तन प्रेरित लवणता उतार-चढ़ाव के आविसेनिया की मरीना पौधे की अनुकूली दक्षता, २०१४, *इंटरनेशनॉल साइंस जर्नल (समान समीक्षित,* खंड. १(१), ज्ज. १२७-१३२. (सह-लेखकगण अभिजित मित्रा, सुफिया जमन, सौरभ सेट, प्रमाणिक, प्रसनजित प्रमाणिक ।
- बायोरिमेडिएशन : ए. पोटेंनसिएल टुल फॉर ससटेनबल इनवारोनमेंट एंड अलटेरिनेटिव लिवलीहुड। मार्च २०१४, सुरक्षा कबच- ए जर्नल ऑफ सेफ्टी , हेल्थ एंड एनवारोनमेंट, वोल्युम १९, पृ.सं. ३९-४१. नाल्को, कोरापुट द्वारा प्रकाशित (सह-लेखकगण सुफिया जमन, अभिजित मित्र)
- लवणता उतार-चढ़ाव प्रेरित जलवायु परिवर्तन आभिसेनिआ मैराइन सिडलिंग की अनुकूली दक्षता । *इंटरनेशनॉल साइंस जर्नल,* २०१४, खंड १ (१), १२६ - १३२. (सह-लेखकगण : अभिजित मित्र, सुफिया जमन और प्रसन्न जित प्रमाणिक) ।
- भारतीय सुंदरबन के लवण मार्श ग्रास (प्रोटेरसिया कोराक्टा) में भारी धातवों के जैवसंचयन सोपान *जर्नल ऑफ एनर्जी, एनवारोनमेंट एंड कार्बन क्रेडिटस (एसटीम),* २०१४, ४ (३), १ - १०. (सह-लेखकगण : गाहुल अमिन, शखद्वीप चक्रवर्ती, प्रसन्नजीत परमाणिक, राजरूपा घोष, परडिस फाजिल, सुफिया जमन, पावेल बिस्वास, नबोनिता पाल एवं अभिजित मित्रा) ।

- भारतीय सुंदरबनों के ब्राकिश जल तालाबों में अप्राकृति ट्रिगेड फाइटोप्लांकटन ब्लुम और पोषण स्तर के बी अंतरा-संबंध. जर्नल ऑफ एनवारोनमेंटाल साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, २०१५, ४ (१), ८४ -९६. (सह-लेखकगण : सुभस्मिता सिन्हा, सुफिया जगन और अभिजित मित्रा) ।
- भारतीय सुंदरबन मेंग्राव पारिस्थितिकी से फाइटोप्लांकटन कोशिका परिणाम की स्पाटिओ टेम्पोराल विभिन्नता पर अध्ययन, *इंटरनेशनॉल डेली जर्नल फॉर स्पाइसेस,* २०१५, १२ (३४), ७३ - ८०. (सहलेखकगण : सुभस्मिता सिन्हा, अभिजित मित्र और सुफिया जमन)।
- ओड़िशा के कोरापुट जिले के जंगलों में कार्बन जब्ती पर्यवेक्षण । *ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र में जैवविविधता एवं संरक्षण पहलू पर संगोष्ठी में, एफईएस, आनंद, गुजरात के सहयोग से जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में २८-२९ मार्च २०१५ को पृ.सं.-* १८-२०.

डॉ. देबब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर

- २८.०२.२०१४ से २७.०३.२०१४ तक एएससी, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित यूजीसी के अभिमुखिकरण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में दो शोध लेखा की समीक्षा की : राइस साइंस (एलसवीयर) एंड आकाडेमिक साइंटीफिक रसिर्च जर्नल ।
- सदस्य, इनोवेशन क्लब, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ।
- रासइ साइंस की विशेषज्ञ समिति के सदस्य (एलसेवियर द्वारा इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ राइस) ।
- अकाडेमिया रिसर्च जर्नल, यूएसए के लिए शोध लेखों का समीक्षा किया ।

प्रकाशान :

- चावल का अंकुरण और अंकुर विशेषताओं पर मिट्टी में फलाई ऐश समावेश प्रभाव (*Oryza sativa* L.). बायोलाइफ, २०१४, २(३): ८००-८०७. (सह-लेखक : पॉलि टिकादार) ।
- भारत, उड़ीसा के कोरापुट जिले में पवित्र पेड़ों के माध्यम से पुष्प विविधता संरक्षण : एक मामले का अध्ययन । *इंटर रिसर्च. जे. एनवारोनमेंट साइंस,* , २०१४, ३(९):१-५. (सह लेखकगण एस.एस. बिसोई और एस.के. पलिता) ।
- चावल में डूब सहिष्णुता पर एक रिसर्च बुलेटिन प्रकाशित : बायोफिजिकल अवरोध, शरीरक्रिया प्रतिबंध और दाता की पहचान, आर.के. सरकार, के.के. दास, डी. पंडा और साथी । केंद्रीय धान अनुसंधान संस्थान, कटक, भारत, पृ. -३६, २०१४ ।
- भारत, ओड़िशा के कोरापुट जिले में आम बीमारियों के इलाज में फसल मातम और इलाज में इसके उपयोग करना. *अमेरिकॉन जर्नल ऑफ बायोलोजिकॉल एडं फार्मास्यूटिकॉल रिसर्च,* २०१५. २(१): २०-२३. (सहलेगखक : एस.एस. रथीनायक और एस.के. पलिता) ।
- भारत, ओड़िशा के कोरापुट जिले के पवित्र पेडों में मौजूद जातीय-औषधीय पौधें । *आक्टा बायोमेडिका साइंटिआ,* २०१५. २(१): ३९-४२. (सह लेखक : एस.एस. विसोई) ।
- भारत, के कोरापुट औषधीय खपतवार विविधिता के आदिवासी द्वारा प्रयोग किया जाता जातीय औषधीय मातम; *इकोलोजी एनवरोनमेंट एंड कनजेरवेशन,* , २०१४, २०:३५-३८. (सह-लेखकगण : एस. प्रधान, एस.के. पलिता एवं जे.के. नायक) ।
- चावल का अंकुरण और अंकुर विशेषताओं पर मिट्टी में फलाई ऐश समावेश प्रभाव (*Oryza sativa* L.). बायोलाइफ, २०१४, २(३): ८००-८०७. (सह-लेखक : पॉलि टिकादार) ।
- ओड़िशा, कोरापुट के लैंडरेस में बीज अंकुरण क्षमता और स्वदेशी धान के अंकुर ताकत । *जैवविविधता निर्धारण पर राष्ट्रीय स्कूल और २२ एवं २३ फरवरी २०१५ को आरपीआरसी, भुवनेश्वर में ओबीएस के ३९वें वार्षिक सम्मेलन , पृ. -३६.* (सह-लेखक: बी. संतोषी मौनिका)।
- भारत, ओड़िशा, कोरापुट के औषोधीय पेड़ों में मौजूद औषधीय गुण । *जैवविविधता निर्धारण पर राष्ट्रीय स्कूल और २२ एवं २३ फरवरी २०१५ को आरपीआरसी, भुवनेश्वर में ओबीएस के ३९वें वार्षिक सम्मेलन , पृ. -१०.* (सह-लेखक : एस. एस. बिसोई) ।
- पुष्प विविधता एवं कोरापुट, ओड़िशा, भारत के चयनित पवित्र पेड़ों के जातीय वनस्पति विज्ञान । २२-२४, जनवरी २०१५ को एनआईटी, राउरकेला में आयोजित बायोलोजिकॉल विज्ञान में अग्रणी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में , पृ.-१३४. (सह-लेखकगण : एस. एस. बिसोई) ।
- पौधे विविधता एवं कोरापुट के जनजातीय आदिवासी लोगों की आजीविका में इसके महत्व । *कोरापुट, ओड़िशा क्षेत्र में जैवविविधता एवं सरंक्षण पहलू पर संगोष्ठी में* , मार्च २८ से २९ २०१५ तक, सीयूओ में, पृ.-२१-२८ ।

विभाग की गतिविधियाँ :

- सत्र २०१३-१४ के दौरान सोलह छात्र-छात्राओं ने अपनी मास्टर डिग्री हासिल की है। श्री राकेश पाउल ने टॉपर में रहा है और उन्हें स्वर्ण पदक मिला है।
- शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से डीबीसीएनआर में अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. और एमफील.) कार्यक्रम शुरु हुआ था , इस कार्यक्रम के तहत इस विभाग में दस एमफील. और नौ पीएच.डी. छात्रों दाखिल लिया है।
- जीआईएस और रिमोट सेंसिंग पर एक विशेष कक्षा (दोनों सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सत्र) का आयोजन जीआईएस सॉफटवेयार पर एक प्रशिक्षण डॉ. बी. एन. मिश्रा, ओड़िशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कराया गया ।
- डॉ. बी. सी. गुरु, भूतपूर्व प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय और डॉ. सौमेंद्र कुमार नायक, रीडर, प्राणी विज्ञान विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यज्ञलय, कटक ने एमएससी. छात्रों के शोधनिबंध के मूल्यांकन करने के लिए विभाग का दौरा किया था और डॉ. एच.के. पात्र, प्रतिष्ठित प्रोफेसर (सीएसआईआर),पौधे विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने अनुसंधान कार्यक्रम के लिए साक्षात्कार परीक्षा में भाग लिया था ।
- पाँच सितम्बर २०१४ को शिक्षक दिवस मनाया गया ।
- जैवविविधता सर्वेक्षण एम.एससी. छात्रों को लेकर ६ दिसम्बर, २०१५ को दुधारी गांव के पास देओमाली क्षेत्र में किया गया। देओमाली पर्वत कुंदुली से २० की.मी. दूरी पर है और लांडिगुड़ा, कोरापुट के विश्वविद्यालय परिसर से ८० की.मी. दूरी पर है। ओड़िशा क्षेत्र में पूर्वी घाटों में देवामली सबसे ऊंची शिखर है। डॉ. एस.के. पलिता , मुख्य एवं डॉ.के. बनर्जी, सहायक प्रोफेसर के नेतृत्व में ४५ छात्रों ने भाग लिया था ।
- फाउंडेशन फ्यूर इकोलोजिकॉल सिक्युरिटी (एफईएस),आनंद, गुजरात के साहयोग से इस केंद्र द्वारा २८-२९ मार्च, २०१५ को कोरापुट क्षेत्र में जैवविविधता एवं संरक्षण पहलूओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।डॉ. एस.के. पलिता, मुख्य, सीबीसीएनआर इस संगोष्ठी के समन्वयक थे और सह-समन्वयक के रूप में डॉ. के. बनर्जी और डॉ. बी. पण्डा, सहायक प्रोफेसर सह-समन्वयक थे।
- विश्वविद्यालय की ओर से दूसरे सेमेस्टर के सुश्री पुष्पांजली खेमुंडु और सुश्री सुनादिनी करकारा ने २५ से २९ नवम्बर २०१४ को ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर, क्रेंद्रीय जोन क्षेत्र में युवा उत्सव की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम के प्रतियोगिताओं में भाग लिया और राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के लिए चयन हुए। उन दोनों ने युवा व्यापार तथा खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और एसोसीएसन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटिज (एआईयू) के तहत १२-१६ फरवरी, २०१५ को देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव में विश्वविद्यालय की ओर भाग लिया।
- एनआईटी, राउरकेला में 9 बायोलोजिकॉल विज्ञान में विकास " पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध छात्रा सुश्री पॉली टिकेदार और एम.फील छात्र सिद्धांत शेखर बसु ने भाग लिया। एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित ओड़िशा विज्ञान कांग्रेस में श्री सिद्धांत शेखर बिसोई ने भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- २६-२८ मार्च २०१५ को भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) में वन पर अनुसंधान पद्धति पर तीन दिवसीय कार्यशाला में पीएच.डी. छात्र गोपाल राज खेमुंडु और एम.फील छात्रों गोबिंद बल, क्रितिश दे और प्रणित अधिकारी ने भाग लिया ।
- डीएसटी इनस्पायर फेलोशिप : डॉ. के. बनर्जी, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में विभाग में अनुसंधान करने के लिए विज्ञान तथा तकनीकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा डीएसटी इनस्पायर फेलोशिप श्री राकेश पाउल, पीएच.डी. छात्र को मिला।
- राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप : विभाग में अनुसंधान करने के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप (आरजीएनएफ) पुरस्कार दो पीएच.डी. छात्र श्री गोपाल राज खेमुंडु और सुश्री पॉली टिकेदार और दो एम.फील छात्रा सुश्री कल्पना पात्र एवं छात्र श्री गोबिंद बल को मिला ।
- एम.एससी.छात्रों के शोध प्रबंध के मूल्यांकन के लिए डॉ. जोगेश्वर पाणिग्राही, रीडर, बायोटेक्नोलोजी विभाग, जीव विज्ञान विद्यापीठ, संबलपुर विश्वविद्यालय और डॉ. एस. पी. गंतायत, भूतपूर्व प्राचार्य, वी.डी. (स्वायतशासी) महाविद्यालय, जयपुर ने विभाग का दौरा किया था।
- 9 जीआईएस और रिमोट सेंसिंग " पर एक विशेष कक्षा दोनों सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सत्र का आयोजन २४-२८ फरवरी, २०१५ को इस केंद्र के दूसरे सेमेस्टर को छात्रों द्वारा किया गया । प्रो. बी.बी.दाश, उप निदेशक, अनुसंधान, ओ.यू.ए.टी., भुवनेश्वर और डॉ. ए.के. रथ, सहायक प्रोफेसर, वालमी, कटक अतिथि व्याख्याता के रुप में उपथित थे।

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष २००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटेरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयार सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों,एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है । केंद्र ने शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को शुरू किया है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है ।

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ साथ नयी मिडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना ।

1.	मुख्य का नाम	**डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
2.	संपर्क विवरण	पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुड़ा. कोरापुट दूरभाष -06852-288219
3.	शिक्षकगण तथा उनकी योग्यताएँ	1. डॉ. प्रदोष कुमार रथ,एम. ए. (अर्थ.), जे.एम. सी में एम.ए., पीएच.डी., (यूजीसी एनइटी-जेआरएफ) सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी 2. श्री सौरभ गुप्ता, जे एम सी में एम.ए., (यूजीसी एनइटी) सहायक प्रोफेसर 3. सुश्री सोनी पारही, जे एम सी में एम.ए., (यूजीसी एनइटी) व्याख्याता (संविदा) 4. श्री सुजित कुमार महांति, संचार में एम.ए., (यूजीसी-एनइटी), व्याख्याता (संविदा) 5. सुश्री तलत जहान बेगम, जे एम सी में एम.ए., व्याख्याता (संविदा)
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	पत्रकारिता तथा जन संचार में दो वर्षीय एम.ए, एक वर्षीय एम.फील. तथा पीएच.डी.

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

डॉ. प्रदोष कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर और प्रभारी मुख्य

- मई २०१४ को कुशुभाई ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित जन संचार में एम.ए. के प्रायोगिक परीक्षा के बाह्य परीक्षक के रुप में नियुक्ति मिली थी।
- १८ सितम्बर, २०१४ को एक परिदर्शन संकाय सदस्य के रूप में पत्रकारिता एवं जनसंचार स्नातकोत्तर विभाग, संजय मेमोरिएल इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, ब्रह्मपुर में एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- आई पी एंड आर कार्यालय, कोरापुट में १६ नवम्बर, २०१४ को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के समारोह पर मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रशासन, कोरापुट ने आमंत्रित किया था।
- १० जनवरी, २०१५ को यूजीसी- एकाडेमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिआ मिलिआ इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित मिडिया अध्ययन और शासन प्रणाली पर तीसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- दिसम्बर, २०१४ को एक परिदर्शन संकाय सदस्य के रूप में पत्रकारिता एवं जनसंचार स्नातकोत्तर विभाग, संजय मेमोरिएल इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, ब्रह्मपुर में एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- २४ जनवरी, २०१५ को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में गांधीवादी विचारधारा पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।
- ०१-०२ मार्च , २०१४ को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उ.प्र. द्वारा आयोजित " राष्ट्र निर्माण में मीड़िया की भूमिका " शीर्षक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9गणतंत्र चौथा स्तंभ के रूप में मीडिया " पर एक लेख प्रस्तुत किया था ।
- २२ नवम्बर , २०१४ को आदिति कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित " गांधी का चिंतन : समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 गांधीवादी पत्रकारिता एवं आधुनिक भारत से इसका संबंध " पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- ३० जनवरी , २०१५ इ.डी. महिला महाविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित " गांधी विचारधारा का प्रभाव : उसके बाद एवं वर्तमान " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 गांधी एवं स्वतंत्रा संग्राम के अग्रदूत उनके समाचार पत्र " पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- ३१ मार्च , २०१५ को रामानुजन महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित " साहित्य एवं सीनेमा में समाज एवं संस्कृति का प्रतिबिंब " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9 हिंदी सीनेमा एवं साहित्य " शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- मध्यस्थता संचार के वाहन के रूप में रंगमंच : ओड़िशा का राजा नाच का एक अध्ययन, ग्लोबाल मीडिया जर्नल में प्रकाशित, सितम्बर, २०१४ ।
- माध्यम की तरह संचार तत्व के संदेश और कैटलेटिक प्रकृति के अर्थ पर एक विश्लेषणात्मक अवलोकन, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एडं इंजीरियरिंग रिसर्च में प्रकाशित (आईएसएसएन- २२२९-५५१८) खंड५, अंक-१०, अक्तूबर, २०१४. पृ. १३६३-१३६७ (सह लेखक - ए.एस. नायक) ।

श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर

- जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज (ग्रीष्मकालीन अंक खंड ३ संख्या-१) के सहायक संपादक के रूप में काम किया है साहित्य एवं आंदोलन पर विषय था : बुद्ध पूर्णिमा के अवार प्रकाशित बेंगली द्विविधा में है, ३० वैशाख १४२१ , मई १४, २०१४ को ऑनलाईन प्रकाशित, आईएसएसएन २२७७-९४२६ ।
- १८ अप्रैल २०१४ को पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, गुरुदास महाविद्यालय, कोलकात्ता (कलकत्ता विश्वविद्यालय से सहबंधित) द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "क्या मीडिया प्रभाव मतदाताओं पर पड़ता है ?ह्नपर एक व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- नवम्बर २६, २७, २०१४ को महिला अध्ययन केंद्र, रविंद्र भारतीय विश्वविद्यालय और राजनीति विज्ञान विभाग, लाबला महाविद्यालय, बेलुर, हावड़ा द्वारा आयोजित भारत में महिला एवं राजनीति : १९१३-२०१३ पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित निर्देशकों के बंगाली फिल्मों में गेज डेपिक्टशन : कैमरा की भाषा के चयनात्मक अध्ययन शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया।
- नवम्बर २६ ं २७, २०१४ को महिला अध्ययन केंद्र, रविंद्र भारतीय विश्वविद्यालय और राजनीति विज्ञान विभाग, लाबला महाविद्यालय, बेलुर, हावड़ा द्वारा आयोजित भारत में महिला एवं राजनीति : १९१३-२०१३ पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में लेख प्रस्तुत सत्र की अध्यक्षता की ।
- दिसम्बर २३, २०१४ को राजनीति विज्ञान विभाग एवं पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, खुदिराम केंदीय कॉलेज, कोलकात्ता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन में 9 संपर्क की राजनीति : और एक लेखक का दृषिकोण पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया है।
- एडीआरओआईटीसी के संपादकीय बोर्ड का एक सदस्य बना-एक अंतरराष्ट्रीय अंतरविषयक संदर्भित तिमाही अनुसंधान पत्रिका (आईएसएसएन २३४९-६२७४) ।

प्रकाशन :

- भारतीय शिक्षा में आईपीटीवी : अवसर तथा चुनौतियाँ, टेलीविजन एवं नयी संचार नीति- शिक्षा के बदलते प्रतिमान, ईएमआरसी, कश्मिर विश्वविद्यालय तथा ब्लॉक प्रिंटस, नई दिल्ली पृ.१०९-१२४ आईएसबीएन ९७८-९३-८२०३६-६२-३।

- टागौर के रंगमंच सिद्धांत और बंगाली सामूहिक रंगमंच आंदोलन में इसके अनुपालन। दॉ विश्व भारतीय तिमाही, अंक-२२ संख्या ३ ४, अक्तूवर २०१३ मार्च २०१४; पृ. १३६-१४४ आईएसएसएन ०९७२-०४३ ।
- ब्रात्या बसु के नाटक : समय की भौहों के बीच में चुनौतिपूर्ण नायकत्व। जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज (ग्रीष्मकालीन अंक) खंड-३, संख्या १, पृ. ७१-८९। १४.०५.२०१४. को प्रकाशित । आईएसएसएन २२७७-९४२६।
- आम संदेश कांदबरी (बच्चों के लिए तीन नाटक संग्रह) विद्या प्रकाशन कोलकात्ता। आईएसबीएन ९७८-९३-८३०९३-१३-७।
- विशेष विशेष संवाद। भावना नाटक (बँगाली थिएटर जर्नल) (नाति विनोदिनी पर विशेषांक) सितम्बर २०१४ आईएसएसएन २३२१-५९०९।
- अजब राजार किसा , हुतोपति (बँगाली बाल पत्रिका) शारदीय अंक, सितम्बर २०१४।
- ज्ञापन टाउटर आलाई थिएटर-एकती पथ, बेंगाली थिएटर जर्नल एसएएस, शारदीय अंक, सितम्बर २०१४.
- ओबाचनिक ज्ञापन ओ थिएटर, बँगाली थिएटर जर्नल दुनिया, शारदीय अंक. सितम्बर २०१४. आईएसएसएन २३२१-८९५९.
- सेलूलाइड विचार : बॉगाली नयी तरंग सिनेमा में सामाजिक राजनीतिक तत्वों का एक अध्ययन, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन एंव सोसल रिसर्च, खंड २, अंक१ (आईएसएसएन २३१९-६०५ पृ. ६१-७२)।
- पाँच डायनों की आंख के माध्यम से कोलकात्ता रंगमंच को देखना : ब्रात्या बसु के साक्षात्कार पुस्तका की समीक्षा, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ बेंगली स्टडीज, खंड ३, अंक-२१ नवम्बर २०१४ जोगोधात्री पूजा, १४ कार्तिक १४२१ शरत अंक थीम : कोलकाता (आईएसएसएन २२७७-९४२६ पृ. २४७-२५०)।

सुश्री तलत जहां बेगम, व्याख्याता (संविदा)

- ७-८ मार्च २०१४ को इलेक्ट्रोनिक मीडिया विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार कुशाभाई ठाकुर विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा " फिल्म निर्माण एवं फिल्म उत्सव ":"महिला मुदों और मीडिया पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और" महिला सशक्तिकरण पर फिल्म निर्माण करना" पर एक व्याख्यान प्रदान किया।
- ५ जुलाई २०१४ को बिजु पटनायक इंस्टीच्यूट ऑफ आईटी एंड मैनेजमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित " वाणिज्य का सतत विकास एंव विकास : एक रणनीतिक चुनौती " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9 एकीकृत कार्यक्षेत्र सहाकरी : सतत विकास के लिए एक उपकरण 9 शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

विभाग की गतिविधियाँ :

- सत्र २०१३-१४ के दौरान २६ छात्र छात्राओं ने अपनी मास्टर डिग्री पूरा की है। ययाति केशरी राउत और दिप चांद बिहारी को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया।
- विभाग में पहली बार एम.फील एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। ओड़िशा में जे एवं एम सी में एम.फील कार्यक्रम प्रथम है।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर विभाग की फिल्म क्लब ने " शहीद "फिल्म को दिखाया।
- ०५ सितम्बर २०१४ को विभाग में शिक्षण दिवस मनाया गया और इस अवसर पर विभाग ने " To Sir with Love" फिल्म दिखाया।
- १९ सितम्बर २०१४ को फिल्म क्लब ने "D-Day" फिल्म दिखाया ।
- हाल ही में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं में से २६ छात्रों को विभिन्न संगठनों में विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिली है जिनमें से एक ओडिशा पोस्ट (एक अंग्रेजी समाचार पत्र), कंटिफाइ टेक्नोलोजि प्रा.लि. और अन्य मीडिया संगठनों में ।
- प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की स्थापना की याद में १६ नवम्बर २०१४ को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल आर एस चौहान ने मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे
- और सम्मानित अतिथि के रूप में परीक्षा नियंत्रक प्रो. अल्फात खान उपस्थित थे। इस प्रेस दिवस के अवसर पर "मीडिया में नैतिकता: समय की आवश्यकता " पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई थी।
- १५.११.२०१४को नंदपुर और इसके आसपास इलाके को मीडिया स्टडी टूर का कार्यक्रम विभाग ने बनाया।
- विभाग की फिल्म क्लब ने इस अवधि के दौरान फिल्म *Gandhi* and *Ratatouille* को दिखाया फिल्म अध्ययन के अंश के रूप में चार्ली चापलिन की फिल्म *The Great Dictator, The Gold Rush* and *Citylights* को दिखाया ।
- १० मार्च २०१५ को एसएसओएमएसी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय मीडिया छात्रों के लिए प्रतियोगिता *अन्वेषण - २०१५* में पाँच छात्रों ने भाग लिया।

उपलब्धियाँ:

- सुश्री तलत जहां बेगम, व्याख्याता जे एम सी के मार्गदर्शन में इस विभाग के छात्रों द्वारा किया वृत्त चित्र नाइन : दॅ विनर को ७-८ मार्च २०१४ को इलेक्ट्रोनिक मीडिया, कुशाभाई ठाकरे पत्रिकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित फिल्म निर्माण एवं फिल्म उत्सव पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ । इस विभाग की ओर से सुश्री तलत जहां बेगम, व्याख्याता जे एम सी ओर दो छात्र मानस कांजिलाला एवं जयंती बुरूडा ने भाग लिया था।
- इस विभाग के छात्रगण रश्मि पूजा निकुंज (पीएच.डी), मानस कुमार कांजिलाला (एम.फील) को पत्रकारिता एवं जन संचार में राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त हुआ और नजनील सुल्ताना (एम.फील) को राष्ट्रीय ओबीस फेलोशिप मिला।
- अक्तूवर 2014 के दौरान पाटना में हिंदुस्तान मीडिया प्रा.लि. द्वारा आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता में राजनीतिक लेख के लिए रवि कुमार, दूसरे सेमेस्टर के छात्र को दूसरा स्थान मिला ।
- भुवनेश्वर में संबाद मीडिया लि. और संबाद स्कूल ऑफ मीडिया एवं कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता-2015 अन्वेषण में कुला मिलाकर असाधारण प्रदर्शन के लिए रवि कुमार गुप्ता, दूसरे सेमेस्टर को विशेष पुरस्कार मिला ।
- देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में विश्वविद्यालय की ओर से अविनाश हांताल, दूसरे सेमेस्टर ने प्रतिनिधित्व किया था।

इस अवधि के दौरान प्रमुख आगंतुक

- प्रो. सुनिल कांत बेहेरा, प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य, पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय.
- श्री सुब्रत पति, प्रड्यूसर, रेडियो चकलेट, एवं कनक टीवी, भुवनेश्वर.
- श्री गोपाल कृष्ण साहु, सहायक प्रोफेसर (वरिष्ठ) पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, उत्तर प्रदेश.

शिक्षक शिक्षा विभाग

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, इसलिए केंद्र मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, समाज विज्ञान केंद्र, विज्ञान तथा गणित विज्ञान संसाधन केंद्र से सुसज्जित है।

1.	अधिष्ठाता तथा मुख्य का नाम	**डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
2.	संपर्क के लिए विवरण	अध्यापक शिक्षा केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट, ओड़िशाई-मेल : ramendraparhi@gmail.com
3.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता	1. डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी, एम.ए., एम.एड, एम.फील,पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेट 2. डॉ. आर. पूर्णिमा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.एड़, पीएच.डी., यूजीसी-नेट 3. डॉ. आर.एस.एस. नेहरू, संविदा, एम.एससी., एम.एड़, पीएच.डी., संविदा शिक्षक 4.श्री युधिष्ठिर मिश्रा, संविदा, एस.एससी (गणित), एमए (अंग्रेजी तथा दर्शन), एम.एड़, एम.फिल (शिक्षा), पीजीडीसीए, संविदा शिक्षक5.श्री संतोष जेना, संविदा, एम.ए. एम.एड़, यूजीसी-नेट, संविदा शिक्षक
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	शिक्षा में स्नातक (बी.एड़) (एक वर्षीय)

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, सहायक प्रोफेसर और विभागीय मुख्य प्रभारी

- संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा पीएच.डी. उपाधि से पुरस्कृत ।
- २२-२३ मार्च २०१४ को रांची में "शिक्षक शिक्षा में नवाचार :: समय की आवश्यकता " पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक लेख प्रस्तुत किया ।
- काउंसिल ऑफ एनालिटिकॉल ट्राइबल स्टडीज (सीओएटीएस), कोरापुट द्वारा आयोजित जनजातीय शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक निबंध प्रस्तुत किया ।

- जर्नल ऑफ कंटेंपोरारी एजुकेशनॉल रिसर्च एंड इनोवेशन की मूल लेखक के समान समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में चुना गया, आईएसएसएन, २२५०-०६१८ (प्रिंट), २२४९-९६३६(ऑनलाइन)।

प्रकाशन :

- डे एकाडेमिक एनिक्सिटी, स्वत: धारणा एवं ओड़िशा के नवोद्यय एवं केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों का गणित में उपलब्धि. शोध समीक्षा, २(१). आईएसएसएन : २२४९-५०४५. (२०१४) ।
- ओड़िशा के कलाहांडी जिले के माध्यमिक विद्यालयों के आदिवासी और गैर-आदिवासी छात्रों के बीच समायोजना का एक अध्ययन । एडु वर्ल्ड, ६(१).आईएसएसएन : २३१९-७१२९. (२०१४) ।

डॉ. आर. आर. पूर्णिमा, सहायक प्रोफेसर :

- ८ फरवरी २०१५ को आयोजित वार्षिक अंतर कक्षा विज्ञान प्रदर्शनी के विचारक के रूप में सुनाबेढ़ा पब्लिक स्कूल द्वारा आमंत्रित.

डॉ. आर.एस.एस. नेहरू, शिक्षक (संविदा)

- २४-२५ जुलाई २०१४ को सेंट जोसेफ स्वायत्तशासी महाविद्यालय, विशाखापटनम में " पौधों में मूल्य संवर्धन में उभरती रुझान और पौधें उत्पादों " पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- १९-२० दिसम्बर २०१४ को गितम विश्वविद्यालय में आयोजित " विकासशील देशों में कायाकल्प विश्वविद्यालयों : चुनौतियाँ एवं संभावनाओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन " में भाग लिया ।
- ८ फरवरी को २०१५ को सुनाबेढ़ा पब्लिक स्कूल, सुनाबेढ़ा, कोरापुट में आयोजित वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी में विचारक के रूप में शामिल हुए थे
- २५-२६ फरवरी २०१५ को ईएंडआईपी केंद्र, आंध्र विश्वविद्यालय में " भारत में बालिका के खिलाफ हिंसा और अधीनता की संरचना : बयानबाजी और वास्तविकता " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- २८ मार्च से २ अप्रैल -१५ तक आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम में बालिका शिक्षा के लिए राष्ट्रीय सामाजिक कांग्रेस रणनीति पर राष्ट्रयी संगोष्ठी में भाग लिया (शैक्षणिक अनुसंधान) ।

प्रकाशन :

- विशाखापटनम जिले में समावेशी शिक्षा की अवधारणा पर डीआईईटी छात्रों की राय- आईजेएमईआर, फरवरी २०१५.पृसं १८९-२१० आईएसएसएन :२२७७-७८८१ ।
- शिक्षण एवं शिक्षण वातावरण पर पुस्तक के अनुच्छेद, किताब महल, कटक , प्रिसंप्लस ऑफ करिक्यूलम, एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन -९७८-९३-३१३-२२२६-५ ।

श्री संतोष जेना, शिक्षक, (संविदा)

- रांची में २२-२३ मार्च को आयोजित "शिक्षक शिक्षा में नवाचार : समय की आवश्यकता "पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रबंध प्रस्तुत किया।
- काउंसिल ऑफ एनालिटिकॉल ट्राइबल स्टडीज (सीओएटीएस), कोरापुट द्वारा आयोजित जनजाति शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- ओड़िशा इकोनोमिक एसोसीएसन, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक निबंध प्रस्तुत किया.

विभाग की गतिविधियाँ :

- जून, जुलाई और अगस्त महीने में कोरापुट इलाके के विभिन्न विद्यालयों में इस सत्र २०१३-१४ के लिए बी.एड़. के प्रशिक्षित शिक्षकों के इंटरशीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बी.एड. कार्यक्रम के प्रशिक्षण शिक्षकों को विभिन्न विद्यालयों में चालिस दिनों के लिए इंटरशिप कार्यक्रम में शामिल किया गया है जिन विद्यालयों को भेजा गया है वे हैं सरकारी उच्च विद्यालय, सिमलीगुड़ा, एरोनेटिक बालिका उच्च विद्यालय, सुनाबेढ़ा-२, सरकारी उच्च विद्यालय, निघामनिगुड़ा, जगन्नाथ विद्यापीठ, सुनाबेढा, पब्लिक स्कूल, सुनाबेढा, वी एस विद्यालय, सुनाबेढा, नेताजी अंग्रेजी मिडियम स्कूल, सिमलीगुडा, जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल,सिमलीगुडा, सरकार उच्च विद्यालय, कोरापुट, देओमालि पब्लिक स्कूल, सिमलीगुडा।
- १३ सितम्बर २०१४ को एक मेल-मिलाप कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल आर एस अगवाल द्वारा उदघाटित हुआ। इस कार्यक्रम में २०१३-१४ और २०१४-१५ बैच के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया था। इस अवसर पर, छात्रगण और संकाय सदस्यगण शिक्षक शिक्षा विभाग के छात्रगण और संकाय सदस्यगण विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजित किया।

- सत्र २०१४-१५ के लिए बी.एड. के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए चालक स्कूल अनुभव का आयोजन विभिन्न नवीन बाल शिक्षा के केंद्रों में किया गया और शिक्षण केंद्रों का नाम है स्कूल फॉर विजुएली चैलेंजड (अंधा),स्कूल फॉर हियरिंग एंड स्पिच इम्पेयार्ड, एमएएनएएस (स्कूल फॉर मेंटाली रिट्राडड), कस्तुरबा गांधी विद्यालय, नवोदय विद्यालय, एकलब्य आवासिक विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, ये सब विद्यालय कोरापुट इलाके के हैं और शिक्षण और सिखाने में अच्छे व्यवहार के बारे में समझ को विकसित करने के उद्देश्य से अक्तूवर और नवम्बर २०१५ के महीने में आयोजित किया गया।
- जनवरी और फरवरी २०१५ के दौरान कोरापुट के आसपास इलाके में विभिन्न स्कूलों में सत्र २०१४-१५ के लिए बी.एड. पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु शिक्षकों के इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बी.एड. कार्यक्रम के प्रशिक्षु शिक्षकों को अभ्यास करने हेतु चालिस दिनों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्कूलों को भेज दिया गया वे स्कूल हैं सरकारी उच्च विद्यालय, सिमलीगुड़ा, एरोनेटिक बालिका उच्च विद्यालय, सुनाबेढ़ा-२, सरकारी उच्च विद्यालय, निघामनिगुड़ा, जगन्नाथ विद्यापीठ, सुनाबेढा, पब्लिक स्कूल, सुनाबेढा, वी एस विद्यालय, सुनाबेढा, नेताजी अंग्रेजी मिडियम स्कूल, सिमलीगुडा, जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल,सिमलीगुडा, सरकार उच्च विद्यालय, कोरापुट, देओमालि पब्लिक स्कूल, सिमलीगुडा।
- कोरापुट जिले के राणिगढ़, डाकरा, घोड़ामालिगुडा, जानिगुडा, बडेगां, चरागांव में बच्चों की शिक्षा के प्रति पिता-माता की रवैया के सर्वेक्षण और ग्रामीण इलाके की स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा का निरीक्षण करने के लिए २०-२१ मार्च २०१५ को सामुदायिक सर्वे कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- वाल मैगाजीन " स्पंदन " का तीसरा संस्करण का विमोचन मार्च महीने में हुआ जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए छात्रों को एक व्यापक मंच प्रदान करता है।
- केंद्र में ०८ मार्च २०१५ को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। विभाग के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिये थे। इस अवसर पर विभाग के छात्रों और शिक्षकों मिलक भारत में महिलाओं की स्थिति का मुख्यांश शैक्षणिक नाटक के माध्यम से प्रदर्शित किया।
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर इस विभाग के बी.एड. छात्रों और संकायों ने ११ नवम्बर २०१५ को डॉ. मौलाना अबदुल कलाम आजाद की जंयती मनाये। इस अवसर पर विभाग के छात्रों और संकायों मिलकर शिक्षा के महत्व का मुख्यांश नाकट के माध्यम से बताये।

भाषा विद्यापीठ

एवं वर्तमान दो भाषाएँ अंग्रेजी एवं ओड़िया में शिक्षा प्रदान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त दो भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक वर्ष २००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है।

दूरदृष्टि:

- अंग्रेजी में निमन्त्रित प्राध्यापकों का प्रवेश।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।

यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलियन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता हा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को

विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त,तुलनात्मक साहित्य एवं अग्रेजी स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

1.	प्रमुख का नाम	**श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख प्रभारी**
2.	संपर्क विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य केन्द्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,लांडीगुड़ा, कोरापुट-764020, ओड़िशाई-मेल:sanjeet.iitk@gmail.com
3.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	1. संजित कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एमफील, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक2.श्री अमरेश आचारी, एम.ए.,एमफील एवं यूजीसी-नेट, व्याख्याता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- चतुर्थ सेमेस्टर में कुल चौबिस छात्र छात्राओं ने परीक्षा (२०१४) में उपस्थित थे और उनमें से तेईस उत्तीर्ण हुए । सुश्री प्रियंका शर्मा को इस शैक्षणिक बैच २०१२-१३ में सबसे शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ ।
- दूसरे सेमेस्टर (२०१४) में कुल पच्चीस छात्रों ने सफलतापूर्व उत्तीर्ण हुए ।
- विभाग ने ७ से ९ सितम्बर २०१३ को *साहित्यिक सिद्धांत एवं समालोचना* पर, २७ अक्तूवर से २९ अक्तूवर २०१३ को अंग्रेजी भाषा शास्त्र पर और २५ मार्च से २७ मार्च २०१४ तक अनुवाद अध्ययन पर संगोष्ठियों का आयोजन किया।
- दो अतिथि प्रोफेसर अर्थात् प्रो. धरणीधर साहु और प्रो. चितरंजन कर ने विभाग में सलाहाकार के रूप में नियुक्त हुए ।

ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग (डीओएलएल)

यह विभाग ओड़िया में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करता है। इसका पहला लक्ष्य ओड़िशा के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। इस भाषा एवं साहित्य का ओड़िया साहित्य एवं लिखित साहित्य में एक महान परम्परा रही है। तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद एवं सम्पादन, साहित्य के विकास में मास मीडिया की भूमिका उपरोक्त कार्यक्रम के बुनियादी पाठ्यक्रम है।

ओड़िशा के ओड़िआ साहित्य एवं संस्कृति पर अनुसंधान करने हेतु यहाँ पर्याप्त अवसर है। छात्रों को उपर्युक्त कार्यक्रम द्वारा प्रेरित किया जा सकता है जिसके द्वारा साहित्य एवं संस्कृति को नई पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. तथा एम.फील) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से इस केंद्र में किया गया था

1	**मुख्य का नाम**	**डॉ. अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,लांडिगुड़ा, कोरापुट (ओड़िशा)
3	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	1. डॉ. अलोक बराल, एमए, पीएचडी, यूजीसी, एनइटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी 2. डॉ. प्रदोशकुमार स्वाईं, एमए, एमफील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर 3. डॉ. रूद्राणि महांति, एमए, पीएचडी, व्याख्याता 4. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, एमए, पीएचडी, यूजीसी.एनइटी, व्याख्याता
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओडिया भाषा तथा साहित्य में एम.ए. (2 वर्ष), एम फील (1 वर्ष) & पीएचडी.

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. अलोक बराल, सहायक प्रोफेसर, मुख्य प्रभारी

- २८-२९ मार्च २०१४ को ओड़िया स्नातकोत्तर विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, भंज बिहार, ब्रह्मपुर, गंजाम द्वारा आयोजित दक्षिण ओडिशार जातापु जनजाति ओ पर्व पर्वाणी शीर्षक पर एक निबंध प्रस्तुत किया और एक संसाधन व्यक्ति के रूप में " ओड़िशा की जनजाति संस्कृति " पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रुप में आमंत्रित है ।
- १ अप्रैल २०१४ को भंज मंडप, सुनाबेढा में एचएएल, सुनाबेढ़ा द्वारा आयोजित उत्कल दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में आमंत्रित हुए थे और " ओड़िशा के ऐतिहासिक विरासत " पर एक व्याख्यान प्रदान किया ।
- २२.०८.२०१४ से २१.०९.२०१४ तक यूजीसी एकाडेमिक कर्मचारी कॉलेज, संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति बिहार, बुर्ला द्वारा संचालित ओडिआ (१९८० के बाद ओडिआ साहित्य) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी के रूप में ग्रेड ए का प्रमाण पत्र मिला।
- ४ जनवरी २०१५ को गद्य और फीचर लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए रेडक्रॉस भवन, भुवनेश्वर में सचिवालय साहित्य परिषद (ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर का साहित्यिक फोरम) का सृजनार पाहाच : पद्य एवं फीचर लेखन पुरस्कार-२०१४ प्राप्त किया ।
- ५ जनवरी २०१५ को ओड़िआ विभाग, सरकारी कॉलेज, कोरापुट के वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे और ओड़िआ साहित्य पर एक व्याख्यान प्रदान किया था।
- २३ जनवरी २०१५ को सिमलीगुडा सरकारी उच्च विद्यालय, कोरापुट के वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए थे और मूल्य शिक्षा पर एक व्याख्यान प्रदान किया था।
- ११ अप्रैल २०१५ को अंतरराष्ट्रीय रंगमंच दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे और कोरापुट के थिएटर आधारित समूह नंदानिक में थिएटर एवं सामाजिक वचनबद्धता पर एक व्याख्यान प्रदान किया था।

प्रकाशन :

- लोक तत्वों के माध्यम से संचार : ओड़िआ नाटक का एक अध्ययन (अंग्रेजी में) । ग्लोबाल मीडिया जर्नल, भारतीय संस्करण, शीतकालीन अंक -२००३ (सारवस्तु : थीएटर एंव संचार) कलकत्ता विश्वविद्यालय । (आईएसएसएन २२४९५८३५) (२०१४) ।
- केते रूप केते जे विन्यास (ओडिआ कहानी में वर्षा पर एक अनुसंधान निबंध) : कादम्बिनी, भुवनेश्वर, जुलाई २०१४. (आईएसएसएन -२२७७-११३१) (२०१४)।
- विजय मिश्र, सिगमुद फ्राउडेशन एवं सब भाका माने (विजय मिश्र के विशेष ओडिआ नाटक का मनोविश्लेषण पर एक निबंध) विज*य: एक उच्छवास*-४, विजय मिश्र फाउंडेशन, भुवनेश्वर, जुलाई,२०१४ ।
- अनुदित श्रष्टि, अलोकित दृष्टि (निर्मल वर्मा की अनुदित कहानियों का समीक्षात्मक विश्लेषण) , अभिलाषर अभिलिपि (प्रभाकर स्वाईं की पुस्तक पर), संपादक प्रो.बी.सी. सामल, डॉ. बाबाजी पटनायक एवं साथी, कहानी पब्लिकेशन, कटक, २०१४ आईएसबीएन -९७८-९३-८१७५६-५६-०. (२०१४) ।
- निज साम्राज्य रू निर्वासिता आहत ठाकुर : आश्रा खोजिबुलुथिबा ईश्वर, सप्तर्षि , संबलपुर विश्वविद्यालय अनुसंधानमूलक पत्रिका, अक्तूबर-२०१४,, आईएसएसएन -०९७३-३२६४।
- डायरी ओ ओड़िआ उपन्यास, सहकार, कटक, अक्तूबर, २०१४ ।
- चिट्ठी ओ ओडिआ उपन्यास, पाहाच, भुवनेश्वर, अक्तूबर, २०१४।
- दुर्भिक्ष ओ ओड़िआ उपन्यास, लेखा लेखी, भुवनेश्वर, अक्तूबर २०१४।
- इतिहास ओ ओड़िआ गल्प, सैलजा, केंद्रापड़ा, अक्तूबर, २०१४ ।
- कुंतुलाकुमारींक वरमाला (पुस्तक का अनुच्छेद) उत्कल भारती कुंतुलाकुमारी, सारला साहित्य संसद, संपादक पठानी पटनायक, हेमंत दास, वैरागी चरण जेना एवं प्रसन्न कुमार स्वांई, ओड़िशा बुक स्टोर, कटक, दिसम्बर -२०१४।
- धुमाभा प्रश्नवाची , प्रसिद्ध कथाकार शेखर जोशी की हिंदी कथो से अनुदित ओड़िआ कथा, कादम्बिनी में प्रकाशित, भुवनेश्वर, विशेषांक, जनवरी-२०१५ (आईएसएसएन--२२७७-११३१)।

डॉ. प्रदोश कुमार स्वाईं, सहायक प्रोफेसर

- २१-२२ मार्च २०१४ को विजुएली हैंडिकेप्ड मिल्टन दातव्य फाउंडेशन (एमसीएफवीएच), ब्रह्मपुर, गंजाम द्वारा आयोजित ह्न समावेशी शिक्षा : मूद्दों, नीतियाँ एवं आदतें ह्न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 ओड़िशा में समावेशी शिक्षा 9 पर एक निबंध प्रस्तुत किया ।
- २५ जनवरी से २१ फरवरी २०१४ तव एकाडेमिक स्टाफ कॉलेज संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति बिहार, संबलपुर द्वारा संचालित अभिमुखिकरण कार्यक्रम का पूरा किया ।

- फरवरी २०१५ में डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी , उत्कल विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षण में स्वाधिनोत्तर ओड़िआ कविता कु नारि कविं का अवदान शीर्षक पर पीएच.डी. उपाधि प्राप्त किया।
- नवम्बर २०१४ को ओड़िआ भाषा एवं साहित्य, माहांगा पुष्पगिरि महाविद्यालय, एरकणा, कटक द्वारा आयोजित ह्ल नारिवादी आलोचना, कवयित्री अपर्णा महांति की नई अवधारणा ह्ल शीर्षक पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी में एक निबंध प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- विजय मिश्रंक नाट्यभूमिर विराण प्रस्त : वानप्रस्त, विजय उच्छवास, खंड-४, २०१४।
- कविता र दर्पण और नारी र अव्यक्त अभिव्यक्ति , अर्पणा महांति । भोर साहित्स पत्रिका, खंड१६, भुवनेश्वर, मार्च २०१५ ।
- ऋषिकवि मधुसूदन ओ आकाश प्रति, गोकोर्णिका, २०१५।

डॉ. रुद्राणि महांति, व्याख्याता (संविदा)

- १ अप्रैल २०१४ को साहित्य घर संवाद में भाग लिया और " उत्कल दिवसर अनुचिंता ह्ल पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- २ अप्रैल २०१४ को जिला सूचना तथा लोक संपर्क अधिकारी, कोरापुट द्वारा आमंत्रित जयदेव जयंती में भाग लिया और इस अवसर पर कवि जयदेव पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- २८ अप्रैल २०१४ को वार्षिक उत्सव समारोह पर सरकारी बालिका उच्च विद्यालय, कोरापुट के निमंत्रण पर मुख्य वक्ता के रुप भाग लेकर " बालिकाओं के लिए शिक्षाह्ल पर पर व्याख्यान प्रदान किया।
- २९- ३० जून से १ जुलाई तक बारिपदा में आयोजित पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी, मयूरभंज के आमंत्रण पर धारा विवरण प्रदान किया ।
- आकाशवाणी, बारिपदा में जून ७, १४, २१ और २८ जून २०१४ के सांय बजे जनजाति पर आधारित कार्यक्रम मेघासन प्रसारण प्रस्तुत किया । जिन विषयों पर व्याख्यान दिया वे हैं (क) लोधा जनजातिर पर्व पार्वण (ख) सांताल संप्रदाय मृत्यु संस्कार (ग) भातुडी संप्रदाय धर्मधारणा ओ पूजा अनुष्ठान ।।
- १० अगस्त २०१४ को सात साहित्य संसद, कोरापुट द्वारा आयोजित मेहेर जयंती समारोह में भाग लिया और इसके अवसर पर ह्ल कवि गंगाधर मेहेरह्ल पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
- दिसम्बर २०१४ में जिला संस्कृति कार्यालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका परब में गडबा ओ लोकचक्र शीर्षक पर एक शोध लेख का प्रकाशित हुआ है।
- दिसम्बर २०१४ में गॉमजलिस में आखिर उपकथा कविता प्रकाशित हुआ है।
- फरवरी २०१५ में बर्षा साहित्य संसद, सुनाबेढ़ा में कविता मित पांई पदे प्रकाशित हुआ है ।
- ७ दिसम्बर २०१४ को लोक संस्कृति गवेषणा परिषद, उमरकोट, नवरंगपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में9 परिवर्तित समयर स्रोतरे आदिवासी संस्कृति " पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- ७ दिसम्बर २०१४ को लोकगीत संगृहित पत्रिका संपादित शबरी का विमोचन किया ।
- २१ दिसम्बर को २०१४ को संस्कृति भवन, भुवनेश्वर में "लोकरत्न कुंजबिहारी दाश ह्ल शीर्षक पर अनुसंधान निबंध का प्रस्तुत किया और ओड़िशा साहित्य अकादमी द्वारा आमंत्रित हुआ।
- २७ मार्च २०१५ को जिला प्रशासन, मिशन शक्ति एवं हर्ष ट्रस्ट, कोरापुट के सहयोग से प्रगति द्वारा आयोजित छठवें वार्षिक जिला स्तरीय महिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में 9महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका " पर व्याख्यान प्रदान किया ।
- २५ से २९ नवम्बर २०१४ तक ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा उत्सव (केंद्रीय क्षेत्र) के लिए ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल के टीम मैनेजर के रुप में प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ।
- युवा व्यापार एवं खेलकूद मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के तहत १२-१६ फरवरी, २०१५ को देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा उत्सव २०१५ के टीम मैनेजर के रूप में प्रतिनिधित्व किया और यह दल राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में पहली बार पुरस्कृत हुआ।

प्रकाशन :

- विश्व प्रसिद्ध द्वितीय श्रीक्षेत्र, संचार (तारीख १-७-२०१४) ।

डॉ. गणेश प्रसाद साहु, व्याख्याता (संविदा)

- ०६.०४.२०१४ को बनप्रभा साहित्य संसद, सुनाबेढ़ा के वार्षिक साक्षरता कार्यक्रम में " प्रकृति शुद्ध कथा कहे ह्ल शीर्षक पर एक कविता पाठ किया।

- २५ जनवरी २०१४ से २१ फरवरी २०१४ तक अकादमिक स्टाफ कॉलेज संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति बिहार, संबलपुर द्वारा संचालित अभिमुखिकरण कार्यक्रम को पूरा किया ।

प्रकाशन :

- लुप्तप्राय ओडिशार हलिया गीत और सगडिया गीत । स्मरणिका, कटक, अप्रैल, २०१४।
- भाउंजक कवितार शिल्प भाष्कर्य (आधुनिक कविता पर आधारित) । महानदी, कटक, जुलाई, २०१४ ।
- प्रेमो. सप्तर्षि (संबलपुर विश्वविद्यालय की पत्रिका), जून, २०१४ । (आईएसएसएन ०९७३-३२६४) (२०१४) ।
- छाईतल फरुआरे कुनि स्वप्नटिए : सीताकांत भारत वर्ष , इश्ताहार, भुवनेश्वर, अक्तूवर अंक, आरएनआई पंजीकरण संख्या -३३८४६/७८, २०१४ पृ.-४२१-४२९ ।
- लुप्त प्राय ओड़िशार कर्म गीत हलिआ ओ सगड़िया गीत स्मरणिका, सताब्दी समारोह, जगतसिंह पुर, अक्तूवर, २०१४, पृ. २१४-२१७।

विभाग की गतिविधियाँ :

- ११.०३.२०१३ को शास्त्रीय भाषा दिवस मनाया गया.
- जून २०१४ में ओडिशा से तीन छात्रों ने यूजीसी-जेआरएफ/एनइटी पूरा किया है । वे हैं रमेश कुमार मल्लिक (यूजीसी-जोअरएफ के साथ एनईटी), रीकि प्रधान (यूजीसी-एनईटी), अरुण कुमार राज (यूजीसी-एनईटी)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इसमें सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास पांच केन्द्र हैं जिसमें परास्नातक कार्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने की पहल की गयी ह :

मानव विज्ञान अध्ययन विभाग (डीएएस)

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान अध्ययन विभाग सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठें एवं सातवें बैच के चल रहा है, शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैस नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

1.	**मुख्य का नाम**	**डॉ.जयन्त कुमार नायक, सहायक प्राध्यापक एवं मुख्य प्रभारी**
2.	संपर्क विवरण	नृविज्ञान अध्ययन विभाग, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालयसुनाबेड़ा, कोरापुट(ओड़िशा)ई-मेल:jayanta.nayak@rediffmail.com
3.	शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	1. डॉ.जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी,यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर एवं विभाग मुख्य (प्रभारी) 2. श्री बी.के.श्रीनिवास, एम.एससी., यूजीसी (नेट) सहायक प्रोफेसर 3. डॉ.मीरा स्वाईं, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी, यूजीसी(नेट),अध्यापक
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	नृविज्ञान में 2वर्षीय एम.ए/एम.एससी, 1 वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. जयंत कुमार नायक, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

- २८-२९ मार्च २०१४ को ओड़िया स्नातकोत्तर विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, भंज बिहार, ब्रह्मपुर द्वारा आयोजित " ओड़िशा की जनजाति संस्कृति " पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 बंडा जाति की पेय संस्कृति : एक नृवैज्ञानिक परिदृश्य 9 पर एक निबंध प्रस्तुत किया।
- २७ मार्च २०१५ को बायोलोजिकॉल नृवैज्ञानिकी यूनिट, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकात्ता द्वारा आयोजित मानव विविधता : जैविक नृविज्ञान दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ँअ्‍ और ँथ्अ्२ जीन वेरिएंटों के संदर्भ में ओड़िशा के पहाड बंद जनजाति लोगों की जेनेटिक विविधता पर एक निबंध प्रस्तुत किया।

- २१-२३ फरवरी २०१५ को उत्कल विश्वविद्यालय में आईएनसीएए तथा भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस २०१५ में ओड़िशा में शराबखोरी से, आनुवंशिक रुप से डबल सुरक्षित हिल बंडा जनजाति के लोग : एक परिदृश्य पर एक निबंध प्रस्तुत किया।
- १२ नवम्बर से २ दिसम्बर २०१४ तक मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय का यूजीसी-एकाडेमिक कर्मचारी महाविद्यालय द्वारा आयोजित समाज विज्ञानमें अनुसंधान विधि में यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशन :

- जीवित मांकिरिडिया की जीवन रक्षा की समस्या : ओड़िशा के विशेष रुप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के एक मामला का अध्ययन । जर्नल ऑफ दॉ एंथ्रोपोलॉजिकॉल सर्वे ऑफ इंडिया ६३(१): (१-२५). आईएसएसएन : २२७७-४३६ँ । (सह लेखक : पी के दास) (२०१४)।
- ओड़िशा के पहाड़ी बंडा जनजातीय समूह के बीच शराब के लिए सुरक्षात्मक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक मामला का अध्ययन। मैन इन इंडिया, ९४(४): ५५५-५७१ ।आईएसएसएन ००२५-१५६९ (सह लेखक : पी के दास) (२०१४)।
- शिकारी से अर्ध भोजन तक घूमने वाले तक । ओड़िशा के मांकिडिया की विकासत्मक प्रक्षेपवक्र पर एक मामला का अध्ययन। ह्यूमानीटीज सर्किल (केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय से एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिका) ; २(१):११५-१३२.आईएसएसएन २३२१-८०१० (२०१४) ।
- भारत,कोरापुट के जनजाति लोगों द्वारा व्यवहृत औषधीय खपतवार विविधता एवं जातीय औषधीय मातम । इको. एन. एंड कंस. २० (पूरक) :(३५-`३८), । आईएसएसएन ०९७१-७६५ँ । (सह लेखक : डी. पण्डा, एस.प्रधान , एस.के. पलिता) ।
- जीवित मांकिरिडिया की जीवन रक्षा की समस्या : ओड़िशा के विशेष रुप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के एक मामला का अध्ययन । जर्नल ऑफ दॉ एंथ्रोपोलॉजिकॉल सर्वे ऑफ इंडिया ६३(१): (१-२५). आईएसएसएन : २२७७-४३६ँ । (सह लेखक : पी के दास) (२०१४)।
- ओड़िशा के पहाड़ी बंडा जनजातीय समूह के बीच शराब के लिए सुरक्षात्मक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक मामला का अध्ययन। मैन इन इंडिया, ९४(४): ५५५-५७१ ।आईएसएसएन ००२५-१५६९ (सह लेखक : पी के दास) (२०१४)।
- शिकारी से अर्ध भोजन तक घूमने वाले तक । ओड़िशा के मांकिडिया की विकासत्मक प्रक्षेपवक्र पर एक मामला का अध्ययन। ह्यूमानीटीज सर्किल (केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय से एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिका) ; २(१):११५-१३२.आईएसएसएन २३२१-८०१० (२०१४) ।
- पहाड़ी खरवा जनजाति के बच्चों में पोषण स्थिति का आकलन छत्तिसगढ के सरगुजा जिले के संदर्भ में (हिंदी में) । शोध अनुसंधान समाचार , v(vii): १०-२२, २०१४. आईएसएसएन :२२३०-८८२२ (सह लेखक : इर्शाद खान) ।

पुस्तक के अनुच्छेद :

- ओड़िशा के मयूरभंज जिले में लेप्रा सोसाइटी द्वारा आयोजित मलेरिया, टीबी और कुष्ठ पर स्वास्थ्य हस्तक्षेप-स्वास्थ्य की मांग व्यवहार की ज्ञान, दृष्टिकोण की अभ्यास के परिवर्तन में एक मील का पत्थर है । दाश, जे., पी.के. एवं सतपथी, के सी (संपादक), पुस्तक है एथनोमेडिकॉल प्राक्टिस इन ट्राइबल एरिया , पीपी ३१७ से ३३१ तक , एसएसडीएन पब्लिशर एवं वितरक, नई दिल्ली। आईएसबीएन ९७८९३८१८३९१८८ (२०१४) ।
- पहाड़ी खरवा जनजाति के बच्चों में पोषण स्थिति का आकलन छत्तिसगढ के सरगुजा जिले के संदर्भ में (हिंदी में) । सुनिल गोयल (संपा.) पुस्तक ए कंपेडियम ऑफ इंटरडिसिप्लिनॉरी रिसर्च पेपर्स, पीपी -४८१-४८९, २०१४। दॉ ग्लोबॉल एसोसीएसन ऑफ सोसल साइंसेस, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत। आईएसबीएन ९७८-८१-९२६१११-२-९ (सह लेखक : इर्शाद खान) ।
- ओड़िशा के मयूरभंज जिले में लेप्रा सोसाइटी द्वारा आयोजित मलेरिया, टीबी और कुष्ठ पर स्वास्थ्य हस्तक्षेप-स्वास्थ्य की मांग व्यवहार की ज्ञान, दृष्टिकोण की अभ्यास के परिवर्तन में एक मील का पत्थर है । दाश, जे., पी.के. एवं सतपथी, के सी (संपादक), पुस्तक है एथनोमेडिकॉल प्राक्टिस इन ट्राइबल एरिया , पीपी ३१७ से ३३१ तक , एसएसडीएन पब्लिशर एवं वितरक, नई दिल्ली। आईएसबीएन ९७८९३८१८३९१८८ (सह लेखक- एल.के. साहु और एस.के. साहु) ।

श्री बी.के. श्रीनिवास, मानव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर

- २२-२३ मार्च के २०१५ दौरान एनसीसीए की राष्ट्रीय संगोष्ठी में उत्कल विश्वविद्यालय में आईएनसीसीए की राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित स्वास्थ्य एवं पोषण : आदिवासी गांवों का एक अध्ययन पर एक निबंध प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षयित्री के मुद्दे : भारत, ओड़िशा, कोरापुट शिक्षा जिले में एक अध्ययन। ट्राइबल ट्रिब्यून में प्रकाशित। खंण्ड-७ , अप्रैल २०१५ का अंक ३। आईएसएसएन : २२४९-३४३३ (सह-लेखक : डॉ. मीरा स्वांई) ।

डॉ. मीरा स्वाईं, व्याख्याता (संविदा)

- २२-२३ मार्च के २०१५ दौरान आईएनसीसीए की राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वास्थ्य एवं पोषण : आदिवासी गांवों का एक अध्ययन पर एक निबंध प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षयित्री के मुद्दे : भारत, ओड़िशा, कोरापुट शिक्षा जिले में एक अध्ययन। ट्राइबल ट्रिब्यून में प्रकाशित। खंण्ड-७ , अप्रैल २०१५ का अंक ३। आईएसएसएन : २२४९-३४३३ (सह-लेखक : बी.के. श्रीनिवास) ।

समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग

यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है।

अनुसंधान कार्यक्रम (एमफील एवं पीएच.डी) शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

1	**प्रमुख का नाम**	**डॉ.कपिल खेमेंडु, सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालयसुनाबेड़ा, कोरापुट (ओड़िशा)ई-मेल:kapilacuo@gmail.com
3	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएं	1. डॉ.कपिल खेमेंडु, एमए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी 2. डॉ.आदित्य केशरी मिश्र, एमए., पीएच.डी., व्याख्याता (संविदा) 3. डॉ. सागरिका मिश्र, एमए.एम.फिल., व्याख्याता (संविदा)
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में 2 वर्षीय एम.ए. 1 वर्षीय एम.फिल एवं पीएच.डी

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. कपिल खेमेंडु, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

- जनजाति कल्याण एवं सामुदायिक विकास, केंद्रीय ओड़िशा विश्वविद्यालय, ओड़िशा के सम्माननीय निदेशक के रुप में जनजाति व्यापार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नवम्बर २०१४ में शास्त्री भवन में आयोजित सर्वोच्च स्तर समन्वयन समिति बैठक में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट का प्रतिनिधित्व किया।
- १६ - २० मार्च २०१५ तक शैक्षिक योजना एवं प्रशासन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनयूइपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित " समानता एवं विविधता प्रबंधन ह्न कार्यक्रम में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा, व्याख्याता (संविदा)

- २७-२८ फरवरी २०१५ को दर्शन विभाग, यूएन स्वायत्त विज्ञान तथा तकनीकी महाविद्यालय, अडशपुर, कटक, ओड़िशा द्वारा आयोजित "मानव अधिकार एवं अच्छे जीवन : एक अंतर्विषयक सर्वेक्षण " पर यूजीसी प्रायोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी में 9 महिला एवं स्वास्थ्य : मानव अधिकार के परिप्रेक्ष्य में 9 शीर्षक पर एक शोध लेख प्रस्तुत किया (सह-उपस्थापक : डॉ. बी.के. मिश्रा)।
- २८-२९ मार्च २०१५ को फाउंडेशन फॉर इकोलोजिकॉल सिक्यूरिटी, आनंद, गुजरात, भारत के सहयोग से ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण द्वारा आयोजित " कोरापुट क्षेत्र, ओड़िशा की जैव विविधता एवं पहलूओं का संरक्षण" विषय पर संगोष्ठी में 9 प्राकृतिक, पूंजीगत समुदाय एवं संरक्षण : कनसेपसुआलाइजिंग समुदाय 9 शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- २७-२८ मार्च २०१५ को अर्थशास्त्र में उन्नत अध्ययन केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित " ग्रीनिंग इंडियन इकोनोमी : मुद्दों, चुनौतियों और अवसर " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 जल प्रबंधन में सामाजिक पूंजी एवं संस्थागत अंतक्रिया : ओड़िशा में पाणि पंचायत के कार्य का सामाजिक अध्ययन 9 पर एक लेख प्रस्तुत किया (सह उपस्थापक : डॉ. एस. मिश्रा) ।
- १९ जनवरी २०१५ को सरकारी महाविद्यालय, शिक्षा विभाग पुराना छात्रसंघ, काउंसिल ऑफ एनालेटिकॉल टीइबल अध्ययन, कोरापुट और टीईईकेए फाउंडेशन, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित " आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की समस्यायें और चुनौतियां " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 कोस्चेनिंग ट्राइवाईलेजशन 9 शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया (सह उपस्थापक डॉ. एस.मिश्रा) ।

- १९ जनवरी २०१५ को सरकारी महाविद्यालय, शिक्षा विभाग पुराना छात्रसंघ, काउंसिल ऑफ एनालेटिकॉल टीइबल अध्ययन, कोरापुट और टीईईकेए फाउंडेशन, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित " आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की समस्यायें और चुनौतियों " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 आदिवासियों के बीच शिक्षा पहुंचाना 9: नीतियाँ एवं आदतें शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया (सह उपस्थापक डॉ. एस.मिश्रा) ।
- २६-२८ दिसम्बर २०१४ को अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान (एआईएईआ) के सहयोग से शिक्षा विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालयृ कटक द्वारा आयोजित " शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9गुणवत्ता क्या है, ? गुणवत्ते उच्च शिक्षा में उचित ज्ञान का उलझाने 9पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- औद्योगिकरण की प्रकृति : इनवेंटिवनेस अथवा इंपेरिलमेंट ? इंटोरोगेटिंग नेचर कल्चर नेक्सस ससटेनबिलीटी, रेवेंसा जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स, खंड०२, २०१४. (सह-लेखक : डॉ. एस.मिश्रा) ।
- विकास और इसके डिसकंटेंट : विस्थापन एवं लिंग का स्थानिकरण। ममता स्वांई एवं अन्य (संपादन) जेंडर डिमेनसन ऑफ डिसप्लेसमेंट एंड रीसेटलमेंट। नई दिल्ली : एसएसडीएन पब्लिशर एवं वितरक । (सह लेखक : डॉ. एस.मिश्रा) ।

डॉ. सागरिका मिश्रा, व्याख्याता (संविदा)

- २७-२८ मार्च २०१५ को अर्थशास्त्र में उन्नत अध्ययन केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित " ग्रीनिंग इंडियन इकोनोमी : मुद्दों, चुनौतियों और अवसर " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 जल प्रबंधन में सामाजिक पूंजी एवं संस्थागत अंतक्रिया : ओड़िशा में पाणि पंचायत के कार्य का सामाजिक अध्ययन 9 पर एक लेख प्रस्तुत किया (सह उपस्थापक : डॉ. ए.के.मिश्रा) ।
- १९ जनवरी २०१५ को सरकारी महाविद्यालय, शिक्षा विभाग पुराना छात्रसंघ, काउंसिल ऑफ एनालेटिकॉल टीइबल अध्ययन, कोरापुट और टीईईकेए फाउंडेशन, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित " आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की समस्यायें और चुनौतियों " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 आदिवासियों के बीच शिक्षा पहुंचाना : नीतियाँ एवं आदतें 9 शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया (सह उपस्थापक डॉ. ए.के.मिश्रा) ।
- २६-२८ दिसम्बर २०१४ को अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान (एआईएईआ) के सहयोग से शिक्षा विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालयृ कटक द्वारा आयोजित " शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9गुणवत्ता क्या है, ? गुणवत्ते उच्च शिक्षा में उचित ज्ञान का उलझाने 9पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- औद्योगिकरण प्रकृति : इनवेंटियनेस या इंपेरिलमेंट ? । रेवेंसा जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स में इंटरोगेटिंग नेचर-कल्चर नेक्सस ससटेनबिलिटी, खंड ०२, २०१४. (सह उपस्थापक-डॉ. ए.के. मिश्रा) ।

विभाग की गतिविधियाँ :

- समाज शास्त्र विभाग के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों ने नेशनॉल एलुमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), दामनजोड़ी, कोरापुट का दौरा किया ।

अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना २०११ में हुई थी। यह विभाग शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता के लिए इसकी स्थापना पर गर्व करती है। यह विभाग स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम का एक व्यापक और अच्छी तरह से स्थापित पोर्टफोलियों प्रदान करता है। चालू शैक्षणिक सत्र में प्रथम सेमेस्टर में सताइस छात्रों ने दाखिल हुए हैं और तीसरे सेमेस्टर के चालिस छात्रों पढ़ रहे हैं।

दूरदृष्टि

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाने और जिससे विश्वविद्यालय और देश की प्रतिष्ठा बढ़े,
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अनुसंधान करने के लिए छात्रों को बताना और उत्कृष्टता अर्थशास्त्रियों का उत्पादन करना,
- छात्रों और संकायों और अन्य सभी के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना,
- नए शैक्षणिक और शोध कार्यक्रम जैसे कि अर्थशास्त्र में एकीकृत प्रायोगिक एम.ए. /एम. एससी., एम.फील, पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोराल कार्यक्रम का आरंभ आने वाले वर्षों में करना ।

1. मुख्य का नाम — **श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, ,** सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी
2. संपर्क विवरण — अर्थशास्त्र विभाग,
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालयशुनाबेढ़ा, कोरापुट-764023 (ओड़िशा)

3.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षणिक योग्यताएं	1. श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी 2. श्री बिस्वजित भोई, एम.ए., , यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर 3. श्रीमती मिनती साहु, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम. ए.

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य प्रभारी

- १८-१९ अक्तूबर, २०१४ को आयोजित २१वीं सदी में भारत ग्रामीण विकास में भारत का दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओड़िशा के कोरापुट जिले के काकीरीगुमा गांव में घरेले स्वास्थ्य देखभाल व्यय पर एक अध्ययन पर एक लेख प्रस्तुत किया ।
- २१-२२ फरवरी, २०१५ के दौरान ओड़िशा इकोनोमिक्स एसोसीएसन के ४७वें वार्षिक सम्मेलन में ओड़िशा के कोरापुट जिल के जयपुर ब्लॉक में सर्व शिक्षा अभियान के प्रभाव मूल्य निर्धारण पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- नई जमीन विधेयक, २०११ और इसकी चुनौतियाँ, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कमर्स, इकोनोमिक्स एंड मैनेजमेंट, खंड ४ (अंक ४), अप्रैल, २०१४. डआईएसएसएन: २२३१-४२४५.(२०१४) ।
- भारत में विदेशी प्रत्यक्ष पूंजी निवेश एवं आर्थिक प्रगति : पोस्ट उदारीकरण परिप्रेक्ष्य में एक जांच, डायनामिक्स ऑफ इंटरनेशनॉल फाइनेंस : इन ग्लोबाल साउथ (संपा.) एक्सेल इंडिया पब्लिशर, नई दिल्ली। पृ.सं. ३४३-३५३. अगस्त, २०१४, डआईएसबीएन: ९७८-९३-८३८४२-८१-०.(२०१४) ।
- कोरापुट जिले के काकिगुमा गांव में घरेलू स्वास्थ्य देखभाल व्यय पर एक अध्ययन, ईपीआरए इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ इकोनोमिक एंड बिजिनेस रिव्यू, दिसम्बर २०१४,खंड २ (अंक १२), प.सं २०४-२१२. आईएसएसएन: २३४७-९६७१. (सह लेखक : ए धल)

श्रीमती मिनती साहु, सहायक प्रोफेसर

- अगस्त १७-२२, २०१४ को हैदराबाद विश्वविद्यालय में महिलओं पर१२वें अंतरराष्ट्रीय अंतराविषयक कांग्रेस (आईआईसीडब्ल्यू) में ओड़िशा के खान जिलाओं के एक विश्लेषण-खदान पर लिंग का प्रभाव पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रकाशन :

- खान एवं मानव विकास- ओड़िशा के खान और गैर-खान जिलों के एक तुलनात्मक विश्लेषण । एसियान प्रोफाइल, खंड-४२, (जून-जुलाई अंक). (२०१४) ।
- मनेरगा के भौतिक एवं वित्तीय निष्पादन- ओड़िशा के जनजातीय और गैर-जन जातीय जिलों के एक तुलनात्मक अध्ययन । *अमिति मेनेजमेंट एनालिस्ट* (जनवरी-जून अंक),२०१४ डप्रेस में.।
- खान एवं सतत विकास- ओड़िशा खनिज द्रव्यों से परिपूर्ण केंऊझर जिले का एक विश्लेषण । संपादन : रूरल डेवलेपमेंट इन इंडिया- ए न्यू पेरस्पेक्टिव, एक्सेल इंडिया पब्लिशर, नई दिल्ली। डआईएसबीएन:९७८-९३-८३८४२-२१-६.(२०१४).

बिश्वजित भोई, सहायक प्रोफेसर

- यूजीसी एकाडेमिक स्टाफ कॉलेज, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में २३ सितम्बर से २० अक्तूबर, २०१४ तक अभिमुखिकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा लिया.

विभाग द्वारा की गयी गतिविधियाँ:

- सत्र २०१२-१४ के लिए तेईस छात्रों ने अपनी मास्टर डिग्री हासिल की उनमें से सरस्वती महारणा को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ .
- जुलाई २०१४ को अर्थशात्र विभाग का स्थानांतरण लांडिगुड़ा परिसर से सुनाबेढा स्थित मुख्य पसिर को हो गया है.
- २९ अगस्त २०१४ को विश्वविद्यालय के आयोजित स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में छात्रों ने खेलकूद, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और पुरस्कार भी जीता .
- प्रथम और तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने सभी अलग अलग विषयों में सामूहिक सेमीनार के जरिये सक्रिय रूप से भाग लिया और अपना अपना लेख प्रस्तुत किया.
- ०५ सितम्बर, २०१४ को बडे आकार में शिक्षक दिवस मनाया गया.
- ०४ नवम्बर, २०१४ को उत्कल एलुमिना इंटरनेशनॉल लिमिटेड (यूएआईएल), इंडस्ट्रियल एरिया, रायगड़ा में औद्योगिकरण प्रभाव पर एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रश्नावली के माध्यम से उक्त औद्योगिक क्षेत्रों के प्रभावित एवं विस्थापित लोगों से जानकारी एकत्र किये।।

जनजातीय कल्याण एवं समुदाय विकास केंद्र (सीटीडब्ल्यूसीडी)

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय कल्याण एवं समुदाय विकास केन्द्र (सीटीडब्ल्यूसीडी) की स्थापना की गयी है एवं इसे निम्न उद्देश्यों के साथ लक्ष्य समूहों के जरूरतों को पूरा करने की उद्देश्य से ०५ जून, २०१० से औपचरिक रूप से उद्घाटित किया गया ।

अभिरुचि की अभिव्यक्ति एवं विनिमय कार्यक्रम को सुगम बनाने एवं विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन द्वारा विकासशील विश्व के साथ बेरोजगार युवकों के लिए लिंकेज बनाना।

- आदिवासी संस्कृति के अनुसंधान, प्रलेखन एवं संरक्षण करना।
- पार-सांस्कृतिक कार्यवाही शिक्षण एवं व्यावसायिक विकास के लिए एक नोडल केन्द्र के रूप में विकास करना।
- विभिन्न अभिकरणों एवं फेलोशिप कार्यक्रमों के साथ लिंकेज द्वारा एक व्यापक संदर्भ में जनजातीय एवं समुदाय विकास के लिए नीति स्तरीय परिवर्तन हेतु अनुसंधान की सुविधा करना।

केन्द्र के अधीन शोधकर्ता एवं छात्रों के हितों के लिए व्यापक प्रचार प्रसार हेतु जनजातीय संस्कृति, स्वदेशी वैश्विक दृष्टि एवं विकास के अनुसंधान, प्रलेखन एवं संरक्षण कार्य प्रगति पर है।

- विश्व जनसंख्या के लिए ०९ अगस्त, २०१४ को संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्राष्ट्रीय स्वदेशी दिवस मनाय गया।
- सीओई, टीआरआई, एनटीआरआई एवं जनजातीय क्षेत्र, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम (कार्य योजना) की प्रस्तुति एवं अंगीकरण के संबंध में २८.११.२०१४ को जनजातीय मामलों के मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में शिखर अनुसंधान समन्वयन समिति (एआरसीसी) की बैठक का आयोजन किया गया।

सीटीडब्ल्यूसीडी की बर्तमान स्थिति

जनजातीय अध्ययन के लिए मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित राजीव गांधी चेयर को मंजूरी दिया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मंजूरी पत्र प्राप्त किया गया।

सीटीडब्ल्यूसीडी ने एक उदारवादी मार्ग में कोरापुट क्षेत्र के आदिवासियों द्वार खपत किए गए विविध सांस्कृतिक उत्पाद, उपकरण, आभुषणों, कला, पोस्टर, फोटोग्राफ,वेशभुषा एवं स्मारक, जनजातीय खाद्य सामग्री, पेय पदार्थ, अनाज, विभिन्न प्रकार के हर्बल जड़ीबूटी, शुट्स एवं फलों के संरक्षण हेतु पहल की है।पुस्तकालय को सुसज्जित करने के लिए जनजातीय साहित्य का संग्रह प्रगति पर है।

जनजाति अध्ययन के राजीव गांधी चेयर के प्रोफेसर पद के लिए विज्ञापन निकाला जा चुका है

कार्यान्वित होने वाले प्रस्तावित कार्य

निम्न जनजातीय मुद्दों पर अनुसंधान एवं प्रलेखन।

- आदिवासी आजीविका
- जनजातीयों के लिए सांविधानिक प्रावधान
- वन अधिकार
- भूमि अलगाव
- ठीका श्रम
- जनजातीय ऋणग्रस्तता
- जनजातीय संस्कृति एवं पूजा पद्धतियाँ
- आदिवासी पारंपरिक संस्थाएँ
- पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाएँ, कृषि पद्धतियाँ एवं सामाजिक जीवने के अन्य क्षेत्रों पर पारंपरिक ज्ञान
- आदिवासी आबादी (आदिवासियों के नृवंशविज्ञान खाता)की डेटाबेस की प्रस्तुति
- आदिवासियों के सशक्तिकरण के लिए लक्षित सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन एवं निरक्षण
- आदिवासी हस्तशिल्प उत्पाद

कौशल विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने नगर समाज समूह एवं सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ सहयोग में स्थानीय स्तर पर चिह्नित विपणन व्यवसायों के सेट पर बेरोजगार एवं स्कूल छोड़ने वाले युवकों को प्रशिक्षण प्रदान कर जनजातीय एवं जरूरत मंद लोगों को सशक्त बनान चाहता है।

स्वदेशी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र की सक्रिय पहल से विश्वविद्यालय ”स्वदेशी अध्ययन केन्द्रह्न के नाम पर एक विशेष केन्द्र की स्थापना करने जा रहा है। जिसके लिए विश्वविद्यालय ने पहले से ही भारत-न्यूजिलैंड सहयोगी पहले के अन्तर्गत न्यूजिलैंड के स्वदेशी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है। प्राथमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए, न्यूजिलैंड के प्रतिष्ठित संकाय एवं हमारे विश्वविद्यालय में पधारे कुछेक बाहरी संकाय को लेकर हमारे विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

केंद्रीय पुस्तकालय

एक शैक्षणिक संस्था में उनके शिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए छात्रों, विद्वानों और संकाय सदस्यों की जरूरत सूचना के महत्व पर जोर दिया जा सकता है। तदनुसार, अपनी स्थापना के समय से, विश्वविद्यालय ने अपने केंद्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं को अधिक मात्रा में संग्रह किया है। यह अपने बहुआयामी गतिविधियों के साथ समाना करने के लिए विश्वविद्यालय प्रणाली एक अभिन्न अंग के रुप में स्थापित किया गया है। यह अपनी दो परिसरों (एक लांडिगुडा और दूसरा सुनाबेढा में) सोलह हजार पॉच सौ अधिक पुस्तकों को रखा है ।

सदस्यता शक्ति

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने दो परिसरों में काम कर रहा है इसके पास छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलाकर कुल ९०० उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान करता है हैं । अपने सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय भी अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और दर्शकों की जरूरतों पूरा करता है।

कार्य समय

विविध जरूरतों और अपने उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, विश्वविद्यालय का पुस्तकाल सभी कार्यों दिवस पर सुबह 09:30 से अप. 18:00 बजे तक खुला रहता है।

यूजीसी इनफोने डीएल कंर्सोटियम के माध्यम से प्राप्त ई-संसाधन की सूची (आईपी आधारित)

केंद्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों को प्राप्त कर सकता है और जिसे सीयूओ के लांडिगुड़ा परिसर में प्राप्त किया जा सकता है

पूर्ण पाठ डाटाबेस

{सीयूओ के लांडिगुडा परिसर में प्रोक्सी के माध्यम से पहुंच}

[किसी अन्य अंक की प्रति के लिए कृपया संपर्क करें ncsipradhan@gmail.com]

क्रमांक	उत्पाद	यूआरएल	फर्माट
१.	केम्ब्रीज यूनिवर्सिटी प्रेस	http://journals.cambridge.org/	ऑनलाइन
१.	केम्ब्रीज यूनिवर्सिटी प्रेस	http://epw.in/	ऑनलाइन
३.	एमरार्लाड	http://www.emeraldinsight.com/	ऑनलाइन
४.	इंस्टीच्यूट ऑफ फिजिक्स	http://iopscience.iop.org/journals	ऑनलाइन
५.	आईएसआईडी	http://isid.org.in/	ऑनलाइन
६.	जेसीसीसी	http://jgateplus.com/search	ऑनलाइन
७.	जेएसटीओआर	http://www.jstor.org/	ऑनलाइन
८.	मैथसाइंसनेट	http://www.ams.org/mathscinet/	ऑनलाइन
९.	ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय प्रेस	http://www.oxfordjournals.org/	ऑनलाइन
१०.	प्रोजेक्ट म्युयज	http://muse.jhu.edu/journals	ऑनलाइन
११.	साइंस डाइरेक्ट (दस विषयों पर संगृहित)	http://www.sciencedirect.com/	ऑनलाइन
१२.	स्प्रिंगर लिंक	http://www.springerlink.com/	ऑनलाइन
१३.	टेलर एंड फ्रांसिस	http://www.tandfonline.com/	ऑनलाइन
१४.	विले-ब्लॉकवेल	http://onlinelibrary.wiley.com/	ऑनलाइन

नई पहल

- INFLIBNET शोधानगर रिपॉजिटरी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षरित हुआ। शोधानगर से INFLIBNET केंद्र द्वारा आयोजित एवं बनाए रखे गये रिपोजिटारी में संगृहित भारतीय बौद्धिक आउटपुट के संरक्षण को समझा जाता है।
- केंद्रीय पुस्तकालय को INFLIBNET द्वारा एक साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयार (उरकुंड) प्रदान किया गया है । उरकुंड साहित्यिक चोरी के खिलाफ एक पूरी तरह से स्वचालित प्रणाली है और यह सभी विश्वविद्यालयों और यूरोप के समग्र विश्वविद्यालय कॉलेजों में सफलता के साथ यह काम करता है। उरकुंड तीन केंद्रीय स्रोत क्षेत्रों के खिलाफ सभी दस्तावेजों की जांच करने की एक प्रणाली है : इंटरनेट, अन्य प्रकाशित सामग्री और पहले से प्रस्तुत छात्रों का सामग्री (जैसे ज्ञापन, मामले के अध्ययन और परीक्षा कार्य) ।
- नई आगमन और एसडीआई सेवाएं (मांग पर) प्रदान की जा चुकी है।

विश्वविद्यालय के छात्रगण और संकाय सदस्यगण को शैक्षिक एवं ओरिएंटशन कार्यक्रम सुविधा प्रदान की गयी है.

भविष्य की योजना

- पुस्तकालय के लिए आनेवालों दिनों में,अपने उपयोगकर्ताओं के लिए चौबिस घंटों तक पढ़ने की सुविधाओं और अनन्य सेवाओं के साथ सुनाबेढ़ा में अपने स्थायी परिसर में एक अलग भवन होगा , नयी नयी सुविधायें और विशेष कर यूजीसी-इनफोनेट डिजिटल लाईब्रेरी कर्सोटियम के माध्यम से ई-संसाधन को पाने के लिए विशेष रूप से इंटरनेट प्रयोगशाला की व्यवस्था होगी।
- समर्पित पुस्तकालय वेबसाइट सहित पुस्तकालय प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए आरएफआईडी सुविधा के साथ कोहा पुस्तकालय अटोमेशन सॉफ्टवेयार को अद्यतन करके उचित सीएमएस रखा जाएगा।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों और छात्रों की अपनी बौद्धिकता उत्पादन के प्रबंधन के लिए अपने संस्थागत रिपोजिटरी करेगा।

सांख्यिकी एक नजर में

वर्तमान की सदस्यता

सदस्यता	2014-2015
छात्र	376
शोधकर्ता	18
कुल	394

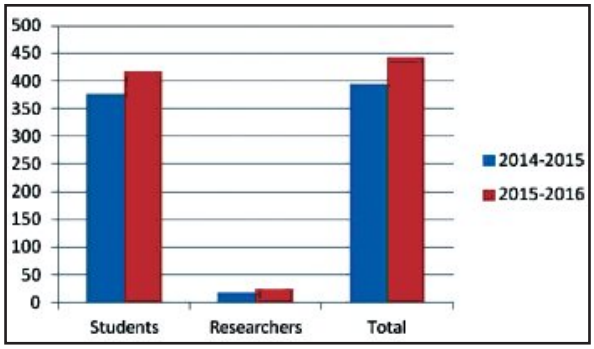

उपयोगकर्ताओं का परिदर्शन (वर्ष वार)

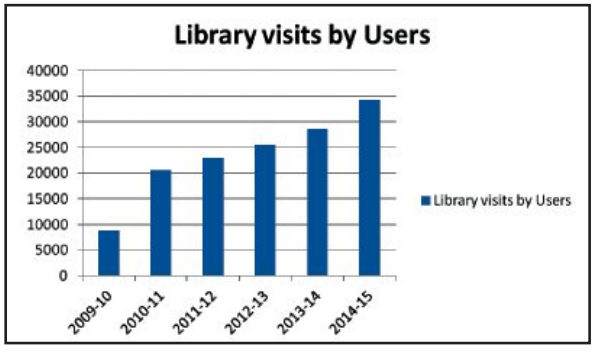

सुरक्षा गेट सांख्यिकी	उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकालय का परिदर्शन
2009-10	8912
2010-11	20570
2011-12	22993
2012-13	25546
2013-14	28712
2014-15	34311

पुस्तकालय में संगृहित

क. पुस्तकें **(18475)**

अतिरिक्त (वर्ष वार)

Year	Cummulative Record of Book
2010-11	3592
2011-12	4929
2012-13	13075
2013-14	16780
2014-15	18475

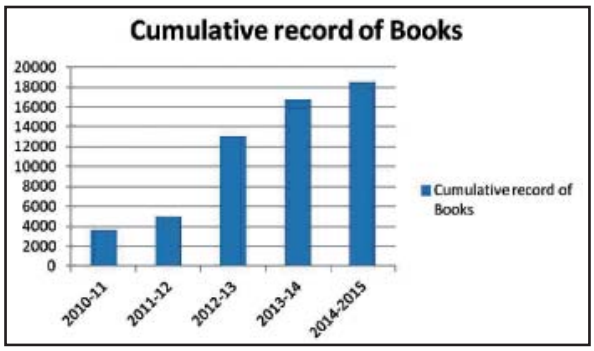

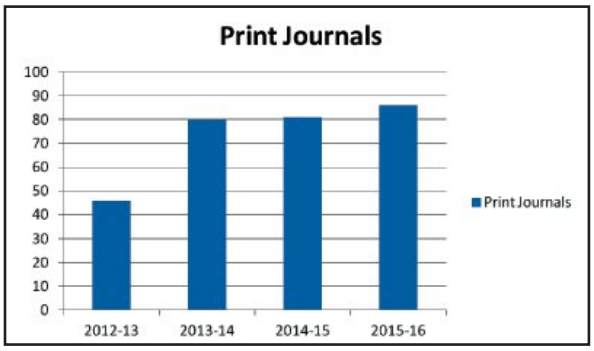

ख. पत्रिकायें (मुद्रित - ८२, इलेक्ट्रोनिक - ९०००)

वर्ष वार मुद्रित पत्रिकाओं की सदस्यता

वर्ष	मुद्रित पत्रिकायें
2012-13	46
2013-14	80
2014-15	82

वर्ष वार खरीदी गयी इलेक्ट्रोनिक पत्रिकाओं का विवरण

वर्ष	ई-पत्रिका
2012-13	2000
2011-12	6200
2012-13	8000

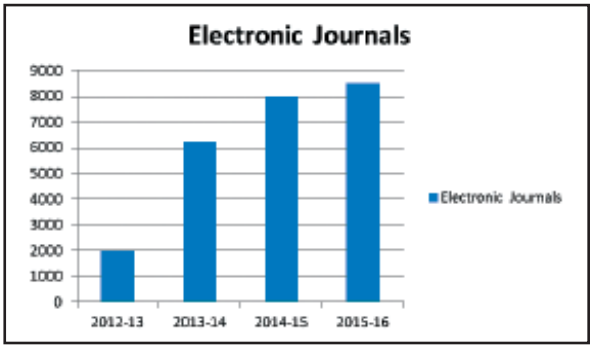

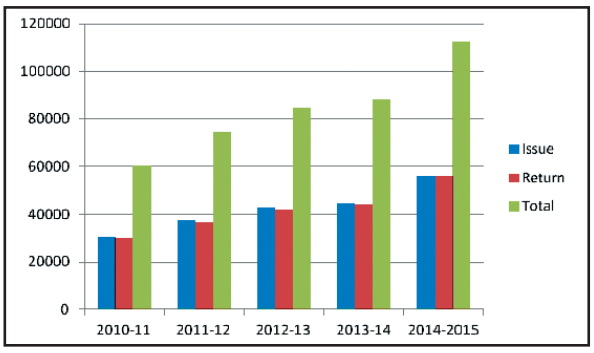

परिकलन:

Issue & Return	Issue	Return	Total
2010-11	30309	29892	60201
2011-12	37465	36793	74258
2012-13	42629	41826	84455
2013-14	44208	43896	88104
2014-15	56237	55983	112220

कंप्यूटर केंद्र

विश्वविद्यालय में उपलब्ध सूचना तकनीकी (आईटी) सुविधायें

छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को केंद्रीय कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने एक स्वतंत्र कंप्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की है । सभी शैक्षणिक भवनों को समर्पित वायर नेटवर्क से जुड़ा गया है जबकि पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग वायर तथा वायरहीन नेटवर्क से जोड़ा गया है। उपलब्ध सुविधाओं के साथ कंप्यूटर प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है ।:-

कंपयूटर प्रयोगशाला का नाम	**मुख्यांश**
सर्वर कमरा	1 मैनेजड स्वीच 24 पोर्ट 1 अनमेनेजड स्वीच 2 रूटर्स, डी लिंक DI2600 एक आईआईएस सर्वर एक डब्ल्यूडीएस सर्वर एक प्रोक्सी सर्वर
केंद्रीय कंप्यूटिंग प्रयोगशाला	कुल पीसी -12 विंडो सेवेन ऑपरेटिंग सिस्टम माईक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007
जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला	कुल पीसी - 11 विंडो सेवेन प्रोफेसनॉल ऑपरेटिंग सिस्टम माईक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007 क्वार्क एक्सप्रेस सॉफटवेयार निर्माणाधीन है एचपी जेनन वर्कस्टैशन
कंप्यूटर प्रयोगशाला जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण केंद्र के लिए	कुल पीसी - 10 विंडो सेवेन प्रोफेसनॉल ऑपरेटिंग सिस्टम माईक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2007 जीआईएस सर्वर एवं क्लांइट आईबीएम स्टेटिटिक्स सॉफ्टवेयार (एसपीएसएस)

एनएमई-आईसीटी परियोजना : ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने सूचना तथा संचार तकनीकी (एनएमई-आईसीटी) परियोजना के माध्यम शिक्षा पर नेशनॉल मिशन को कार्यान्वयन करने के लिए बीएसएनएल के साथ एक महत्वाकांक्षी योजना में प्रवेश किया है, जो विभिन्न आईआईटी एवं पीएसयू प्रमुख बीएसएनएल, भारत के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी)ः का एक महत्वाकांक्षी परियोजना है । यह परियोजना एक जीबी कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय के लिए सक्षम हो जाएगा । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शोधछात्रों और संकायों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना । ज्ञान संसाधनों सिलिंडर को प्राप्त करने और दुनिया में प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाए रखने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों को आजीवन सीखने के माध्यम से पहचान और प्रतिभा का पोषण की एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है।

यांत्रिकी और अनुरक्षण कक्ष

भूमि मामला

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को ओड़िशा सरकार द्वारा सिमिलीगुड़ा तहसील के चिकापार एवं चकरिलपुट गाँव के पास नि:शुल्क ४३०.३७ एकड़ जमीन प्रदान की है ।

सुनाबेढ़ा परिसर में विद्युत आपूर्ति

ओड़िशा सरकार के प्रशासन नियंत्रण में विद्युत वितरण कंपनी ने राज्य की निधि से परिसर के भीतर क्यूबिकल पएंट के लिए सुनाबेढ़ा ग्रीड से ५.५. की.मी. ११ केवी लाइन खींचा है। सीयूओ को विद्युत आपूर्ति के लिए एक पावर ट्रांसफरमर आनुमानिक लागत र.४८,६९,२८८/- पर साउथको द्वारा निर्माणाधीन है। सुनाबेढ़ा परिसर को विद्युत आपूर्ति के लिए महाप्रबंधक, साउथको, जयपुर में विश्वविद्यालय ने प्रतिभूति जमा के रूप में रु. १८,७४,६४०/- जमा किया है। आंतरिक विद्युत आपूर्ति कार्य का आनुमानिक लागत रू १.४२ करोड़ है जो काम केंलोनिवि द्वारा लिया गया है। परियोजना का पूरा होने के तुरंत बाद परिसर में विद्युत आपूर्ति हो सकती है।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का निकटस्थ सड़का निर्माण

विश्वविद्यालय ने एनएडी को अनुरोध करके उसके सड़क का इस्तेमाल कर रहा है। किंतु परिसर तक सड़का का निर्माण कार्य आर एंड बी डिविजन, कोरापुट (ओड़िशा सरकार) ने लिया है। विश्वविद्यालय सीमा से आंतरिक सड़क का निर्माण मास्टर प्लान के अनुसार बनाया जा रहा है। मुख्य सड़क १२ मीटर का होगा उसके साथ सड़क के अंतिम भाग तक प्रकाश की व्यवस्था रहेगी ।

ओकेंवि, सुनाबेढ़ा परिसर तक जल आपूति

सुनाबेढ़ा परिसर को प्रत्येक दिन ३.०० लाख लीटर जल की आवश्यकता के अनुसार पेय जल प्रदान करने के लिए पाँच की.मी. पाईप लाइन बिछाई गयी है और दो जल टंकी का निर्माण राज्य सरकार के खर्चे से बन रहा है । आंतरिक जल आपूर्ति का काम विश्वविद्यालय के खर्चे से राज्य सकराकर की पीएचडी के जरिये विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

सुनाबेढ़ा स्थित सीयूओ परिसर में एक जीबी इंटरनेट कनेक्शन

NMEICT एक मानव संसाधन विकास मंत्रालय का अनुमोदित तथा समर्थित परियोजना है। इस परियोजना का आनुमानिक लागत है लगभग दो करोड़ रूपये। आनुमानित लागत का २५ञ विश्वविद्यालय का शेयर है । बीएसएनएल ने सुनाबेढ़ा परिसर तक ६जीबी कनेक्शन प्रदान किया है। यह संयोजकता भुवनेश्वर से लेकर कोरापुट के सुनाबेढ़ा परिसर तक सक्रिय है। आज तक रूटर, यूपीएस, बैटरी आपूर्ति की गयी है।

विश्वविद्यालय ने अतिरिक्त लागत और सेवा कर आदि के अलावा अपना २५ञ शेयर भुगतान किया है। इस परियोजना के माध्यम से विश्वविद्यालय ने ४०० नोडस तक इंटरनेट सुविधा प्राप्त कर सकता है । निम्नलिखित भवन निर्माण कार्य पूरा हो रहा है :

विकास कार्य	प्लिंथ क्षेत्र (वर्ग मीटर)
१. शैक्षणिक ब्लॉक	१४८२ आरसीसी संरचना, जीसीआई शीट
२. पुस्तकालय ब्लॉक	७५०
३. छात्राओं का हॉस्टेल	७९०५ ऊ३, २३६ कमरे
४. छात्रों का हॉस्टेल	७९०५ ऊ३, २३६ कमरे
५. अतिथि भवन	२७९७ (३२ कमरे और ०८ वीआईपी सूटस)
६. सीमा दीवार	९.२५ की.मी.
६. कैंटीन	
७. कैंटीन का विस्तार (कार्य प्रगति पर है)	
८. भूमिगत नाबदान का निर्माण	

९. अतिरिक्त शैक्षणिक खण्ड
परिसर का मास्टर प्लॉन अंतिम चरण में है

बीएसएनएल-१जीबी पर टिप्पणी

NME-ICT कार्यक्रम के तहत १जीबी ब्रडबैंड लिंक के प्रावधान के लिए विश्वविद्यालय ने सुनाबेढ़ा स्थित सीयूओ परिसर को १जीबा लिंक देने के लिए बीएसएनएल को अपनी सहमति प्रदान की है।

सूचना संचार तकनीकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (NME-ICT) कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय समर्थित कार्यक्रम है। 1जीबी कनेक्शॉन दस सालों के लिए 400 नोडस को प्रदान किया जाता है । एलएएन सेटअप भी 7.5 की.मी.तक सीमित योजना के अंतर्गत दी गयी है। विश्वविद्यालय द्वारा खर्च वहन किया जाता है। इस योजना का आनुमानित लागत दो करोड़ रूपये है। लागत शेयरिंग अनुपात इस प्रकार है :

रु.**2.00** करोड़	**रु.20.00 लाख**	**रु.1.35 करोड़**	**रु.45.00 लाख**
	बीएसएनएल	एमएचआरडी	सीयूओ

विश्वविद्यालय ने सेवा शुल्क तथा प्रासंगिक व्यय के अलावा अपना शेयर जमा कर चुका है ।

आज तक परियोजना का निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं :

१. फिल्ड सर्वेक्षण
२. पुस्तकालय भवन में सर्वर कक्ष काम कर चुका है
३. जीबी कनेक्शन के लिए ऑप्टिकॉल फाइबर प्रदान किया गया है
४. भुवनेश्वर से यह लिंक दिया गया है
५. एनआईसी से रूटर 24.7.2013 को रु .15, 54,027/ - की लागत पर खरीदा गया है (जूनीपेर निर्मित)
6. 10 KVA और 5 KVA यूपीएस खरीदा गया है उसका परीक्षण भी किया गया है

अविलम्ब आवश्यकता

१. पुस्तकालय भवन तथा शैक्षणिक खण्ड में LAN सेटअप।
२. विभिन्न भवनों/ब्लॉक परिसरों में केबुल बिछाई गयी
३. स्वीचों तथा सहायक पुर्जा खरीदा गया।
४. विभिन्न भवनों के पएंटों में पावर कनेक्शन तथा यूपीएस का प्रावधान ।
५. विभिन्न भवनोंमें कंप्यूटर सिस्टमों की खरीद और अधिस्थापना।
६. किसी प्रकार की हानि को हटान के लिए 05 और 06 से ऊपर की स्थापना ।

बीएसएनएल से एक प्राक्कलन भेजने के लिए अनुरोध किया गया है।

परीक्षा अनुभाग

विषय वार परिणाम का विश्लेषण

क्रमांक	विषयचौथी सेमेस्टर	कुल उपस्थित	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण की प्रतिशतता
०१.	ओडिआ भाषा में स्नातकोत्तर	२३	२३	१००₹
०२.	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	२५	२३	९२₹
०३.	नृविज्ञान में स्नातकोत्तर	०८	०८	१००₹
०४.	समाज विज्ञान में स्नातकोत्तर	३६	३६	१००₹
०५.	झे.एस. सी में एम. ए.	१२	१२	१००₹
०६.	एम. एससी (एकीकृत गणित विज्ञान) ६ सेमेस्टर	२३	१७	७३₹
०७.	अर्थशास्त्र में एम. ए.	२१	२१	१००₹
०८.	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	२१	२१	१००₹
०९	बी.एड़ (शिक्षक शिक्षा विभाग	९५	८९	९३₹

शैक्षणिक सत्र २०१४-२०१५ के लिए विभाग वार टॉपरों की सूची

श्री शांतानु कुमार नायक, ओड़िया में एम. ए.
सुश्री प्रियंका शर्मा, अंग्रेजी में एम.ए.
श्री मानस रंजन ताक्री, नृविज्ञान में एम. एससी
श्री विष्णु प्रसाद महापात्र, समाज विज्ञान में एम. ए.
श्री द्विप चांद बिहारी, जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम. ए.
श्री ययाति केशरी राउत, जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम. ए.
श्री राकेश पाउल, जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण
सुश्री सरस्वती महारणा, अर्थशास्त्र में एम. ए.

छात्रावास

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट लड़के और लड़कियों के लिए अलग अलग छात्रावास सुविधा प्रदान करता है .

लिंग तथा वर्ग वार सीट आबंटन

क्रमांक	हॉस्टेल	वर्ग					कुल
		सामान्य	ओबीसी	अ.जा.	अ.ज.जा.	वि.	
1	लड़का	36	43	30	10	-	119
2	लड़की	61	27	13	03	-	104
	कुल	**97**	**70**	**43**	**13**	**-**	**223**

लड़के और लड़कियों के लिए नया छात्रावास जल्द ही शुरू हो जाएगा

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची

क्रमांक	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम	विभाग	पुरस्कार का नाम
०१	इर्साद खान	पी.एचडी.	नृविज्ञान	एमएएनएफ
०२	रजनी पादल	पी.एचडी.	नृविज्ञान	आरजीएनएफ
०३	सिलि राउत	पी.एचडी.	नृविज्ञान	नेशनॉल ओबीसी छात्रवृत्ति
०४	रश्मि पूजा निकुंज	पी.एचडी.	पत्रकारिता एवं जन संचार	आरजीएनएफ
०५	मुहम्मद अमीर पाशा	पी.एचडी.	पत्रकारिता एवं जन संचार	एमएएनएफ
०६	राकेश पाउल	पी.एचडी.	जैव विविधता- तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	डीएसटी-इनस्पायर, भारत सरकार
०७	गोपाल राज खेमुंडु	पी.एचडी.	जैव विविधता- तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	आरजीएनएफ
०८	पोली टिकड़ा	पी.एचडी.	जैव विविधता- तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	आरजीएनएफ
०९	दीपिका टाक्री	एम.फील.	नृविज्ञान	आरजीएनएफ
१०	जे. रंजिता	एम.फील.	नृविज्ञान	आरजीएनएफ
११	गोबिंद बल	एम.फील.	जैव विविधता- तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	आरजीएनएफ
	कल्पना पात्र	एम.फील.	जैव विविधता- तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	आरजीएनएफ
१२	नजनीन सुलताना	एम.फील.	पत्रकारिता एवं जन संचार	नेशनॉल ओबीसी छात्रवृत्ति
१३	मानस कुमार कांजीलाल	एम.फील.	पत्रकारिता एवं जन संचार	आरजीएनएफ

वित्त

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, के तहत संसद के अधिनियम २००९ द्वारा स्थापित है। यह एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, यूजीसी के माध्यम से मानव संसाधन विभाग द्वारा वित्त पोषित है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से कार्य करना शुरु किया है । विश्वविद्यालय सामान्य विकास सहायता (जीडीए) के रूप में योजना ब्लॉक अनुदान के रूप में केंद्र सरकार से प्राप्त करता रहा है, सामुदायिक महाविद्यालय योजना और बी. वोकशनॉल कार्यक्रम के लिए प्रावधान रखा गया है । तीन शीर्षकों तहत मुख्य रूप से निधि को उपयोग किया जाता है : अनुदान राशि (आवर्त्ती व्यय), अनुदान राशि (वेतन) और अनुदान राशि (पूंजीगत अस्तियों की सृजन)

सामान्य विकास सहायता (जीडीए) में भवन का निर्माण और नवीकरण (जिसमें शामिल है विरासत इमारतों का मरम्मत सहित), परिसर विकास, कर्मचारी, पुस्तकें और पत्रिकायें, प्रयोगशाला, उपकरण तथा संरचना, वार्षिक अनुरक्षण ठेका, नवाचार अनुसंधान गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय उद्योग संबंध, विस्तारण गतिविधियाँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, आईसीटी के विकास, स्वास्थ्य सेवा, छात्रों के लिए सुविधायें जिसमें शामिल हैं हॉस्टेलों, छात्रों को नॉन-एनइटी छात्रवृत्ति, यात्रा अनुदान, सम्मेलन/संगोष्ठी/परिसंवाद/ कार्यशाला, प्रकाशन अनुदान, परिदर्शन प्रोफेसर/विजिटिंग फेलों की नियुक्ति और कैरिय की स्थापना और काउंसेलिंग कक्ष, डे केयार सेंटर, महिलाओं के लिए मौलिक सुविधायें, और संकाय विकास कार्यक्रम आदि ।

योजना अनुदान के अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए विश्वविद्यज्ञलय केंद्र तथा राज्य सरकार के निकायों से प्राप्त करता है जैसे कि ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड, नाल्को फांउडेशन, नेशनॉल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद और विदेशी संस्थानों (अर्थात सेंटिएगो डे कंपोस्टा विश्वविद्यालय, स्पेन) ।

विश्वविद्यालय के लेखे का लेखा परीक्षण भारत के महा लेखा परीक्षण एवं नियंत्रक की ओर से शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर, ओड़िशा के जरिये प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक (केंद्रीय) हैदराबाद द्वारा होती है। जैसे कि अधिनियम में बताया गया है, 2014-15 वर्ष के लिए लेखा परीक्षित लेखा विवरण के साथ अलग से लेखा परीक्षक (एसएआर) और विश्वविद्यालय का उतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के जरिये को भारतीय संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया था ।

वित्तीय वर्ष २०१४-१५ के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा लेखांकन मानकों में निर्धारित के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित प्रारुप के अनुसार उपचय आधार पर निर्धारित समय अनुसूची के अनुसार बनायी गयी है । वार्षिक लेखा (२०१४-१५) क्रमानुसार ३०.०६.२०१४ तथा ३०.०६.२०१४ को हुई बैठक में विश्वविद्यालय की वित्त समिति और कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित हो चकी है।

अनुमोदिन वार्षिक लेखे (२०१४-१५) की लेखा परीक्षा प्रमाणन के लिए उप-निदेशक लेखा परीक्षक (केंद्रीय) भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है । सांविधिक लेखा परीक्षक ने वार्षिक लेखे पर मसौदा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी कर चुका है । मौसादा अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट को विश्वविद्यालय ने जारी कर दिया है ।

अंतिम अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) प्राप्त करने पर, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे के साथ अंतिम एसएआर और उसके साथ विश्वविद्यालय का उत्तर को वितरण द्वारा अगली बैठक में उनके अनुमोदन तथा विचार के लिए विश्वविद्यालय की वित्त समिति तथा कार्यकारी समिति के सामने रखा जाएगा। यह अनुमोदन हो जाने पर, उसी को संसद के दोनों पटलों पर पेश करने के लिए एमएचआरडी को भेजा जाएगा।

वर्ष २०१४-१५ के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

०१/०४/१४ तक ओबी	२०१४-१५ के दौरन			२०१४-१५ के उपयोगित राशि	३१/०३/२०१५ की स्थिति के अनुसार अंत शेष
	यूजीसी	आंतरिक एकाडेमिक प्राप्तियाँ (ब्याज आदि)	कुल		
2632.15	7758.25	610.97	8369.22	1340.74	9660.63

वित्तीय वर्ष २०१४-१५ के लिए विभिन्न प्रायोजित परियोजना लेखा पर प्राप्तियाँ एवं भुगतान विवरण निम्नप्रकार हैं :

Sl. No.	परियोजना का नाम	आदि शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ एवं वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष	
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1.	एथुरेटस परियोजना	–	–	2,34,830	2,34,830	66,511	1,68,319	–
2.	ओड़िशा जैव विविधता	–	–	99,000	99,000	7,742	91,258	–
	TOTAL	NIL	NIL	3,33,830	3,33,830	74,253	2,59,577	–

३१.०३.२०१५तक की स्थिति के अनुसार विश्वविद्यालय का तुलन पत्र , वर्ष २०१४-१५ के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्तियाँ तथा भुगतान लेखा संलग्न है

३१ मार्च २०१५ को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

(रु. राशि में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 2014-15	पिछला वर्ष 2013-14
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9	6,216,375.00	2,752,760.00
अनुदान/सबसिडी	10	67,655,954.89	68,845,312.66
निवेश से आय	11	–	–
प्राप्त ब्याज	12	53,014,912.87	30,297,982.87
अन्य आय	13	38,556.00	-600,668.00
पूर्व समय आय	14	–	–
कुल (क)		**126,925,798.76**	**101,295,387.53**
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान/लाभ (स्थापना व्यय)	15	37,218,848.00	34,989,212.00
शैक्षणिक व्यय	16	3,008,040.00	8,700,452.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	15,664,086.00	17,092,227.00
परिवहन व्यय	18	8,337,892.00	4,770,538.00
मरम्मत तथा अनुरक्षण	19	2,488,536.00	2,699,607.00
वित्तीय लागत	20	9,230.89	10,912.66
अवमूल्यन	4	8,389,007.18	18,002,674.00
अन्य आय	21	-	-
समय से पहले आय	22	929,322.00	582,364.00
कुल (ख)		**76,044,962.07**	**86,847,986.66**
व्यय पर अधिक आय शेष			
(क-ख) निर्दिष्ट निधि से स्थानांतरण		**50,880,836.69**	**14,447,400.87**
भवन निधि			
दूसरा बतायें			
अधिक शेष को (कमी)			
जिसे पूंजीगत निधि को स्थानांतरित किया गया		**50,880,836.69**	**14,447,400.87**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ		23	
आकस्मिक देयतायें और लेखाओं पर टिप्पणियाँ		24	

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2014-15	पूर्व वर्ष 2013-14	भुगतान	चालू वष 2014-15	पूर्व वर्ष 2013-14
I. आदि शेष	–	–	I. व्यय	–	–
क) शेष रोकड़	–	–	क) स्थापना व्यय	33,764,606.00	29,122,979.00
ख) बैंक में शेष	–	–	ख) शैक्षणिक व्यय	2,033,724.00	–
i. बचत खाता में संख्या. 30877205145	199,871,438.00	192,615,800.00	ग) प्रशासनिक व्यय	13,512,559.00	38,581,805.66
ii. बचत खाता में संख्या.450502050000228	32,190,102.34	71,924,868.00	घ) परिवहन व्यय	7,341,726.00	–
iii. बचत खाता में संख्या.31694717652	28,246,551.00	46,372,372.00	ङ) अनुरक्षण तथा मरम्मत	833,918.00	–
iv. बचत खाता में संख्या.33106758052	2,854,167.00	–	च) पूर्व अवधि के खर्च	599,770.00	–
v. बचत खाता में संख्या.33156750382	52,397.00	–	छ) वित्तीय लागत	9,230.89	–
II. प्राप्त अनुदान	–	–	II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों से भुगतान	–	
क) भारत सरकार से	775,825,000.00	–	विश्वविद्यालय अनुसंधान परियोजना	–	673,087.00
ख) राज्य सरकार से	–	2,800,000.00	एथुरेटस परियोजना	66,511.00	–
ग) दूसरों से	–	–	ओड़िशा जैव विविधता बोर्ड	7,742.00	–
(पूंजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान यदि उपलब्ध हो तो अलग से दिखाया जाएगा					
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	1,537,125.00	–	III. प्रायोजित परियोजना /योजनाओं के लिए भुगतान	–	–
IV. निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों से प्राप्तियाँ	–	–	IV. प्रायोजित छात्रवृत्ति / फेलोशिप के लिए भुगतान	–	–
V. प्रायोजित परियोजनाएं / योजनाओं के लिए प्राप्तियाँ	333,830.00	–	V. निवेश एवं जमा किया		
			क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों में से	–	–
			ख) निजी निधियों में से (निवेश-अन्य)	–	–
VI. प्रायोजित छात्रवृत्ति/फेलोशिप से प्राप्तियाँ	–	–	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	–	–
VII. निवेश पर आय	–	–	VII. स्थिर अस्तियाँ और कार्य प्रगति पर व्यय	–	–
क) निर्धारित /बंदोबस्ती निधि से	–	–	क) स्थिर अस्तियों की खरीद	3,028,270.00	11,080,824.00
ख) अन्य आय से	–	–	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	–	–
VIII. ब्याज प्राप्त किया	–	–	VIII. अन्य भुगतान (बतायें)	–	–
क) बैंक जमाओं से	2,602,651.00	3,778,305.00	i. कर्मचारियों के व्यय के लिए अग्रिम	2,456,237.00	6,190,898.00
ख) टीडीआर लेखा से	–	479,196.00	ii. व्यय के अग्रिम (दूसरों के लिए)	724,520.00	44,400,464.00
घ) एफएफडी लेखा से	50,829,286.87	5,587,171.00	iii. विविध ऋणकर्ता	–	266,400.00
IX. निवेश नकदीकरण किया गया	–	–	IX. अनुदान की वापसी	–	–
X. एसबीआई, मुख्य शाखा, भुवनेश्वर में सावधि जमा	–	44,518,610.00	X. जमा एवं अग्रिम	58,201,689.00	–
XI. इंडियन बैंक, भुवनेश्वर में सावधि जमा	–	22,403,847.00	XI. अन्य आय	11,493,137.00	–
XII. जमा और अग्रिम	1,075,944.00	–	XII. शेष नगद	–	–
क) हाथ में रोकड़	–	–			

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2014-15	पूर्व वर्ष 2013-14	भुगतान	चालू वष 2014-15	पूर्व वर्ष 2013-14
XIII.वैधानिक प्राप्तियों को मिलाकर विविध प्राप्तियाँ	25,021.00	–	ख) बैंक में शेष		
XIV. किसी अन्य प्रकार की प्राप्तियाँ	–	–	i. बचत खाता में, संख्या.33106758052	9,798,647.00	2,854,167.00
क) प्रवेश शुल्क (छात्र)	3,461,440.00	2,181,670.00	ii. बचत खाता में संख्या.33156750382	274,418.00	52,397.00
ख) आवेदन शुल्क(नियुक्ति)	6,250.00	278,700.00	iii. बचत खाता में, संख्या.30877205145	232,740,934.87	199,871,438.00
ग) वार्षिक परीक्षा शुल्क	290,900.00	15,200.00	iv. बचत खाता में, संख्या.450502050000228	34,111,372.45	32,190,102.34
घ) हास्टेल शुल्क	747,860.00	86,230.00	v. बचत खाता में, संख्या.31694717652	689,137,326.00	28,246,551.00
ङ) पंजीकरण शुल्क	75,200.00	92,700.00			
च) परिवहन शुल्क	67,690.00	26,260.00			
ज) खेलकूद शुल्क	36,200.00	70,000.00			
झ) निविदा प्रपत्र की बिक्री	7,000.00	2,000.00			
i) आरटीआई आवेदन शुल्क	285.00	–			
XV. किसी अन्य प्राप्तियाँ (विवरण दें)		298184.00			
i) चिकित्सा शुल्क					
ii) परिचय पत्र शुल्क					
iii) ट्यूशन शुल्क					
कुल	**1,100,136,338.21**	**393,531,113.00**	**कुल**	**1,100,136,338.21**	**393,531,113.00**

३१ मार्च , २०१५ तक की तुलन पत्र

राशि रु. में

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वष (2014-15)	पूर्व वर्ष (2013-14)
कर्पस/पूंजीगत निधि	1	652,527,451.21	619,086,427.87
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	शून्य	शून्य
चालू देयतायें और प्रावधान	3	991,334,889.45	290,445,446.34
कुल		1,643,862,340.66	909,531,874.21
निधियों का प्रयोग	अनुसूची		
स्थिर अस्तियाँ	4		
मूर्त अस्तियाँ		108,374,280.74	113,748,291.00
अमूर्त अस्तियाँ		50,964.60	37,691.00
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		506,426,346.00	506,426,346.00
निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों से निवेश	5	–	–
दीर्घावधि			
अल्पावधि			
निवेश-दूसरों से	6	–	–
चालू अस्तियाँ	7	966,062,698.32	263,214,655.34
ऋण, अग्रिम तथा जमा	8	62,948,051.00	26,104,890.87
	कुल	1,643,862,340.66	909,531,874.21

शैक्षणिक केलेण्डर (२०१४-२०१५)

घटनाएँ	मानसून सेमेस्टर	शीतकालीन सेमेस्टर
पाँच वर्षीय एकीकृत तथा पी जी कक्षायें शुरु हो गयी	जुलाई ३, २०१४ (गुरुवार) ३ , ५, ७ सेमेस्टर जुलाई १०, २०१४ (शुक्रवार) १ सेमेस्टर	५ जनवरी २०१५ (सोमवार) सभी छात्र-छात्राएं
१ मध्य-सेमे.	अगस्त ७ - ९, २०१४ (बृहस्पति-शनिवार)	फरवरी ५ - ७ , २०१५ (बृहस्पति-शनिवार)
२ मध्य-सेमे	सितम्बर २५ - २७ , २०१४ (बृहस्पति-शनिवार)	मार्च १२ -१४, २०१५ (बृहस्पति-शनिवार)
मध्य-सेमे अवकाश	सितम्बर २९ - अक्तूबर १०, २०१४	----------
अंतिम सेमे., परीक्षा होनी है	दिसंबर ४ (वृहस्पति) -१२ (शुक्रवार), २०१४	अप्रेल २७ (सोम) -मई ६ (बुध), २०१५
सीओई को ग्रेडस प्रस्तुत होना है	दिसंबर १७ , २०१४ (बुधवार)	मई११ , २०१५ (सोमवार)
परिणाम की घोषण	दिसम्बर १९ , २०१४ (शुक्रवार)	मई १३, २०१५ (बुधवार)
अवकाश	दिसम्बर २२ (सोमवार), २०१४ -३१ (बुधवार), २०१४	मई १४ (गुरूवार) - जुलाई १० (शुक्रवार), २०१५

दाखिल छात्र-छात्राएं

शैक्षणिक सत्र २०१४ - १५ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		कुल छात्राएं	प्रवेश का संख्यी	अभ्युक्ति
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला			
1	अंग्रेजी में एम. ए.	3	11	5	3	1	1	0	6	30	30	
2	ओड़िया में एम. ए.	1	10	4	8	1	4	1	3	32	40	पीडब्ल्यूडी १ महिला
3	समाज विज्ञान में एम. ए.	3	13	9	7	3	4	3	7	49	50	
4	जे. एम.सी में एम.ए.	5	7	3	2	1	1	3	2	24	30	
5	नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	2	1	1	1	1	2	0	0	8	30	
6	अर्थशास्त्र में एम.ए.	6	14	5	2	2	2	5	4	40	50	
7	जैव विविधता में एम.एससी	4	8	2	5	1	2	3	4	29	30	पीडब्ल्यूडी १ महिला
8	गणित विज्ञान में एम.एससी	7	4	2	0	1	0	1	3	18	30	
9	बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	18	17	17	2	6	3	30	7	100	100	पीडब्ल्यूडी २ पुरूष
10	ओड़िया में एम. फील	1	0	0	1	1	0	0	2	5	10	
11	ओड़िया में पीएच.डी.	0	0	1	0	0	0	0	0	1	5	
12	नृविज्ञान में एम.फील.	2	0	1	0	1	0	1	0	5	10	
13	नृविज्ञान में पीएच. डी.	1	0	0	1	0	0	0	1	3	5	
14	समाज विज्ञान में एम. फील.	1	2	0	1	0	0	0	1	5	10	
15	समाज विज्ञान में पीएच. डी.	0	0	0	0	1	0	0	0	1	5	
16	जेएमसी में एम. फील	2	0	1	0	0	0	1	1	5	10	
17	जेएमसी में पी.एचडी.	1	1	0	0	0	0	0	0	2	5	
18	जैव विविधता में एम.फील	5	2	1	0	0	1	1	0	10	10	
19	जैव विविधता में पीएचडी	2	4	1	1	0	0	0	1	9	15	
	उप-कुल	**64**	**94**	**53**	**34**	**20**	**20**	**49**	**42**	**376**		
कुल		**158**		**87**		**40**		**91**		376	475	

शैक्षणिक सत्र २०१३ - १४ के लिए दाखिल छात्र-छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		कुल	अभ्युक्ति	प्रवेश का
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	छात्राएं		संख्यी
1	अंग्रेजी में एम. ए.	4	13	3	1	1	2	4	2	30		30
2	ओड़िया में एम. ए.	0	12	1	3	4	4	3	5	32		40
3	समाज विज्ञान में एम. ए.	3	17	5	6	5	1	4	9	50		50
4	जे. एम.सी में एम.ए.	10	3	3	1	0	0	3	0	20		30
5	नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	2	3	2	0	1	1	0	2	11		30
6	अर्थशास्त्र में एम.ए.	4	11	4	3	1	1	1	2	27		50
7	जैव विविधता में एम.एससी	5	12	1	2	0	0	3	1	24	पीएच -1 (सामान्य) महिला	30
8	गणित विज्ञान में एम.एससी	6	6	4	0	3	0	5	6	30		30
9	बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	17	22	13	3	6	4	20	15	100	पीएच -2 (सामान्य) पुरूष	100
10	ओड़िया में एम. फील	1	2	1	0	0	0	1	0	5		10
11	ओड़िया में पीएच.डी.	1	2	0	1	0	0	0	1	5		5
12	नृविज्ञान में एम.फील.	0	0	0	2	1	0	2	0	5	पीएच -1 (एससी) महिला	10
13	नृविज्ञान में एम.फील.	2	0	0	0	1	0	1	0	4		5
14	समाज विज्ञान में एम. फील.	0	1	1	0	1	0	1	0	4		10
15	समाज विज्ञान में पीएच. डी.	0	1	0	0	0	0	0	0	1		5
16	जेएमसी में एम. फील	1	1	0	0	1	0	1	1	5		10
17	जेएमसी में पी.एचडी.	3	0	0	0	0	1	0	0	4		5
	उप-कुल	**59**	**106**	**38**	**22**	**25**	**14**	**49**	**44**	**357**		450
	कुल	**165**		**60**		**39**		**93**		357		

राज्य वार छात्रों की सांख्यिकी

क्र.	वर्ग	यू.जी.			पी.जी.			पॉचं वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम			एम.फील / एम.टेक			पीएच.डी			सार्टिफिकेट डिप्लोमा			कुल		
		ए	ड	ट	ए	ड	ट	ए	ड	ट	ए	ड	ट	ए	ड	ट	ए	ड	ट	ए	ड	ट
1	आंध्रप्रदेश							1		1				1		1				2	0	2
2	अरुणाचंल प्रदेश																			0	0	0
3	आसाम																			0	0	0
4	बिहार				1	1	2	2		2	1		1	1		1				5	1	6
5	छत्तीसगढ़										1		1	2	1	3				3	1	4
6	गोवा																			0	0	0
7	गुजरात																			0	0	0
8	हरियाणा																			0	0	0
9	हिमाचल प्रदेश								1	1										0	1	1
10	झारखंड					2	2		1	1										0	3	3
11	जम्मू एवं कश्मीर																			0	0	0
12	केरल																			0	0	0
13	मध्य प्रदेश																			0	0	0
14	महाराष्ट्र																			0	0	0
15	मणिपुर																			0	0	0
16	मिजोराम																			0	0	0
17	मेघालय																			0	0	0
18	नागालैंड													1		1				1	0	1
19	ओड़िशा				147	245	392	47	31	78	21	23	44	12	10	22	54	46	100	281	355	636
20	पंजाब																			0	0	0
21	राजस्थान																			0	0	0
22	सिविकम																			0	0	0
23	तमिलनाडु																			0	0	0
24	तेलेंगाना							1		1										1	0	1
25	त्रिपुरा																			0	0	0
26	उत्तरांचल																			0	0	0
27	उत्तर प्रदेश					1	1							1		1				1	1	2
28.	पश्चिम बंगाल				5	4	9				1	1	2	1		1				7	5	12
	केंद्र शासित क्षेत्र																					
29	अंडामान निकोबर																			0	0	0
30	चंडीगढ़																			0	0	0
31	दादरी तथा नगर हावेली																			0	0	0
32	दामन तथा दियू																			0	0	0
33	दिल्ली																			0	0	0
34	लाखाद्वीप																			0	0	0
35	पण्डिचेरी																			0	0	0
	उप-कुल				**153**	**253**	**406**	**51**	**33**	**84**	24	24	48	19	11	30	54	46	100	301	367	668
	विदेशी नागरिक				0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल योग				**153**	**253**	**406**	**51**	**33**	**84**	24	24	48	19	11	30	54	46	100	301	367	668

विश्वविद्यालय की घटनाएँ

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपना ६वें स्थापना दिवस मनाया

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपना ६वें स्थापना दिवस २९ अगस्त को लांडिगुड़ा परिसर में मनाया । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुहम्मद मियां ने इस सभा की अध्यक्षता की और श्री राजकिशोर मिश्रा,कार्यपालक निदेशक (एम एवं आर) नाल्को, दामनजोड़ी ने इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रो. मुहम्मद मियां ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय की नई ऊंचाईयों को छूना और नए प्रयासों को प्राप्त करने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने मन की शक्ति पर जोर दिया और बल दिया कि छात्र न सिर्फ तर्कसंगत बुद्धिमान बनें बल्कि भावनात्मक खुफिया बनें । उन्होंने यह भी कहा कि कोरापुट एक दुर्गम स्थान पर रहा है, नवोदित वर्षों में छात्रों और विद्वानों के आने जाने के कारण यह वर्तमान शिक्षा का एक केंद्र बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय स्थानीय लोगों को लायें और कई आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें लाभान्वित होने की दिशा में काम करने से पहले उनकी समस्याओं को समझें। उन्होंने यह जोर दिया कि पेशेवर विभाग द्वारा रोजगारन्मुखी पाठ्यक्रम शुरु करने के लिए की जरुरत पर बल दिया और स्थानीय लोगों के साथ साथ कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिसर के अंदर ओड़िया एवं अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्थापना करने की आवश्यकता है।

स्थापना दिवस भाषण देते हुए श्री मिश्रा ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और कर्मचारियों को इसलिए बधाई दी कि उन्होंने कोरापुट जिले में इस विश्वविद्यालय को सुचारु रूप से चला रहे हैं। उन्होंने सराहना की कि कोरापुट जैसे वंचित और अविकसित क्षेत्र में विश्वविद्यालय खोलने के लिए भारत सरकार ने निर्णय ली है और विश्वविद्यालय में कई विद्वान व्यक्तियों के साथ और उनके माध्यम से अनुभवी कर्मचारीगण और संकायसदस्य राज्य के इस भाग में उल्लेखनीय विकास को देखकर गर्व महसूस किया है। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय न केवल ओड़िशा के मानचित्र में बल्कि भारत एवं पूरे विश्व में प्रमुखता से कोरापुट को रखने के लिए लंबा रास्ता तय करेगा ।

समारोह के बाद, मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थान लेकर आये मेधावी छात्रों, ओर शोधार्थियो को पुरस्मार प्रदान किए । कुलसचिव, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय , कर्नल आर.एस. यौहान ने इस तहर के महत्वपूर्ण अवसर का एक हिस्सा होने के लिए विशेष प्रयास करने वाले अतिथियों को धन्यवाद प्रदान किया । उन्होंने लगातार पर्यवेक्षण और समर्थन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति को भी धन्यवाद प्रदान किया। उन्होंने स्थानीय लोगों, हिंदुस्तान एरोनेटिक लिमिटेड (एचएएल), एनएडी, नाल्को राज्य एवं जिला के प्रशासनिक, बीएसएफ, कोब्रा बाटेलियन, जिला पुलिस और विश्वविद्यालय के आसपास के सभी शैक्षिक संस्थाओं को अपने सक्रिय समर्थन और सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद प्रदान किया ।

भारत के राष्ट्रपति | श्री प्रणव मुखर्जी

महामहिम माननीय भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त भाषण

इस वर्ष के दौरान भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का दो बार दौरा किया है और उच्चतर शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के दो बार विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को संबोधन किया है।

उनका पहला संबोधन था दिनांक 5 अगस्त 2014 को " गणतंत्र और शासन प्रणाली " शीर्षक पर.

उनका दूसरा संबोधन था 19 जनवरी 2015 को " संसद और नीति निर्माण "शीर्षक पर".

दोनों संबोधनों का आयोजन राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन), भारत सरकार द्वारा आयोजित विडियोकंफ्रेंसींग के माध्यम से किया गया था। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विडियो कांफ्रेंस स्टुडियो में एकत्रित हुए थे।

फरवरी ४ ५, २०१५ को राष्ट्रपति भवन में आयोजित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का तीसरा सम्मेलन

राष्ट्रपति ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को उच्च शिक्षा प्रणाली के नेतृत्व परिवर्तन, वैश्वि रुझान को पहचानना पर बताया

मान्यवर भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने 04 और 05 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय विश्वविद्यालयों (सीयू) के कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन में संबोधन किया और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का परिदर्शक बने थे, जो उनके पद संभालने के राष्ट्रपति द्वारा किये गये इस तरह के सम्मेलन की माला में तीसरी थी. चालिस केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने राष्ट्रपति के परिदर्शक थे और भाग लिये थे।

परिसर में स्वच्छ भारत अभियान

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपने दोनों लांडिगुडा एवं सुनाबेढा परिसर में २९ एवं ३० आक्तूवर, २०१४ को स्वच्छ भारत अभियान को आयोजित किया । यह कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जन्म दिवस के अवसर पर २ अक्तूवर, २०१४ को शुरु किये गये स्वच्छ भारत अभियान का एक भाग था ।

प्रो. मुहम्मद मियां, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने महान आत्मा में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत के लिए संदेश दिया। कर्नल आर. एस. चौहान के मार्मदर्शन में दोनों परिसरों में यह कार्यक्रम सफलता सहित आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम का समन्वय कर रहे परीक्षा नियंत्रक प्रो. मुहम्मद अलफात खान ने छात्रों और कर्मचारियों से यह आग्रह किया कि स्वच्छता को अपने जीवन का एक स्थायी लोकाचार के रूप में अपनायें और पर्यावरण साफ रखने और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरुकता पैदा करें।

एक प्रदूषण मुक्त परिसर के लिए साफ-सफाई और स्वच्छता और काम को बढ़ावा देने के क्रम में विश्वविद्यालय दोनों परिसरों में दो व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। डॉ. कालि प्रसाद बेहेरा और डॉ. अरूण कुमार त्रिपाठी, एडीएमओ, जिला मुख्यालय अस्पताल, कोरापुट ने,इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर व्याख्यान प्रदान किया ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्तूवर, 2014 को विश्वविद्यालय के दोनों (लांडिगुड़ा एवं सुनाबेढा) परसिर में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा ' राष्ट्रीय एकता दिवस ' शपथ ग्रहण समाराह आयोजित किया गया था।

प्रो. मोहम्मद मियां, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अधिक से अधिक सद्भाव और अखंडता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस का संदेश प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल आर.एस. चौहान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा परिचालित शपथ को कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के शुभ अवसर पर *राष्ट्रीय शिक्षा दिवस* कार्यक्रम 11 नवम्ब्र, 2014 को विश्वविद्यालय के दोनों (लांडिगुड़ा एवं सुनाबेढा) परिसरों में ओड़िशा क्रेंदीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहम्मद मियां ने छात्रों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर संदेश दिया । परिसर में 126वें जन्म दिवस समारोह पर महान स्वतंत्रता सेनानी, दार्शनिक और प्रख्यात शिक्षाविद् मौलाना आजाद के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल आर.एस. चौह्वान द्वारा द्वीप प्रज्वलन करके प्रारंभ किया और मौलाना आजाद के प्रति पुष्प अर्पित किया जिन्होंने स्वंतंत्र भारत के **प्रथम शिक्षा मंत्री** के रूप में 15 अगस्त 1947 से 2 फरवरी 1958 तक सेवा की थी। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कर्नल चौहान ने उनके शानदान स्मृति के प्रति सबसे अधिक सम्मान श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आग्रह किया।

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस समारोह मनाने के लिए, 17 नवम्बर 2014 को विश्वविद्यालय के दोनों (लांडिगुड़ा और सुनाबेढ़ा) परिसरों में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहम्मद मियां ने महान आत्मा में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस समारोह के लिए विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों के लिए एक संदेश दिया । कुलपति कर्नल आर.एस. चौहान ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई।

विश्व एड्स दिवस

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर दिनांक ०१.०१.२०१४ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा एक रक्तदान शिविर आयोजन किया गया था । विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल राजीव सिंह चौहान ने इस शिविर का उद्घाटन किया और स्वेच्छिक रक्त दान के महत्व पर बल दिया। दान का एक पिंट रक्त तीन जीवन को बचा सकता है । चूंकि मानव रक्त कृत्रिम रक्त से बदला नहीं जा सकता, यह महत्वपूर्ण है कि युवापीढ़ी रक्त दान करने के लिए आगे आना चाहिए, जो जीवन रक्षक हैं, जब कर्नल चौहान ने इस शिविर को उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस शिविर में छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों से बहत्तर यूनिट रक्त एकत्र किए गए थे।

जैवविविधता विद्यापीठ द्वारा आयोजित " ओड़िशा के कोरापुट क्षेत्र में जैवविविधता एवं संरक्षण पहलूओं पर दो दिवसीय संगोष्ठी

ओड़िशा के कोरापुट क्षेत्र में जैव विविधता एवं संरक्षण पहलूओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ द्वारा २८-२९ मार्च २०१५ को फाउंडेशन फॉर इकोलोजिकॉल सिक्युरिटी (एफईएस), आनंद, गुजरात के सहयोग से ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में आयोजित हुआ था। इस संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. अजय कुमार महापात्र, आईएफएस, क्षेत्रीय मुख्य प्रधान वन संरक्षक, कोरापुट ने किया था। उद्घाटन सत्र में सारांश पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल आर. एस. चौहान ने किया था। स्वागत भाषण संगोष्ठी के संयोजक डॉ. शरत कुमार पलिता, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने किया था। डॉ. मिहिर कुमार जेना, एफईएस और संगोष्ठी के सह-संयोजक ने संगोष्ठी के बारे में बताया। डॉ. ए.के. महापात्र, आईएफएस, संगोष्ठी के मुख्य अतिथि ने महत्वपूर्ण नोट प्रस्तुत किया। प्रो. मलय कुमार मिश्रा, वनस्पति विज्ञान के सेवा निवृत्त प्रोफेसर सम्मानित अतिथि के रूप उपस्थित थे। डॉ. कोकोली बनर्जी, संयुक्त संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

तकनीकी सत्र के अध्यक्ष थे प्रो. एम.के. मिश्रा, बरहमपुर विश्वविद्यालय और डॉ. एस. एस. साहु, उप निदेशक, वीसीआरसी,कोरापुट। लगभग १६५ पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया जो शैक्षणिक संस्थानों, संरक्षण संगठनों और सीबीओ, सरकारी और स्वायंतशासी संगठनों, अनुसंधान विद्यार्थी और सामुदायिक सदस्यों जिन्होंने जैवविविधता विषयों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

तीन तकनीकी सत्रों में बाईस मौखिक प्रस्तुतियाँ थीं और पाँच पोस्टर प्रस्तुति और एक ओपन हाउस सत्र थे जिनमें शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और सामुदायिक संरक्षण समूहों ने भाग लिया था और एक पहल पर सहमति दी थी कि जिसे *जैवविविधता संरक्षण पर सीयूओ की घोषणा* कहा जाएगा। दो शोधार्थी श्री सुब्रत देवता और सुश्री पलि टिकेदार को क्रमानुसार उत्कृष्ट मौखिक प्रस्तुति और पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

समापन सत्र में, विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री एन.के. अख्तरउजमान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। संगोष्ठी धन्यवाद ज्ञापन से समाप्त हुई । डॉ. देबब्रत पंडा, संगोष्ठी के संयुक्त संयोजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया था ।

६८वें स्वतंत्रता दिवस समारोह

- ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लांडिगुडा, कोरापुट परिसर में १५ अगस्त, २०१४ को ६८वें स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल आर.एस. चौहान ने त्रिरंगा झंडा को फहराया था।

६६वें *गणतंत्र दिवस समारोह*

- ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में २६ जनवरी २०१५ को लांडिगुड़ा परिसर, कोरापुट में ६६वें गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री नुरूल कबीर अक्तारुजमन, विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी ने झंडा फहराया।

सम्मान विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया
अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा उत्सव -२०१५ में
सीयूओ ढेमसा में चौथा पुरस्कार और मार्च पास्ट में प्रथ पुरस्कार प्राप्त हुआ

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा उत्सव-२०१५ के उद्घाटन कार्यक्रम में मार्च पास्ट में प्रथम स्थान मिला और कोरापुट क्षेत्र के ढेमसा जनजाति नृत्य में विश्वविद्यालय के छात्रा- छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन करने के कारण जनजाति नृत्य को चौथा पुरस्कार प्राप्त हुआ । यह उत्सव १२-१६ फरवरी, २०१५ को देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित हुआ था। इस उत्सव में पूरे देश से लगभग ८५ विश्वविद्यालयों ने भाग लिया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहम्मद मियां ने विश्वविद्यालय के लांडिगुड़ा परिसर में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित करके उसमें नृत्य दल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि " विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व का विषय था कि विश्वविद्यालय मार्च पास्ट में प्रथम स्थान पर रहा और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शित कोरापुट क्षेत्र के जनजाति नृत्य ढेमसा के लिए चौथा पुरस्कार प्राप्त हुआ। " सभी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में युवा उत्सव में भाग लिये छात्र-छात्राओं को उन्होंने पदक सहित प्रमाण पत्र प्रदान किया।

देवी अहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा उत्सव– *2015* में 85 विश्वविद्यालयों से लगभग 3000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट से इस उत्सव में लगभग दस छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था और जनजाति नृत्य वर्ग में टीम मैनेजर डॉ. रुद्राणि महांति और बी. देवानंद के मार्गदर्शन में पाँच स्थानीय संगीतकारों/पेशेवरों ने भाग लिया था। उत्सव के उद्घाटन समारोह में, मार्च पास्ट में विश्वविद्यालय प्रथम स्थान पर रहा और जनजाति नृत्य डेमशा में चौथा पुरस्कार जीता।

इससे पहले कोरापुट की डेमशा जनजाति नृत्य, २५-२९ नवम्बर, २०१५ को ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय में आयोजित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा ३०वें अंतर विश्वविद्यालय केंद्रीय जोनॉल युवा उत्सव-२०१४ प्रदर्शित किया गया था, जो जूरी सदस्यों द्वारा सराहना की गयी थी और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित किया गया था।

हमारे नये परिसर का विकास

BRIEF NOTE ON LAND MATTER जमी मुद्दो पर संक्षिप्त टिप्पणी

सुनाबेढ़ा में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए, ओड़िशा सरकार ने सिमलीगुड़ा के तहत चिकापार एवं चिकरालीपुट गांव में नि:शुल्क में उनकी पत्र संख्या ३४८१८ तारीख ३.९.२००९ द्वारा अग्रिम कब्जा करने के लिए ४३०.३७ एकड़ जमीन आबंटन किया है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, ओड़िशा सरकार ने एक लीज प्रस्ताव मूंजूर कर लिया है और पत्र संख्या २७६६९ तारीख १८.०९.२०१४ के माध्यम से भेज दी है और उसमें जमीन का किराया, उपकर, ब्याज और प्रासंगिक शुल्क निर्धारित कर दी है और अनावर्ती और आवर्ती देय के लिए राशि रु. ३,८८,७८,५९३/- मंजूर कर दी है। सरकार की बकाया राशि के बारे में आगे की कार्रवाई के लिए, ओड़िशा सरकार एवं ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो गया है और जमीन स्थानांतरण का कार्य हो रहा है।

बुनियादी संरचना में प्रगति

बुनियादी संरचना के स्तर में सुधार हेतु हमारे प्रयासों में और कैंपस के संरचनात्मक विकास की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अन्य अनुषंगी सुविधाओं में, विश्वविद्यालय अंतिम शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से कैंपस को प्रयोजनमूलक बनाने के लिए अपेक्षित बुनियादी संरचना तैयार करने में सक्षम है। वर्ष के दौरान कुछ बुनियादी संरचना विकास का एक परिदृश्य नीचे दी गई है :-

- ग्ह प्रथम चरण में सुनाबेढ़ा, कोरापुट में राज्य सरकार द्वारा आबंटित ४३०.३७ एकड़ जमीन पर ९.३ कि.मी. लम्बी चारदीवार के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है।
- ओड़िशा स्थापत्यकला की विशेषताओं के अनुसार मुख्य परिसर में ३२ कमरों तथा ०८ अनुकूलित वाले २९५७ वर्ग मीटर (प्लिंथ एरिया) वाला सीयूओ अतिथि गृह (जी तथा ३) का निर्माण पूर्ण हो चुका है। और ०१ जुलाई २०१३ को मानव संसाधन विभाग के माननीय संघ मंत्री द्वारा इसका उद्घाटन हुआ है।
- ऊप २३६ कमरोंवाला ७७३५ वर्ग मीटर (प्लिंथ एरिया) का लड़कों के हॉस्टले (ऊ३) का निर्माणा का काम पूरा हो चुका है और इसे भी उसी दिन ०१ जुलाई २०१३ को मा.स.वि. के माननीय संघ मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया है।
- १७०० वर्ग मिटर प्लिंथ एरिया के एकाडेमिक ब्लॉक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और दोनों ब्लॉक का उद्घाटन २१ जनवरी २०१३ को हो चुका है।
- मुख्य परिसर में ७७५ वर्ग मीटर का पुस्तकालय भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और पिछले शैक्षणिक वर्ष से यह चालू है।
- मुख्य परिसर के शैक्षिक ब्लॉक में एक सम्मेलन-सह-संगोष्ठी भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है । सम्मेलन भवन गोदरेज के सम्मेलन फर्निचर से सुसज्जित एवं उपस्कृत है।
- विद्यार्थियों और कर्मचारियों को पेय सुविधाएं प्रदान करने हेतु मुख्य परिसर में कैंटिन का निर्माण पूरा हो चुका है ।
- ऊप मास्टर प्लॉन एवं भवन डिजाइन का कार्य जारी है। स्थापत्य फर्म का चान जारी है। ग्रीहा के अनुसार एक पर्यावरण हितैषी और ऊर्जा संरक्षण ग्रीन कैंपस हेतु एक योजना तैयार कर ली गई है। इसके समर्थन में हम लोग भी वर्ज्य पदार्थ के रि-साइक्लिन करने,नवीकरण ऊर्जा का उपयोग करने, वारट हार्वेस्टिंग और पर्यावरण इम्पैक्ट मूल्यांकन में वचनबद्ध हैं।
- एंथ्रोपालाजी शिक्षा केंद्र के लिए, पत्रकारिता एवं जनसंर केंद्र के लिए और जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण केंद्र हेतु लांडीगुड़ा परिसर में प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है।
- हाल ही में सुनाबेढ़ा स्थित नयी परिसर को नियमित रूप से विद्युत आपूर्ति की गयी ।

मुख्य परिसर का विस्तारण

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का सुनाबेढ़ा स्थित मुख्य परिसर में कक्षाएँ २० अक्तूवर २०१३ शुरू हो चुकी है । इसके साथ साथ शिक्षक शिक्षा विभाग (बी.एड) कार्यक्रम वहां स्थानांतरित कर दिया गया है। बी.एड. कार्यक्रम के पहला बैच में एक सौ छात्र छात्राओं ने दाखिल लिया है, यह निर्णय लिया गया कि नया परिसर से ही यह पाठ्यक्रम शुरू किया जाए। बी.एड. कक्षायें छ: संकाय सदस्यों और एक सौ छात्र-छात्राओं के लेकर चलाया जा रहा है। बाद में, मुख्य परिसर को सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र स्थानांतरित कर दिया गया और २० दिसम्बर २०१३ कक्षाएँ चालू कर दी गयी । इस केंद्र में तीन संकाय सदस्यों के साथ अस्सी पी.जी. छात्र-छात्रायें एक पीएच.डी., और चार एम.फील.छात्र-छात्रायें तबसे शैक्षणिक कार्यक्रम में जारी रखे हैं।

७ जुलाई २०१४ को अन्य दो विभागों को मुख्य परिसर को स्थानांतरित कर दिया गया वे दो विभाग हैं गणित विज्ञान विभाग और अर्थशास्त्र विभाग । गणित विभाग में दो संकाय सदस्य और चौरासी छात्र छात्रायें हैं। उसी प्रकार अथशास्त्र विभाग तीन संकाय सदस्यों के साथ इकसठ छात्र छात्रायें को लेकर चल रही है।वर्तमन मुख्य परिसर में कुल छात्र छात्राओं की संख्य है ३५०।

नयी नियुक्ति

प्रो. मोहम्मद मियां, कुलपति (अतिरिक्त प्रभार)

प्रो. मोहम्मद मियां, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति है और एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् है जिन पर ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में अतिरिक्त भार दिनांक ०१ अप्रैल २०१४ को सौंपा गया है। एक आंगतुक के रूप में भारत के राष्ट्रपति ने अपनी हैसियत से नये कुलपति नियुक्ति होने तक अंतरिम अवधि के दौरान ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के कुलपति के रूप में प्रो. मोहम्मद मियां को नियुक्त किया है।

कर्नल राजीव सिंह चौहान , कुलसचिव

कर्नल राजीव सिंह चौहान ने १२ मई २०१४ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव के रूप में नियुक्त हुए हैं। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नियुक्त होने से पहले आप भारतीय स्थल सेना में कार्यरत थे, एकीकृत मुख्यालय (स्थल सेना) रक्षा मंत्रालय, परिचालन रसद एवं रणनीति कदम, महानिदेशालय शाखा, सेना भवन, नई दिल्ली में कार्यरत थे और भारतीय स्थल सेना की १२६ स्थापनाओं की देखभाल प्रत्यक्ष रूप से कर रहे थे।

श्री नुरूल कबीर अक्तारूजामन, आईआरएएस (एचएजी) (सेवानिवृत्त), वित्त अधिकारी

श्री नुरूल कबीर अक्तारूजमन ने ०६.०१.२०१५ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी के रूप में शामिल हो गए हैं। वे भारतीय रेलवे लेखा सेवा के अंतर्गत थे (समूह-क-भारतीय सिविल सेवा) । भारत सरकार के चार संगठनों के साथ लगभग ३६ वर्षों अधिक समय २० वित्त एवं प्रशासनिक पदों में कार्य करने का अनुभव उनके पास हैं। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नियुक्त होने से पहले, वे पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर के वित्तीय सलाहाकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (विभाग का प्रमुख मुख्य) के रूप में कार्यरत थे।

प्रो. एम. अल्फात खान, परीक्षा नियंत्रक

(प्रो. (डॉ.) मोहम्मद अल्फात खान ने १७ जुलाई २०१४ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के रूप में नियुक्त हुए हैं । वे इस विश्वविद्यालय को जामिआ मिलिआ इस्लामिया, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर हैं। वे अपने पास ३१ वर्ष के शिक्षण अनुभव को रखा है, उनके पास विस्तृत प्रशासनिक एवं प्रेशेवर अनुभव रखा है। इसके अलावा, प्रो. खान एक प्रसिद्ध सलाहाकार हैं। वे इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के लिए ०४ अप्रैल २०११ से ०३ अप्रैल २०१४ तक महामहिम राष्ट्रपति जी के नामित व्यक्ति थे ।

डॉ. मुरलीधर ताडी, परीक्षा नियंत्रक

डॉ. मुरली धर ताड़ी ने ०९.०२.२०१५ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के रूप में नियुक्त हुए है । यहाँ नियुक्त होने से पहले आप उप-कुलसचिव के पद पर अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (संसद के अधिनियम २००६ द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) हैदराबाद के लखनऊ परिसर में कार्यरत थे। आपके पास सतरह साल के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक सेटअप का अनुभव है । डॉ. ताडी ने अपनी सेवा काल के दौरान कई प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं/अभिमुखिकरण कार्यकमों में भाग लिया है।

प्रो. किशोर चंद्र राउत, अधिष्ठाता शैक्षणिक

प्रो. किशोर चंद्र राउत, एम.कम., पीएच.डी. ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में अधिष्ठाता, शैक्षणिक के रूप में १२ जनवरी २०१५ को नियुक्त हुए हैं। आपने पिछले तीन दशकों से ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में संकाय के रूप में कार्यरत थे। आपने १९८३ में वित्त में डॉक्टरॉल डिग्री पाप्त किया है और ब्रहमपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न पदों में काम किया है जैसे कि अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं व्यापार अध्ययन, मुख्य, वाणिज्य स्नातकोत्तर विभाग, समन्वयक एमएफसी कार्यक्रम, सदस्य, शैक्षणिक परिषद, सीनेट, बोर्ड अध्यययन, रिसर्च डिग्री समिति, प्रवेश समिति, स्नातकोत्तर परीक्षा के केंद्र अधीक्षक, और कई पदों में । प्रो. राउत ने अनेक विश्वविद्यालयों /संस्थानों के विभिन्न संकाय पदों की भर्त्ती के चयन समिति के सदस्य के रूप कार्य किया है।

प्रो.(डॉ.) धरणीधर साहु

प्रो. (डॉ.) धरणी धर साहु ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग में ०२ फरवरी २०१५ को वरिष्ठ सलाहाकार के रूप में नियुक्त हुए हैं।

प्रो. साहु ने पैंतीस वर्षों तक ओड़िशा के विभिन्न महाविद्यालयों और ब्रह्मपुर विश्वविद्याल में कार्य किया है और २००८ को ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। प्रो. साहु ने चार पीएच.डी. और ४६ एम.फील छात्रों को अपने मार्गदर्शन में उत्पादित किया है।

प्रो. (डॉ.) चित्त रंजन कर, एम.ए. (हिंदी, भाषा, अंग्रेजी) बी.एड., पीएच.डी., पीएच.डी.(भाषाशास्त्र) डी.लिट (भाषा शास्त्र)

प्रो.(डॉ.) चित्त रंजन कर ने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट में ०२ फरवरी, २०१५ को वरिष्ठ सलाहाकार के रूप में अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग में नियुक्त हुए हैं।

पंडित रवि शंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ में २६ साल सेवा करने के साथ साथ विभिन्न पदों पर रहे हैं और २०१० को प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं।

श्री आर. आर. पटनायक, आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी

श्री आर. आर. पटनायक ने इस विश्वविद्यालय में 12 जून 2014 को आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। इस विश्वविद्यालय में नियुक्त होने से पहले आपने भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग में कार्यरत थे । प्रधान निदेशक (केंद्रीय लेखा परीक्षा, हैदराबाद) के कार्यालय के अधीन महा लेखाकार के संयुक्त कार्यालय के विभिन्न विभागों, प्रधान महालेखाकार (सिविल लेखा परीक्षा), ए.जी. सोशल लेखा परीक्षा आदि भारतीय लेखा परीक्षा एंव लेखा विभाग के अधीन 36 वर्षों की सेवा की है।

श्री रमेश चंद्र माटी, कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्याता (संविदा), गणित विज्ञान विभाग

श्री रमेश चंद्र माटी ने विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्याता के रूप में (संविदा) गणित विज्ञान विभाग में नियुक्त हुए है। यहाँ नियुक्त होने से पहले आप कृपाजल इंजीनियरिंग कॉलेज भुवनेश्वर में कार्यरत थे। आपकी योग्यता है एमसीए 2011में उत्तीर्ण हुए हैं। आपने जून 2012 को कंप्यूटर विज्ञान में यूजीसी एनईटी परीक्षा उत्तीर्ण हुए हैं। आपके पास प्रोग्रामिंग भाषायें, C, C++, जावा, C व्यवहार करके डाटा संरचना, डाटाबेस प्रबंधन सिस्टम आदि में तीन साल का शिक्षण अनुभव रखा है । आपकी रूचि का विषय है। डिजाइन एवं आलगोरिदम का विश्लेषण, डाटा कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग। आपके दिलचस्प का क्षेत्र है साफ्ट कंप्यूटिंग एवं वायरलेस सेंसर नेटवर्किंग।

डॉ. सुभेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा, गणित विभाग के तहत भौतिकी में अतिथि व्याख्याता

डॉ. सुभेंदु मोहन श्रीचंदन मिश्रा ने विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान के अतिथि व्याख्याता के रूप में गणित विज्ञान विभाग के तहत नियुक्त हुए है। आपकी योग्यता है प्रायोगिक भौतिकी में पीएच.डी. (आईएसएम, धनवाद), पोस्ट डॉक है (होसियो विश्वविद्यालय, साउथ कोरिया) । आपके पास पाँच साल का शिक्षण एवं अनुसंधान का अनुभव रहा है। आपके अनुसंधान का क्षेत्र है फाइबर ऑप्टिकॉल, अरेखिय प्रकाशिकी में फाइबर लेजर अनुप्रयोग, फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर और प्रकाशिय संचार में इसके अनुप्रयोग, फाइबर सेंसर, स्लॉट तरंग गाइड, सौर ऊर्जा कक्ष आदि ।

श्री बासुआ देवनंद

श्री बासुआ देवनंद ने गणित विज्ञान के तहत गणित विज्ञान में व्याख्याता (संविदा) नियुक्त हुए हैं। आपकी योग्यता है एम.एससी है और ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण हुए हैं। आपने अपनी बी.एससी. खलिकोट कॉलेज ब्रह्मपुर से किया है और टॉपर रहा है। आपने एम.एससी. में गणित विज्ञान एवं अनुप्रयोग संस्थान के माध्यम से राज्य विज्ञान एवं तकनीकी विभाग परिषद, ओड़िशा सरकार के छात्रवृत्ति के लिए चयनित हुए थे।

श्री दिनेश पांडे, गणित विज्ञान विभाग में संविदा व्याख्याता

श्री दिनेश पांडेय ने गणित विज्ञान विभाग में संविदा व्याख्याता के रूप में नियुक्त हुए हैं। आपकी योग्यता है प्रायोगिक गणित विज्ञान में एम.एससी, उत्तराखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय से में 2014 उत्तीर्ण हुए हैं।आप 2011 एवं 2012 में झारखंड गणित विज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित अलंपियाड सम्मान में स्वर्ण पदक के विजेता हैं।

पुरस्कार एवं सम्मान

प्रो. सच्चिदानंद महांति, कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय यूनेस्को के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षा आयोग को नामित

प्रो. सच्चिदानंद महांति, विशिष्ट शिक्षाविद् एवं कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा भारत के अन्य प्रख्यात शिक्षाविदों सहित यूनेस्को के शिक्षा आयोग का एक व्यक्तिगत सदस्य के रूप में मनोनि हुए हैं । इस सदस्यता का कार्यकाल चार साल है। आयोग के अन्य सदस्यों में हैं अध्यक्ष, यूजीसी, अध्यक्ष, एआईसीटीई, महासचिव, एआईयू, निदेशक, एनसीईआरटी, अध्यक्ष, एनबीए, निदेशक, एनएएसी, अध्यक्ष, सीबीएसई और अन्य प्रख्यात शिक्षाविदों ।

यह शिक्षा आयोग, यूनेस्को के सहयोग के लिए भारतीय राष्ट्रीय आयोग का एक भाग है जिसकी स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा १९४९ को हुई थी । इस आयोग का उद्देश्य है गणराज्य भारत में यूनेस्को के उद्देश्य एवं लक्ष्य को बढावा देना है, शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति की उन्नति के लिए काम कर रहे संस्थानों और भारत सरकार के बीच एक संपर्क एजेंसी के रूप में काम करना, ... यूनेस्को के उद्देश्यों, कार्यक्रम और गतिविधियों के बारे में जानकारी का प्रसार करना और यूनेस्कों से संबंधित मुद्दों पर भारत सरकार को सुझाव देना।

कर्नल आर एस चौहान, कुलसचिव, ओड़शा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को " भारत गौरव पुरस्कार " से पुरस्कृत किया गया।

कर्नल आर एस चौहान, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को नई दिल्ली में 24 नवम्बर 2014 को इंडियन इंटरनेशनॉल फ्रेंडशिप सोसाइटी द्वारा उत्कर्षता प्रमाण पत्र सहित भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया । उन्हें सामान्य प्रशासन, कमान एवं नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन में जीवन भर उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण यह पुरस्कार के लिए चुना गया है।

कर्नल राजीव सिंह चौहान, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को लोने में अपनी उत्कृष्ट भूमिका के कारण इंटरनेशनॉल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली द्वारा " भारत पुरस्कार का सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार-**2015** " से सम्मानित किया गया है।

डॉ. फगुनाथ भोई, लोक संपर्क अधिकारी को पीएच.डी. की उपाधि मिली

डॉ. फगुनाथ भोई, लोक संपर्क अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएच.डी. की उपाधि मिली है, पीएच.डी. का शीर्षक था ***" संसदीय गणतंत्र में लोक संपर्क और लोक सूचना-भारतीय संसद का एक अध्ययन***।

समाचारपत्रों, रेडियो, टेलीविजन पर यह पारंपरिक मीडिया की भूमिका पर और आवश्यकता के अनुसार इस्तेमाल भी किया गया था । इस शोधकार्य का मुख्यांश था संसद सदस्यों और मीडिया के बीच अच्छा काम कर रहे संबंधों के महत्व और संसद सदस्य के अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों की आवश्यकता को लाना।

डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, सीबीसीएनआर ने पीआईएएन कार्यक्रम के तहत स्पेन का दौरा किया

डॉ. काकोली बनर्जी ने एम महीने के लिए (जून 2014) की अवधि के लिए सेंटिएंगो डे कंपोस्टेला विश्वविद्यालय, स्पेन में प्रोग्राम डे एक्सलेंसिया इनवेस्टिगाडोरा यूएससी (पीईआईएन) के तहत यूएससी-भारत रिसर्च एक्सलेंस प्रोग्राम के तहत एक सम्माननीय निमंत्रण प्राप्त किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है वर्तमान की बड़ी मांग, अनुसंधान का अंतरराष्ट्रीयकरण, सहयोग परियोजना और प्रोग्राम एवं संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना है। आपने क्रमानुसार 1987 एवं 1989 में यूनेस्को द्वारा घोषित भारतीय सुंदरबन विश्व विरासत स्थल एवं बायोस्फेयर रिजर्व में हो रहे हाईड्रोलोजिकॉल परिवर्तन के लिए एक जलवायु मॉडल को विकसित करने के लिए प्रो.सेवास्टिएन विलासांटे, प्रायोगिक अर्थशास्त्र विभाग के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम का प्रारंभ किया है।

डॉ. सागरिका मिश्रा, समाज विज्ञान के व्याख्याता को पीएचडी. उपाधि मिली

डॉ. सागरिका मिश्रा, समाज विज्ञान के व्याख्याता, समाज विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट को उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से पीएच.डी. की उपाधि मिली है।

डॉ. मिश्र के शोध विषय था " *जल प्रबंधन में सामाजिक, पूंजीगत एवं संस्थानिक संस्कार : ओडिशा, भारत में पाणि पंचायत के एक सामाजिक अध्ययन*। "

कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम	पदनाम
०१	प्रो. सच्चिदानंद महांति, कुलपति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, लांडीगुडा, कोरापुट-७६४०२० ओड़िशा	अध्यक्ष
०२	डॉ. श्रीकांत सुंदरराजन, अध्यक्ष ग्लोबाल स्टेटेजी एंड टेक्नोलोजी पेरसिस्टेंट सिस्टमस लि., बैंगालूर	सदस्य
०३	एयार मार्शल (सेवानिवृत्त) ज्योतिनारायण बर्मा, सदस्य, स्थल सेना न्यायधिकरण, वेस्ट ब्लॉक- VIII, मोहन सिंह मार्केट के बगल में, सेक्टर-१, आर.के. पुरम, नई दिल्ली -११००६६	सदस्य
०४	प्रो. (डॉ.) सुधाकर पंडा, निदेशक, भौतिकी संस्थान, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-७५१००५	सदस्य
०५	प्रो. ए. एम. जायण्णावर, प्रोफेसर भौतिकी संस्थान, सचिवालय मार्ग, भुवनेश्वर-७५१००५	सदस्य
०६	प्रो. वेद प्रकाश, अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादूर शाह जाफर मार्ग, नई दिल्ली-११० ००२	सदस्य
०७	सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली- ११० ११५	सदस्य
०८	श्री गगन कुमार धल, भाप्रस, प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर	सदस्य
०९	डॉ. शरत कुमार पलिता, एसोसीएट प्रोफेसर तथा डीन, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
१०	डॉ. कपिल खेमुंडुमुख्य, प्रभारी, समाज विज्ञान अध्ययन केंद्र, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट -७६४०२०	सदस्य
११	कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम और उनका पता	पदनाम
०१	प्रो. सच्चिदानंद महांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो. ए. एम. पठाण, भूतपूर्व कुलपति, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
०३	प्रो. रंजन एम. वेलूकर, भूतपूर्व कुलपति, बम्बे विश्वविद्यालय, मुंबई	सदस्य
०४	प्रो. सांतानु कुमार स्वांई, शिक्षा के प्रोफेसर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणासी-२२१ ०१०	सदस्य
०५	प्रो. प्रशांत कुमार साहु, भूतपूर्व कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणि बिहार, भुवनेश्वर	सदस्य

०६	डॉ. संजय जोडपेनिदेशक, पब्लिक हेल्थ एजुकेशन, आईआईपीएच, आईएसआईडी परिसर, ४, इंस्टीच्यूशनॉल एरियावसंत कुंज, नई दिल्ली -११० ०७०	सदस्य
०७	डॉ. एस.के. पलिता, अधिष्ठाता, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
०८	डॉ. कपिल खेमुंडु, मुख्य प्रभारी, नृविज्ञान अध्ययन विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
०९	डॉ. जयंत कुमार नायक, मुख्य प्रभारी, नृविज्ञान अध्यियन विभाग ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१०	डॉ.प्रदोश कुमार रथ, मुख्य प्रभारी, जे.एम. सी. विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
११	श्री संजित कुमार दास, मुख्य प्रभारी, अंग्रेजी भाषा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१२	डॉ. अलोक बराल, मुख्य प्रभारी, ओड़िया भाषा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१३	श्री ज्योतिस्का दत्ता, मुख्य प्रभारी, गणित विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१४	श्री. पी.के. बेहेरा, मुख्य प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१५	डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, मुख्य प्रभारी, शिक्षक शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१६	श्री प्रदोश कुमार स्वांई, सहायक प्रोफेसर, ओडिआ भाषा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१७.	कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य सचिव

वित्त समिति के सदस्यगण

क्रमांक	संघटक	नाम
१	कुलपति	प्रो. सच्चिदानंद महांति
२	प्रो. कुलपति	रिक्त
३	न्यायालय का नामित व्यक्ति	रिक्त
४	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	प्रो. सुधाकर पण्डा, निदेशक, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर
५	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	प्रो. राममूर्ति नायडू, कुलाधिपति, विज्ञान विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश
६	कार्यकारी परिषद का नामित व्यक्ति	प्रो. आमापाल्ली मेरचांट, प्रोफेसर, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
७	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहाकार/एमएचआरडी अथवा उनका नामित व्यक्ति, वित्तीय ब्यूरो से जो उप-सचिव स्तर से कम न हो
८	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा भाषा), एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो
९	परिदर्शक का नामित व्यक्ति	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी अथवा किसी संयुक्त सचिव जिसे अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित हो
१०	पदेन सचिव	श्री श्रीनिवास पृष्टि, वित्त अधिकारी, सीयूओ

भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
०१	प्रो. सच्चिदानंद महांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
०२	प्रो. कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (रिक्त)	सदस्य
०३	वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
०४	श्री माहागांकर, सेवानिवृत्त, चीफ टाउन प्लानर, जयपुर (राजस्थान) और सलाहाकार, परिसर विकास, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
०५	मुख्य यंत्री (भवन), ओडिशा सरकार, निर्माण सौध, मुख्य यंत्री का कार्यालय (भवन), यूनिट- IV, भुवनेश्वर	सदस्य
०६	प्रो. कान्हू चरण पात्र, सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, राउरकेला, ओड़िशा	सदस्य
०७	प्रो. विद्याधर सुबुद्धि, इलेक्ट्रिकॉल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, राउरकेला, ओड़िशा	सदस्य
०८	ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य के लिए विश्वविद्यालय का वास्तुविद/परामर्शदाता	सदस्य
०९	विश्वविद्यालय के यंत्री (रिक्त)	सदस्य
१०	कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन सदस्य सचिव

Guest house at CUO Permanent Campus, Sunabedha

The National Bird admires twilight by river Kerandi, adjacent to CUO
Pix credit : K. Shiva Kumar, Alumni, Department of Journalism & Mass Communication, CUO

CENTRAL UNIVERSITY OF ORISSA, KORAPUT
(Established by an Act of Parliament)
Landiguda, Koraput - 764020, Odisha
Phone : 06852-288235, Fax : 06582-288225
Website: www.cuo.ac.in, Email : info@cuo.ac.in